राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,28सितम्बर2020 वर्ष–3, अंक –242 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल परियोजना की सेवा शर्तें तय करने को यूपी और केंद्र सरकार में होगा करार

लखनऊ। दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच चलने वाली रैपिड रेल परियोजना में और तेजी लाने के लिए यूपी केंद्र की शर्तों के आधार पर एमओयू पर हस्ताक्षर करेगा। इसके लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को पत्र भेज दिया गया है। केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना शुरू की है। इसमें दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच तेज गति से ट्रेन चलाई जाएगी। इससे एनसीआर के बीच चलने वालों को काफी सुविधा होगा। इस परियोजना की शर्तों के अनुसार केंद्र और यूपी के बीच एमओयू होना है। केंद्र सरकार के आवासीय और शहरी कार्य मंत्रालय ने कैबिनेट फैसले के अनुसार इस पर हस्ताक्षर कर दिया है। इस पर अब यूपी सरकार को हस्ताक्षर करना है। इसमें दोनों के बीच सेवा शर्तें तय होंगी। प्रमुख सचिव आवास दीपक कुमार ने इस संबंध में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजकर एमओयू को

उपलब्ध कराने को कहा है। राज्य सरकार से इस एमओयू पर उन्हें हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत किया गया है। उनके द्वारा इस पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद इसे पुन- केंद्र सरकार को वापस भेजा जाएगा। आवास विभाग का मानना है कि इस पर हस्ताक्षर होने के बाद रैपिड रेल परियोजना में और तेजी आएगी।

NIA ने अलकायदा के 10वें आतंकवादी को किया गिरफ्तार, भारत में हमले की बना रहा था योजना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को अल-कायदा के संदिग्ध आतंकी समीम अंसारी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया। एनआईए अधिकारियों के अनुसार मुर्शिदाबाद के जलंगी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले नंदपारा कालीगंज निवासी समीम अंसारी को मुर्शिदाबाद न्यायिक अधिकारी (सीजेएम) के समक्ष पेश किया गया और उसको ट्रांजिट रिमांड पर ले लिया गया है।

इसके बाद अब उसे दिल्ली में एनआईए की विशेष अदालत के सामने पेश किया जाएगा, जहां

उससे पूछताछ की जाएगी।

एनआईए ने केरल के एनार्कुलम जिले तथा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न जगहों से 19 सितंबर को अल कायदा के नौ संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी समीम अलकायदा मॉड्यूल का 10वां आतंकी है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए संदिग्धों का संपर्क पाकिस्तान से है और इनकी नयी दिल्ली समेत देश के कई सरकारी संस्थानों को निशाना बनाने की योजना थी।

एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध आतंकवादियों से बड़ी मात्रा में हथियार, देश-निर्मित आग्नेयास्त्र, स्थानीय स्तर पर निर्मित शरीर कवच, जिहादी साहित्य और विस्फोटक बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले साहित्य बरामद किए गए हैं। वे दिल्ली-एनसीआर, कोच्चि और मुंबई सहित कई स्थानों पर हमले की योजना बना रहे थे।

पिछले हफ्ते नौ संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद जारी एक बयान में एनआईए ने कहा, प्रारंभिक जांच के अनुसार, इन व्यक्तियों को सोशल मीडिया पर पाकिस्तान स्थित अल-कायदा आतंकवादियों द्वारा कट्टरपंथी बनाया गया था और दिल्ली सहित कई स्थानों पर हमले करने के लिए प्रेरित किया गया था। इस उद्देश्य के लिए, मॉड्यूल सक्रिय रूप से धन उगाहने में लगा हुआ था और गिरोह के कुछ सदस्य हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करने की योजना बना रहे थे।

बिहार में एक दर्जन बीजेपी विधायकों का कट सकता है टिकट, अगले सप्ताह जारी होगी पहली लिस्ट

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करने में भाजपा एंटी इनकम्बेंसी फैक्टर पर भी पूरी नजर रखे है। वह ऐसे विधायकों के टिकट काट सकती है, जिनसे जनता नाराज है। पार्टी ने ऐसे लगभग एक दर्जन विधायकों की सूची तैयार की है। इनको लेकर राज्य इकाई के साथ मंत्रणा जारी है। भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची अक्तूबर के पहले हफ्ते में जारी कर दी जाएगी।

विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के साथ ही उम्मीदवार तय करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। राजग के भीतर अभी औपचारिक रूप से भाजपा, जदयू और लोजपा के बीच सीटों का बंटवारा होना बाकी है। हालांकि, हर पार्टी ने अपने-अपने उम्मीदवारों और सीटों की तैयारी शुरू कर दी है। अगले सप्ताह राजग के बड़े नेता सीटों के तालमेल को अंतिम रूप दे सकते हैं। सूत्रों के अनुसार भाजपा की पहली सूची भी अक्तूबर के पहले सप्ताह में जारी की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व ने राज्य में मौजूदा विधायकों को लेकर

कराए अन्दरूनी सर्वे में लगभग एक दर्जन विधायकों के खिलाफ माहौल का असर सामने आया है। इसे देखते हुए लगभग इन विधायकों पर तलवार लटक रही है। इन विधायकों के टिकट काटे जाएं या नहीं, इसे लेकर राज्य की राय को केंद्रीय नेतृत्व महत्व देगा, क्योंकि गठबंधन में बहुत सारे पहलू गौर करने पड़ते हैं। भाजपा अपने उम्मीदवारों के साथ सहयोगी दलों के उम्मीदवारों की सूची पर भी नजर रखे हैं। पार्टी की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा में ऐसे उम्मीदवार हैं, जिनके खिलाफ जनता में किसी तरह की नाराजगी न हो और हो भी तो उसे दूर किए जा सकने की स्थिति भी हो।

बिहार विधानसभा की 243 सीटों पर कहां जदयू, कहां भाजपा, कहां लोजपा तथा हम के प्रत्याशी होंगे, इसको लेकर जल्द ही फैसला होने के आसार हैं। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो एक अक्टूबर तक एनडीए की ओर से सीट शेयरिंग की विधिवत घोषणा की जाएगी। एनडीए में सीटों के बंटवारे को लेकर लंबे समय से इस घटक के दोनों प्रमुख दल जदयू और भाजपा के बीच मंथन का दौर चल रहा था। शुक्रवार को चुनाव की घोषणा के साथ ही जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कहा था कि बहुत ही कम समय में सीटें तय होंगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि आपस में अभी बातचीत नहीं हुई है। पर, चुनाव की तारीखों का एलान हो गया है और हमलोगों के पास बहुत कम समय बचा है। इसलिए जल्द ही सीट शेयरिंग हो जाएगी। भाजपा से हमारा आरंभ से ही अच्छा संबंध रहा है और इसमें कहीं कोई दिक्कत नहीं है।

जानीमानी अर्थशास्त्री इशर जज अहलूवालिया का निधन, ब्रेन कैंसर से थीं पीड़ित

नई दिल्ली। जानीमानी अर्थशास्त्री और भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित इशर जज अहलूवालिया का निधन हो गया है। 74 साल की अहलूवालिया ब्रेन कैंसर से पीड़ित थीं। उनके पति मोंटेक सिंह अहलूवालिया योजना आयोग के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। अहलूवालिया लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों पर भारतीय अनुसंधान परिषद (आइसीआरआइईआर) की चेयरपर्सन रहीं। खराब स्वास्थ्य के कारण पिछले महीने ही उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके दो बेटे पवन और अमन हैं।आइसीआरआइईआर के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजत कथूरिया ने कहा, मैं बिना संदेह के कह सकता हूं कि आइसीआरआइईआर उनके डीएनए में था। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआइटी) से पीएचडी, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एमए और कोलकाता के प्रेसिडेंसी कॉलेज से बीए (इकोनॉमिक्स ऑनर्स) किया था। उनका शोध भारत में शहरी विकास, वृहद-आर्थिक सुधार, औद्योगिक विकास और सामाजिक क्षेत्र के विकास के मुद्दों पर केंद्रित था।उन्होंने कई किताबें भी लिखी थीं। इनमें से दो 'इंडस्ट्रीयल ग्रोथ इन इंडिया ः स्टेगनेशन सिंस द मिड-सिक्सटीज' और 'प्रोडक्टिविटी एंड ग्रोथ इन इंडियन मैन्युफैक्चरिंग' प्रमुख हैं। उन्होंने अपनी आखिरी पुस्तक 'ब्रेकिंग थ्रू' को तब पूरा किया था, जब वह गंभीर रूप से बीमार थीं। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश, नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार, बायकॉन की प्रमुख किरण मजूमदार शॉ, पूर्व विदेश सचिव निरुपमा मेनन राव समेत तमाम लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह का निधन, लंबे समय से थे बीमार, पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे जसवंत सिंह का निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, जसवंत सिंह जी ने पहले एक सैनिक के रूप में और बाद में राजनीति के साथ अपने लंबे जुड़ाव के दौरान देश की सेवा पूरी मेहनत से की। अटल जी की सरकार के दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण विभागों को संभाला और वित्त, रक्षा और बाहरी मामलों की दुनिया में एक मजबूत छाप छोड़ी। उनके निधन से दुखी हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा, जसवंत सिंह जी को राजनीति और समाज के मामलों पर उनके अनूठे दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने भाजपा को मजबूत बनाने में भी योगदान दिया। मैं हमेशा उनके साथ हमारी बातचीत को याद रखूंगा। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।

वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, अनुभवी भाजपा नेता और पूर्व मंत्री श्री जसवंत सिंह जी के निधन से गहरा दुख हुआ। उन्होंने रक्षा मंत्रालय के प्रभारी सहित कई क्षमताओं में देश की सेवा की। उन्होंने खुद को एक प्रभावी मंत्री और सांसद के रूप में प्रतिष्ठित किया। जसवंत सिंह जी को उनकी बौद्धिक क्षमताओं और देश की सेवा में तारकीय रिकॉर्ड के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने राजस्थान में भाजपा को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना। ? शांति।

> **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, अनुभवी भाजपा नेता और पूर्व मंत्री श्री जसवंत सिंह जी के निधन से गहरा दुख हुआ। उन्होंने रक्षा मंत्रालय के प्रभारी सहित कई क्षमताओं में देश की सेवा की। उन्होंने खुद को एक प्रभावी मंत्री और सांसद के रूप में प्रतिष्ठित किया। जसवंत सिंह जी को उनकी बौद्धिक क्षमताओं और देश की सेवा में तारकीय रिकॉर्ड के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने राजस्थान में भाजपा को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना।**

उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताते हुए कहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता श्री जसवंत सिंह जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व परिजनों को इस आघात को सहने की क्षमता प्रदान करें। ? शांति।

2014 में टिकट नहीं मिलने पर छोड़ दी थी पार्टी

जसवंत सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृ?व वाली एनडीए सरकार में 1996 से 2004 के बीच रक्षा, विदेश और वित्त जैसे मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजापी ने उन्होंने टिकट नहीं दिया, इसके बाद उन्होंने पार्टी छोड़ दी। उसी साल उन्हें सिर में गंभीर चोटें आई, तब से वह कोमा में थे।

भारतीय सेना में रहे जसवंत सिंह ने बाद में राजनीति का दामन थाम लिया था। बीजेपी की स्थापना करने वाले नेताओं में शामिल जसवंत ने राज्यसभा और लोकसभा, दोनों सदनों में बीजेपी का प्रतिनिधित्व किया। बतौर वित्त मंत्री जसवंत सिंह ने स्टेट वैल्यू ऐडेड टैक्स की शुरुआत की जिससे राज्यों को ज्यादा राजस्व मिलना शुरू हुआ। उन्होंने कस्टम ड्यूटी भी घटा दी थी।

चीन से विवाद के बीच बोले जयशंकर-सशस्त्र बलों की क्षमता पर करें विश्वास

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर चीन के साथ गतिरोध के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि हमें हमारे हितों की रक्षा करने में अपने सशस्त्र बलों पर और उनकी क्षमता पर विश्वास करने की जरूरत है। जयशंकर ने कहा कि चीनियों से बातचीत करने में प्रणाली सैन्य कमांडरों और कूटनीतिक माध्यमों की क्षमता में भी विश्वास रखने की जरूरत है। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर स्थिति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने एक चैनल को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि आप जानते हैं कि यह एक खास तरीके से होने वाला है। कुछ चीजें होंगी, जो चीन ने की हैं। कुछ प्रतिक्रिया होगी जो भारत ने की है। दरअसल, बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि मीडिया हर चीज जानने के लिए विवश है, लेकिन दुर्भाग्य से वास्तविक जीवन कुछ अलग है। इसलिए कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में है। वहां एक जटिल जमीनी स्थिति है। उन्होंने कहा कि हमें हमारे हितों की रक्षा करने में हमारे सशस्त्र बलों पर और उनकी क्षमता पर विश्वास करना होगा और स्पष्ट रूप से प्रणाली की क्षमता में विश्वास रखना होगा, मेरा मतलब चीन के

साथ बातचीत करने में सैन्य कमांडरों और कूटनीतिक माध्यमों दोनों से है। उन्होंने कहा कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में जल्दबाजी नहीं करें।

पुस्तक पर भी चर्चा की–जयशंकर ने हाल ही में जारी पुस्तक द इंडिया वे पर भी विस्तार से चर्चा की। उल्लेखनीय है कि पूर्वी लद्दाख में तनाव उस वक्त के बाद कई गुना बढ़ गया जब गलवान घाटी में 15 जून को दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए।

दूसरी बार संक्रमित होने पर मिले ज्यादा वायरस

बिना लक्षण वाले मरीजों को दोबारा संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। दुनिया भर में कोरोना के दोबारा संक्रमण को लेकर बहस छिड़ी हुई है। यह कहा जा रहा है कि ऐसे मामले दुर्लभ होते है। अभी तक की रिपोर्ट यह भी बता रही थी कि दोबारा संक्रमण कम खतरनाक है। लेकिन देश में हुए पहले अध्ययन में यह दावा किया गया है कि दोबारा संक्रमण पहले से कहीं ज्यादा घातक हो सकता है। क्योंकि दूसरी बार संक्रमित मरीजों के शरीर में वायरस की संख्या पहले से ज्यादा पाई गई है।

यह अध्ययन संभवत पूरी दुनिया का पहला अध्ययन है, जो दो बिना लक्षणों वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं पर किया गया है, जिन्हें कुछ ही महीनों के भीतर दोबारा कोरोना संक्रमण हुआ। दोनों व्यक्तियों में दोनों बार कोई लक्षण नहीं दिखे। यह घटना भी विश्व की पहली है। इस अध्ययन में बाकायदा इनमें पाए गए कोरोना वायरस की जेनेटिक संरचना का अध्ययन किया गया। नतीजे और भी चौंकाने

वाले हैं। मेडिकल जर्नल 'क्लिनिकल इंफेक्सियस डिसीज' में प्रकाशित शोध के अनुसार नोएडा के एक अस्पताल में कार्यरत 25 साल के पुरुष तथा 28 वर्ष की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता रुटीन जांच में क्रमशः पांच और 17 मई को कोरोना संक्रमित निकले। उपचार के बाद 13 और 27 मई को दोनों की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई। दोनों में कोई लक्षण नहीं थे। इसके बाद इन दोनों कार्मिकों की रुटीन जांच में 21 अगस्त एवं 5 सितंबर को फिर से कोरोना संक्रमित पाया गया। उपचार के बाद 14वें एवं छठवें दिन इनकी रिपोर्ट फिर से निगेटिव पाई गई। दोनों मामलों का सीएसआईआर के इंस्टीट्यूट आफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलाजी (आईजीआईबी), गर्वमेंट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज ग्रेटर नोएडा तथा एकेडमी आफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च के शोधकर्ताओं ने गहन अध्ययन किया। दोनों संक्रमणों के दौरान वायरस के आरएनए की जेनेटिक संचरना का भी अध्ययन किया। इसके दो चौंकाने वाले नतीजे निकले हैं। पहले के संक्रमण की तुलना में दूसरी बार दोनों मरीजों में वायरल लोड ज्यादा पाया गया। वायरल लोड जितना ज्यादा होता है, बीमारी उतनी ज्यादा घातक हो सकती है। पहले संक्रमण में मरीज में पहली बार वायरल लोड 89.08 फीसदी था जो दूसरी बार 99.96 फीसदी हो गया। दसरे मरीज में यह 85.60 से बढ़कर 92.14 फीसदी हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हो गया ऐलान

बिहार विधानसभा चुनाव का शुक्रवार को ऐलान कर दिया गया। कुल 243 सीटों के लिए दशहरा से दीपावली के बीच तीन चरणों में वोट ड़ाले जाएंगे। 28 अक्टूबर को पहले चरण की वोटिंग होगी, 7 नवम्बर को आखिरी दौर की वोटिंग होगी। 10 नवम्बर को मतगणना होगी। चुनावी कार्यक्रम जारी होने के बाद सभी पार्टियों ने अपनी रणनीतिक तैयारी तेज कर दी है। कोरोना काल में चुनाव कराना निश्चित तौर पर चुनाव आयोग के लिए बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि आयोग ने कई स्तर पर तैयारियां की है, और उन्हें अंतिम रूप देने में लग गया है। मसलन; एक बूथ पर एक हजार मतदाता होंगे, पोलिंग बूथ पर मतदाताओं की संख्या घटाई गई है। 6 लाख पीपीई किट, 46 लाख मास्क का इस्तेमाल होगा। 6 लाख फेस शील्ड, 23 लाख ग्लव्स, 47 लाख हैंड सेनेटाइजर की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, मतदान के समय में भी बदलाव किया गया है। इस बार मतदान का समय बढ़ाया गया है। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होंगे। वोटिंग के अंतिम समय में कोरोना मरीज भी वोट डाल सकेंग, ऐसी व्यवस्था की गई है यानी कोरोना काल में नये सुरक्षा मानकों के साथ चुनाव संपन्न कराने की योजना है। हालांकि कोरोना की भयावह स्थिति और बिहार के आधे से ज्यादा इलाकों में बाढ़ की विभीषिका के बीच चुनाव नहीं कराने की याचिका सर्वोच्च अदालत ने खारिज कर दी थी। राज्य में फिलहाल नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए की सरकार है। सत्तासीन गठबंधन को दोबारा सत्ता में वापसी का भरोसा है तो वहीं आरजेडी समेत दूसरी विपक्षी पातटयां सरकार पर हमलावर तेवर अपनाए हुए हैं। विपक्षी महागठबंधन को भरोसा है कि नीतीश के शासन से जनता ऊब चुकी है और इस बार महागठबंधन को सत्ता दिलाएगी। लेकिन महागठबंधन दलों में कुल कितने दल हैं और वो कितनी सीटों पर लड़ेंगे, यह अभी तय नहीं हो सका है। वहीं एनड़ीए में जद (यू), भाजपा, लोजपा और हम पार्टी हैं। हालांकि यहां भी सीटों को लेकर खींचतान पर है। खासकर लोजपा जिस तरह से नीतीश कुमार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए है, उससे कई तरह की चर्चा है। देखना होगा कि अब जबकि चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी है तो पार्टियां कैसे इस विवाद का समाधान तलाशती हैं। हां, इतना तो जरूर है कि राज्य में राजनीतिक सरगर्मी अब चरम पर होगी।

सुधारों का विरोध

यह तर्क से परे है कि मोहभंग का सबब बन रही खेती को लाभदायक बनाने के लिए सरकार आनन-फानन में संसद में बिल पारित करे और किसान उसके विरोध में सड़कों पर उतर आयें। इन बिलों के खिलाफ देश के किसान संगठनों ने शुक्रवार को देशव्यापी चक्का जाम का आह्वान किया था। जिन बिलों को लेकर सरकार का दावा था कि वे किसानों की आय बढ़ाएंगे और उनके उत्पादों के लिये बाजार खुलेगा, उसके खिलाफ पंजाब, हरियाणा ही नहीं, देश के दूसरे भागों से भी विरोध के सुर मुखर हो रहे हैं। सरकार कह रही है कि विरोध?के पीछे कांग्रेस खड़ी है तो फिर भाजपा शासित हरियाणा में विरोध क्यों? यह ठीक है कि पंजाब व हरियाणा में स्थापित व्यवस्था में किसान एमएसपी और कृषि मंडी व्यवस्था का लाभ पूरी तरह उठाते हैं, इसलिये भी विरोध के स्वर यहां ज्यादा बुलंद हैं, मगर विरोध की आवाजें अब देश के दूसरे कोनों से भी आने लगी हैं। कहीं न कहीं केंद्र सरकार किसानों को भरोसे में नहीं ले पायी। यदि वह सुधारों पर देशव्यापी विमर्श करती और किसानों की समझ में आ जाता है कि वाकई उनका भला होने वाला है तो शायद किसान विरोध नहीं करता। निस्संदेह कृषि मंडियों के जरिये न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति के तहत सरकारी खरीद में राज्य सरकारों का निश्चित हिस्सा होता है, जिसके चलते राज्यों को अपनी आय का एक जरिया बंद होने का खतरा भी महसूस हो रहा है। मगर, इसके बावजूद किसानों में यह आशंका घर कर गई है कि हालिया सुधार कृषि क्षेत्र को कॉर्पोरेट के हाथ में सौंपने की तैयारी है। निस्संदेह ऐसी तमाम आशंकाओं के निराकरण के लिये सरकार को आगे आना चाहिए। हालांकि, प्रधानमंत्री कह चुके हैं कि एमएसपी को खत्म नहीं किया जायेगा और खरीद मंडियां पहले की तरह काम करती रहेंगी। लेकिन किसानों की आशंकाएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। पंजाब में रेल रोको आंदोलन और शेष देश में चक्का जाम से आम लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

सवाल है कि जब सरकार कह रही है कि सरकारी खरीद होगी और न्यूनतम समर्थन मूल्य पहले की तरह जारी रहेगा तो फिर किसान आंदोलित क्यों हैं? दरअसल, किसान आश्वासन से बढ़कर गारंटी चाहते हैं। कुछ कृषि विशेषज्ञ दावा कर रहे हैं कि सरकार को एक चौथा बिल न्यूनतम समर्थन मूल्य को गारंटी देने के लिये लाना चाहिए तो फिर आंदोलन समाप्त हो जायेगा। वहीं कृषि मंत्री कह रहे हैं कि हम आश्वासन दे रहे हैं। यह भी कि पहले भी एमएसपी को कानूनी गारंटी नहीं थी। लेकिन पहले ऐसे सुधार के कानून भी तो नहीं बने थे। बहरहाल, मौजूदा स्थितियां राजग सरकार की चिंताएं बढ़ाने वाली हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि उसका पुराना सहयोगी अकाली दल भी इस मुद्दे पर किसानों के साथ खड़ा है। अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे चुकी हैं। बिल पारित होने के बाद उसका दूसरा सहयोगी दल जद-यू भी एमएसपी से कम पर खरीद को दंडनीय अपराध बनाने की मांग कर रहा है। यह सामान्य समझ की बात है कि जिस वर्ग की भलाई के लिये कानून बनाया गया है वह उसका स्वागत क्यों नहीं कर रहा है। जाहिर-सी बात है कि सरकार सुधार के मकसद को किसानों तक पहुंचाने में नाकाम रही है। वहीं इन बिलों को राजग सरकार ने जिस ढंग से पारित कराया और राज्यसभा में जो अप्रिय घटनाक्रम उपजा, उसने भी देश व किसानों के मध्य यह संदेश दिया कि सब कुछ ठीक नहीं है। ऐसे में असंतुष्ट किसानों से संवाद की भी कोशिश की जानी चाहिए थी। निस्संदेह विरोध के पीछे राजनीति भी है लेकिन किसानों में भी तो भरोसा पैदा किया जाना जरूरी है। वहीं खेती का आधुनिकीकरण भी जरूरी है। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कोरोना संकट के चलते हम बेहद चुनौती भरे समय में जी रहे हैं और ऐसे आंदोलनों से संक्रमण को विस्तार ही मिलेगा।

विदेशी मीडिया

दुनिया की चिंता

आग, पानी और बर्फ के क्रूर कोरस ने मतदाताओं को चुनावी मुद्दों की याद दिला दी। आग ने पश्चिम के सूखे जंगलों को जला दिया, आसमान प्रदूषित कर दिया। गल्फ कोस्ट राज्यों में तूफान सैली की वजहसे भयावह बाढ़ आ गई। तापमान के बढ़ने के साथ अंटार्कटिक ग्लेशियर बड़े पैमाने पर पिघल रहे हैं, समय के साथ समुद्र का जल स्तर 10 फीट बढ़ने का खतरा है।

बुखार से तपता ग्रह (पृथ्वी) मतदाताओं को बता रहा है कि उसे अनदेखा न किया जाए। डोनाल्ड ट्रंप और जो बिडेन इस मोर्चे पर अलग-अलग विचार या विकल्प प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रपति इनकार की भूमि में रहते हैं। पिछले हफ्ते कैलिफोर्निया यात्रा के दौरान उन्होंने मुस्कराते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन से प्रेरित सूखे और बढ़ते तापमान ने जंगलों को उजाड़ दिया है। उन्होंने यह भी कहा, 'मुझे नहीं लगता कि विज्ञान वास्तव में जानता है'। जबकि विज्ञान वास्तव में सब जानता है। आज कार्बन डायऑक्साइड ऐसे खतरनाक स्तर पर है, जैसा पिछले आठ लाख वर्षों में नहीं रहा है, लेकिन ट्रंप की नीतियां जताती रही हैं कि ऐसा कुछ नहीं है। ज्यादा बुरी बात, राष्ट्रपति ने अमेरिका को पेरिस जलवायु समझौते से बाहर कर लिया है। ट्रंप प्रशासन ने ऐसे कम से कम 100 नियम वापस लिए हैं, जो ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के मकसद से लागू थे। ये जो बदलाव हुए हैं, उनकी वजह से साल 2035 तक अमेरिका 1.8 गिगाटन अतिरिक्त कार्बन डायऑक्साइड वायुमंडल में छोड़ेगा। दूसरी ओर, जो बिडेन इसके विपरीत नीतियां रख रहे हैं। वह अपने पहले के चार वर्ष में ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजी, ढांचागत सुधार, पवन चक्कियों व सौर पैनल पर दो ट्रिलियन डॉलर खर्च करेंगे। उनके लक्ष्य में साल 2050 तक देश को पूरी तरह ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन से मुक्त करना शामिल है। बिडेन दुनिया की अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी सुधार के लिए दबाव डालने की बात कह रहे हैं। बिडेन पेरिस जलवायु समझौते के प्रति प्रतिबद्धता जाहिर करेंगे। बिडेन सुधार के लिए कुछ करेंगे, जबकि ट्रंप चीजों को बिगाड़ते जा रहे हैं।

गठबंधन बरकरार तो बिहार में 'बहार'

उपेन्द्र राय

तारीखों के ऐलान के साथ ही बिहार में विधानसभा चुनाव का औपचारिक शंखनाद हो गया है। कोरोना संक्रमण के कारण चुनाव के फलित होने को लेकर जो संदेह था, वो इस ऐलान के साथ अब दूर हो गया है। सब ठीक रहा तो तीन चरणों का चुनाव अक्टूबर के आखिरी हफ्ते से शुरू होकर नवम्बर के पहले सात दिन में पूरा हो जाएगा और 10 नवम्बर तक जनादेश भी सामने आ जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने दुनिया के 70 देशों में चुनाव टलने का हवाला देते हुए बिहार चुनाव के संचालन को बेशक न्यू नॉर्मल बताया हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि देश की सबसे दिलचस्प सियासी महाभारत में गठबंधनों की तस्वीर बनने-बिगड़ने के अलावा कुछ भी नया नहीं दिख रहा है। चुनावी सीजन में पाला बदलने का खेल पहले ही शुरू हो गया था, अब चुनावी कार्यक्रम पर मुहर लगने के बाद 'भगदड़' और तेज होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुराने मतभेद भुलाकर अपनी पुरानी छवि और पुराने सहयोगी के साथ फिलहाल मजबूती से एक पाले में खड़े दिख रहे हैं। साल 2015 में प्रधानमंत्री के 'डीएनए' वाले तंज को लेकर नीतीश को अब कोई रंज नहीं है। लिहाजा सुशासन बाबू और बीजेपी इस बार फिर साथ हैं, लेकिन लोक जनशक्ति पार्टी के नेतृत्व की 'महत्वाकांक्षा' ने एनडीए के सामने चिराग तले अंधेरा वाले हालात खड़े कर दिए हैं। इसकी एक वजह यह मानी जा रही है कि पिछले तीन दशकों से हर केंद्र सरकार में मंत्री रहे रामबिलास पासवान अपने बेटे चिराग पासवान के लिए इसी तरह का 'स्थायित्व' बिहार में तलाश रहे हैं। बेटे को पार्टी की गद्दी सौंपने के बाद अब वो उसे बिहार की सत्ता का किंग बनाने की हसरत पाले बैठे हैं, किंग नहीं तो कम-से-कम किंगमेकर ही बन जाए। पासवान जानते हैं कि 25-30 सीटों पर चुनाव लड़कर तो यह सपना पूरा होने से रहा, इसके लिए राज्य में एलजेपी की जमीन को और विस्तार की जरूरत पड़ेगी, लेकिन नीतीश भी राजनीति के पुराने चावल हैं और पासवान की चाल को पहले ही ताड़ चुके हैं। इसीलिए वो भी एलजेपी को ज्यादा सीटें नहीं देने की जिद पर अड़े हैं।

> जेडी (यू) और बीजेपी ऊपर से भले साथ दिखते हों, भले बीजेपी नीतीश को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बता रही हो, लेकिन दोनों के आपसी रिश्ते कभी सहज नहीं दखे हैं। अनुच्छेद 370, राम मंदिर और नागरिकता कानून जैसे मुद्दों पर दोनों के बुनियादी मतभेद हैं और नीतीश कई मौकों पर विचारधारा से समझौता नहीं करने की बात कह तुके है। ऐसे में बीजेपी भी चाहेगी कि बिहार में चिराग का दबदबा बढ़े जिससे उन्हे नीतिश पर नकेल की तरह इस्तेमाल किया जा सके।

रही बात बीजेपी की, तो इस विवाद पर उसकी चुप्पी में भी कई थ्योरी काम कर रही हैं। जेडी (यू) और बीजेपी ऊपर से भले साथ दिखते हों, भले बीजेपी नीतीश को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बता रही हो, लेकिन दोनों के आपसी रिश्ते कभी सहज नहीं दिखे हैं। अनुच्छेद 370, राम मंदिर और नागरिकता कानून जैसे मुद्दों पर दोनों के बुनियादी मतभेद हैं और नीतीश कई मौकों पर विचारधारा से समझौता नहीं करने की बात कह चुके हैं। ऐसे में बीजेपी भी चाहेगी कि बिहार में चिराग का दबदबा बढ़े, जिससे उन्हें नीतीश पर नकेल की तरह इस्तेमाल किया जा सके। इसमें कोई दो राय नहीं कि हाल के दिनों में चिराग की राजनीतिक हैसियत में खासा इजाफा हुआ है। उन्होंने एलजेपी को नई पहचान देने काम का किया है। उनके पिता के जमाने में एलजेपी को केवल दलितों की पार्टी कहा जाता था, लेकिन प्रादेशिक से लेकर राष्ट्रीय मुद्दों पर बेबाक राय रखकर चिराग तेज-तर्रार युवा नेता बनकर उभरे हैं। इस मामले में वो तेजस्वी पर बीस पड़ते हैं, लेकिन चिराग इससे संतुष्ट नहीं हैं, वो नीतीश से भी आगे जाना चाहते हैं। ऐसी सूचनाएं हैं कि इसके लिए चिराग उसी रणनीति पर काम कर रहे हैं, जिस पर 15 साल पहले उनके पिता चले थे।

2005 के विधानसभा चुनाव में दलित, मुस्लिम और अगड़े भूमिहारों का समीकरण बनाकर एलजेपी ने 29 सीटें जीत कर सत्ता की चाबी भी हासिल कर ली थी, लेकिन मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने की जिद पर अड़े रहकर सीनियर पासवान ने तब मौका गंवा दिया था। जूनियर पासवान को यह चुनाव उस 'गलती' की भरपाई का मौका दिख रहा है। एलजेपी की योजना है कि वो बिहार में 143 सीटों पर चुनाव लड़े और ये सभी वो सीटें होंगी जिन पर जेडीयू का प्रत्याशी खड़ा होगा। यानी एलजेपी बीजेपी के खिलाफ अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। ऐसी सूरत में जो नुकसान होगा वह जेडीयू का होगा और बीजेपी को 'छोटे भाई' वाली मजबूरी से छुटकारा मिल जाएगा। दूसरी तरफ नीतीश भी एक्टिव हैं। एलजेपी के मोल-भाव को सीमित रखने के साथ ही उसके एनडीए छोड़ने तक की सूरत के लिए डैमेज कंट्रोल की उन्होंने पहले से ही तैयारी कर ली है। दलित नेता और मुख्यमंत्री रह चुके जीतनराम मांझी की एनडीए में एंट्री करवाकर नीतीश ने एक तीर से दो शिकार किए हैं। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा ठोक रहे दो युवा नेताओं चिराग पासवान और तेजस्वी यादव की राह में उन्होंने एक चाल से सियासी भूचाल ला दिया है। आने वाले दिनों में नीतीश की इस टीम में उपेन्द्र कुशवाहा भी नये किरदार के तौर पर दिखाई दें, तो हैरानी नहीं होनी चाहिए।

ऐसे में चिराग पासवान 'अभी नहीं, तो कभी नहीं' वाली जिद को कितना आगे लेकर जा पाएंगे, यह देखने वाली बात होगी, लेकिन तेजस्वी यादव के सामने तो इस चुनाव में अस्तित्व का संकट है। कांग्रेस को छोड़ दिया जाए, तो महागठबंधन में शामिल दूसरे दल ही उन्हें नेता मानने को तैयार नहीं हैं। तेजस्वी की छवि ऐसे नेता की बनती जा रही है, जो बिहार की जनता की लड़ाई जमीन पर नहीं, बल्कि ट्विटर पर लड़ता है। चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही लालू ने भी 'उठो बिहारी, करो तैयारी' जैसा नारा देकर तेजस्वी को एक तरह से प्रदेश की जनता से जुड़ने की जरूरत ही समझाई है, लेकिन खुद तेजस्वी की तैयारी काफी पिछड़ी दिख रही है। महागठबंधन में चार-पांच दल हैं और चुनावी अधिसूचना जारी हो जाने के बाद भी 'कॉमन मिनिमम प्रोग्राम' का कहीं पता नहीं है। खोई हुई सियासी जमीन तलाश रहे मांझी जैसे तपे-तपाए नेता तेजस्वी पर मनमर्जी का आरोप लगाकर पहले ही एनडीए का हाथ थाम चुके हैं। उपेन्द्र कुशवाहा भी उसी राह पर हैं। अपने आखिरी दिनों में रघुवंश प्रसाद सिंह जैसे वरिष्ठ और संकटमोचक नेता का पार्टी से मोहभंग हो गया था और उन्हें मनाने के लिए लालू प्रसाद यादव तक को दखल देना पड़ा था। रघुवंश प्रसाद सिंह का मामला भी अपवाद ही कहा जाएगा, क्योंकि तेजस्वी ने कभी बड़े नेताओं के महागठबंधन में बने रहने पर कोई खास उत्साह नहीं दिखाया। दरअसल, लोक सभा चुनाव में मांझी और कुशवाहा भी अपने-अपने समाज का वोट यूपीए में ट्रांसफर नहीं करवा पाए थे। तेजस्वी की नजर में इनकी अहमियत तभी से कम होने लगी थी। तेजस्वी को लगता है कि अगर कुशवाहा भी साथ छोड़ते हैं तो पूर्व स्पीकर उदय नारायण चौधरी और पूर्व मंत्री श्याम रजक जैसे दलित नेताओं के आरजेडी में आने से इसकी भरपाई हो जाएगी। आरजेडी के अलावा तेजस्वी के तरकश में अब कांग्रेस का ही तीर दिखाई दे रहा है, लेकिन आज की कांग्रेस उस कांग्रेस की परछाई भी नहीं है, जो तीन दशक पहले तक राज्य का मुख्य विपक्षी दल हुआ करती थी। बिहार की जनता में पैठ की बात तो दूर, महागठबंधन में ही उसकी हैसियत पिछलग्गू पार्टी की हो गई है। इसको लेकर राज्य इकाई के बड़े नेताओं में खासी छटपटाहट भी दिख रही है।

यह नेता छोटे दलों के साथ संपर्क में हैं और अगर महागठबंधन में बात नहीं बनी तो यह कांग्रेस छोड़कर नया मोर्चा भी खड़ा कर सकते हैं, जो चुनाव में महागठबंधन को ही नुकसान पहुंचाएगा। ऐसे में भविष्य में सफलता सुनिश्चित करने के लिए इतिहास से सबक लेने में कोई बुराई नहीं। बिहार में आखिरी बार साल 1990 में किसी एक पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनी थी। उसके बाद के चुनावों में गठबंधन ही सत्ता का सहारा बना है। साल 2005 से यह ट्रेंड रहा है कि जेडी (यू), आरजेडी और बीजेपी में से दो दल के साथ आने पर ही सत्ता का सफर पूरा हो पाया है। साल 2020 में भी यह ट्रेंड बरकरार रहने के ही आसार दिख रहे हैं, लेकिन सत्ता तक पहुंचने से पहले दोनों ओर चुनौती गठबंधन को साथ रखने की होगी।

वैश्विकी

पाकिस्तान का सेक्युलर मजाक

डॉ. दिलीप चौबे

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस बार का संबोधन उनकी हताशा और विदेश नीति की असफलता को दर्शाता है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद इमरान खान ने कश्मीर मुद्दे को अपनी विदेश नीति का केंद्र विषय बना लिया था। अपने बड़बोलेपन में उन्होंने वैश्विक मंचों पर कश्मीरी आवाम के स्वयंभू प्रवक्ता की भूमिका अख्तियार कर ली थी। इसी के बाद उन्होंने पिछले वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। एक साल बीतने के बाद कश्मीर के बारे में अपनी नीति का लेखा-जोखा लेने के बजाय इमरान खान ने अपना पुराना रवैया कायम रखा। इसमें सफलता मिलने के बजाय वह स्वयं हंसी के पात्र बन गए। भारत की घेरेबंदी में नाकाम रहने के साथ ही वह कश्मीर मुद्दे पर खुद अलग-थलग पड़ गए। इस्लामी देशों ने उनका साथ नहीं दिया बल्कि जब कुरैशी ने सऊदी अरब की भूमिका की आलोचना की तब इस सबसे बड़े अरब देश के साथ पाकिस्तान के संबंधों में कड़वाहट आ गई।

महासभा के अधिवेशन में केवल तुर्की था, जिसने कश्मीर का मुद्दा उठाया। हालांकि इस बार उसका रवैया अपेक्षाकृत नरम था, लेकिन इमरान खान महासभा में भारत के विरुद्ध जहर उगलने से बाज नहीं आए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, आएसएस और भारतीय सेना पर मनगढ़ंत आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आरएसएस गांधी और नेहरू के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को पीछे छोड़कर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता है। इमरान खान ने यह भी कहा कि भारत ने कश्मीर पर अवैध कब्जा कर रखा है और वहां मानवाधिकार का उल्लंघन हो रहा है। इमरान खान के भाषण के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा के सभागार में उपस्थित भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य सभा से उठकर बाहर चले गए। दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) में भी कोई देश पाकिस्तान का साथ देने के लिए तैयार नहीं है। सार्क विदेश मंत्रियों की बैठक में कुरैशी ने कश्मीर का मुद्दा उठाया, लेकिन अन्य देशों ने इसे प्रायः नजरअंदाज कर दिया। पाकिस्तान इस समय सार्क का अध्यक्ष है तथा उसे इस संगठन की शिखर वार्ता की मेजबानी करनी है। पाकिस्तान इस अवसर का उपयोग कूटनीतिक क्षेत्र में अपने महत्व को साबित करने के लिए उतावला है, लेकिन इसमें भी उसे फिलहाल सफलता नहीं मिली है। अधिकतर सार्क देशों का मानना था कि शिखर वार्ता आयोजित करने के लिए यह उचित समय नहीं है। सभी देश इस समय कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं। इस्लामाबाद में शिखर वार्ता आयोजित करने के संदर्भ में यह सवाल उठेगा कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाएंगे? इस बात की संभावना बहुत कम है कि मोदी इस्लामाबाद की यात्रा करेंगे। मोदी की गैरमौजूदगी में पूरी शिखर वार्ता ही निष्प्रभावी हो जाएगी। इमरान खान की कश्मीर नीति भारत में मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करने की है। इससे मोदी को कोई राजनैतिक नुकसान नहीं पहुंचता। इसके विपरीत घरेलू मोर्चे पर यह मोदी के लिए फायदा पहुंचाने वाला साबित होता है। मोदी सरकार, आरएसएस और हिंदू राष्ट्र के बारे में इमरान खान ने जो जहर उगला है, उससे अंतरराष्ट्रीय बिरादरी प्रभावित होने वाली नहीं है। घरेलू मोर्चे पर जो राजनीतिक दल, बुद्धिजीवी और सिविल सोसाइटी के लोग मोदी सरकार पर इन्हीं आधारों पर टीका-टिप्पणी करते हैं; उन्हें मदद मिलने की बजाय उनके लिए धर्मसंकट पैदा होता है। उनकी तकरे पर आधारित आलोचना भी इमरान खान के पलाप के कारण कमजोर पड़ती है।

जहां तक जम्मू-कश्मीर की राजनीति का सवाल है, वहां के गैर भाजपा राजनीतिक दल अनु. 370 हटाए जाने और विभिन्न प्रतिबंधात्मक उपायों के विरुद्ध एकजुट हो रहे हैं। देश की लोकतात्रिक व्यवस्था के अंतर्गत उन्हें जो अधिकार हैं, उनका प्रयोग करते हुए वे मोदी सरकार पर अपने फैसले पलटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कश्मीरी अवाम और नेताओं को इमरान खान जैसे नकारा और पाखंडी नेताओं के समर्थन की दरकार नहीं है। इमरान पाकिस्तान में अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। विपक्ष उनके खिलाफएकजुट हो रहे हैं। वहां की सेना इमरान की कश्मीर नीति को जमीन पर उतारने का जोखिम नहीं उठा सकती। संभावना है कि घटती लोकप्रियता और सरकार की नाकामी के कारण इमरान सेना का ही समर्थन खो बैठें।

बतंगड़ बेतुक

उसकी गंगा गटर अपना गटर गंगा

विभांशु दिव्याल

झल्लन पास आया और बिना बोले-निहारे अधमुंदी आंखों से बगल में बैठ लिया और जब देर तक उसका कोई सवाल नहीं आया तो हमने ही पूछ लिया, 'क्या बात है झल्लन, बड़ा बेफिकरा लग रहा है, न तो आज तू कुछ कह रहा है, न तेरे मन में कोई सवाल जग रहा है।'

वह बोला, 'ददाजू, अब समझ में नहीं आता कि हम बोलें तो क्या बोलें और पूछें तो क्या पूछें। हमें तो न अब सवालों में कोई तत्त दिखाई देता है और न उत्तरों में कोई सत्त सुझाई देता है। कौन सा सवाल जवाब में ईट-पत्थर ले आएगा पता नहीं रहता और कौन सा उत्तर सवाल की ऐसी-तैसी कर जाएगा इसका भी भरोसा नहीं रहता।' हमने कहा, 'हम तो सोचते थे कि दर्शनशास्त्र की थोड़ी बहुत जानकारी हमारे ही पास है पर लगता है अब तू भी दार्शनिक हुए जा रहा है इसीलिए ऐसी लटपटी-अटपटी बातें जुबान पर लाये जा रहा है।'

झल्लन बोला, 'ददाजू, अपने इस लोकतंत्र के ढें-ढांचे को थोड़ा भी समझ जाएंगे तो पक्के तौर पर आप भी बड़े दार्शनिक हो जाएंगे। आप किसी भी तरह का कोई सवाल बनाओगे या किसी भी तरफ उंगली उठाओगे तो सवाल चाहे कितना भी सही हो पर उत्तर में गाली ही पाओगे।' हमने कहा, 'तू किसकी बात कर रहा है, हमारे कुछ पल्ले नहीं पड़ रहा है। किसने सवाल उठाकर गाली खायी है जो तुझे पच नहीं पायी है?' झल्लन बोला, 'अरे वही अपनी झांसी की रानी। जो उसे गटर दिखा उसे गटर बता दिये और गटर में रहने वालों ने पहाड़ सर पर उठा लिये। आखिर उन्हें समझना चाहिए कि उसे कोई-न-कोई गंदगी नजर आयी है, तभी न उसे गटर बतायी है।' हमने कहा, 'वे अपने गटर को गंगा समझते आ रहे थे इसलिए इस मर्दानी के कुबोल उन्हें नहीं सुहा रहे थे।' झल्लन बोला, 'तो अब बताइए ददाजू, हम झांसी की रानी को सच मानें या जो उसे लताड़ रहे हैं उन्हें सही जानें।' हमने कहा, 'इसमें कौन-सी बड़ी नजाकत है, जो तुझे सही लगे उसे सही बता और जो गलत लगे उसे गलत बता, सीधी सी बात है।' झल्लन बोला, 'बात इतनी सीधी भी नहीं है जितनी आप समझ रहे हैं, इसका अंदाजा इससे लगाइए कि सीधी सी बात पर कितने लोग बमक रहे हैं। अगर किसी को कहीं गटर बहता हुआ दिख रहा है और वह बहते गटर को गटर कह रहा है तो उसकी बात समझी जानी चाहिए या फिर लट्ठ लेकर उसके पीछे पड़ जाना चाहिए।'

हमने कहा, 'देख झल्लन, यह इक्कीसवीं सदी का अग्रगामी समाज है जो बहुत आगे बढ़ गया है, इस समाज में गटर और गंगा के बीच का फर्क मिट गया है। जो लोग गटर में रह रहे हैं, गटर के किनारे बैठ अपनी जिंदगी चला रहे हैं, गटर में घुसकर ही रोजी-रोटी कमा रहे हैं, वे अपने गटर को गटर क्यों बताएंगे, उन्हें तो अपने गटर में गंगा के धारे ही नजर आएंगे।' झल्लन बोला, 'सही पकड़े हो ददाजू, हमारा यह समाज बहुत आगे बढ़ गया है, तरक्की की हजारों सीढ़ियां एक साथ चढ़ गया है। इसे अपने गटर गंगा नजर आते हैं और दूसरे की गंगा में इसे गटर दिख जाते हैं। अब तो आज की राजनीति में भी यही सबक सिखाया जा रहा है कि गटर को गंगा और गंगा को गटर बताया जा रहा है, फिर इसी राजनीति से देश भी चलाया जा रहा है।' हमने कहा, 'सही बात है झल्लन, 'अब किसी के गटर को गटर बताने का जमाना नहीं रहा, गटर और गंगा में जो फर्क करता था अब हमारे पास वो पैमाना भी नहीं रहा। अगर आप किसी के गटर को गटर बताएंगे तो अपने गटर को गंगा समझने वाले के हाथ मार ही तो खाएंगे।'

झल्लन बोला, 'सच बताइए ददाजू, क्या इस हालत का आगे कोई हल निकल पाएगा और अगर यही हालत रही तो आपको नहीं लगता कि हमारा लोकतंत्र ही मर जाएगा?' हमने कहा, 'तो क्या तुझे अभी भी लोकतंत्र जिंदा नजर आता है, जो तेरे मन में इसके मरने का डर बार-बार सताता है? एक लोकतंत्र जिंदा लोगों के सहारे जिंदा रहता है और जिस समाज में जिंदा लोग मुर्दा हो जाते हों उसमें लोकतंत्र कहां बचता है।' झल्लन बोला, 'ददाजू, इसी बात ने तो हमारे दिमाग में बवाल कर दिये थे, कई दार्शनिक सवाल सामने खड़े कर दिये थे। आखिर उन्नत समाज के इस युग में किसी के गटर को गटर क्यों कहा जाये, उसके गटर को गंगा बताकर उसे भी खुश रखा जाये और खुद भी खुश रहा जाये और जब गटर और गंगा का फर्क मिट ही गया है तो इसे चुपचाप स्वीकारा जाये।'

हमने कहा, 'अच्छा तो तेरे मन से अब गटर और गंगा का फर्क निकलता जा रहा है तभी तू इतना बेफिकरा नजर आ रहा है?' वह बोला, 'तो आप ही देखिए ददाजू, अगर किसी के गटर को गटर कह देंगे तो सौ दुश्मन खड़े हो जाएंगे, पर आप गटर का कुछ नहीं कर पाएंगे। इसीलिए हम सोचा है कि हर गटर को गंगा बताते जाइए और बिना दंगे-फसाद के चैन की जिंदगी जीते जाइए।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस सप्ताह निवेशकों के डूबे 1.5 लाख करोड़, रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली:

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह 1,57,277.53 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,457.16 अंक या 3.83 प्रतिशत नीचे आया। सप्ताह के दौरान सिर्फ इन्फोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई।

रिलायंस का मार्केट कैप 70 हजार करोड़ घटा

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 70,189.95 करोड़ रुपए घटकर 14,88,797.82 करोड़ रुपए पर आ गया। भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में 31,096.67 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 2,39,880.86 करोड़ रुपए रह गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 14,752.95 करोड़ रुपए घटकर 2,40,329.93 करोड़ रुपए रह गई। इसी तरह एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन भी 12,737.66 करोड़ रुपए घटकर 2,96,339.09 करोड़ रुपए पर आ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 10,675.53 करोड़ रुपए घटकर 9,08,940.15 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 7,286.42 करोड़ रुपए घटकर 5,74,614.23 करोड़ रुपए और कोटक महिंद्रा बैंक की 5,710.01 करोड़ रुपए घटकर 2,47,292.12 करोड़ रुपए रह गई।

HUL के मार्केट कैप में गिरावट

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के बाजार पूंजीकरण में भी 4,828.34 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 4,88,179.05 करोड़ रुपए पर आ गया। इस रुख के एचसीएल टेक्नोलॉजीज का बाजार पूंजीकरण 4,450.79 करोड़ रुपए बढ़कर 2,24,555.79 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचसीएल टेक्नोलॉजीज मूल्यवान कंपनियों की सूची में शामिल होने वाली नई कंपनी है।

आईटी पोर्टल के जरिए 1 अक्टूबर से हो सकेगा वाहन दस्तावेजों, ई-चालान का रखरखाव

नई दिल्ली: सरकार ने शनिवार को कहा कि एक सूचना प्रौद्योगिकी पोर्टल के माध्यम से एक अक्टूबर 2020 से ड्राइविंग लाइसेंस और ई-चालान सहित वाहन संबंधी दस्तावेजों का रखरखाव किया जाएगा। एक बयान में कहा गया कि वाहन दस्तावेजों के निरीक्षण के दौरान इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वैध पाए गए वाहनों के दस्तावेजों के बदले भौतिक दस्तावेजों की मांग नहीं की जाएगी। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा अयोग्य या निरस्त किए गए ड्राइविंग लाइसेंस का विवरण पोर्टल में रिकॉर्ड किया जाएगा और इसे समय-समय पर अपडेट किया जाएगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने बयान में कहा कि उसने मोटर वाहन नियम 1989 में किए गए विभिन्न संशोधनों के बारे में अधिसूचना जारी की है, जिसमें मोटर वाहन नियमों की बेहतर निगरानी और क्रियान्वयन के लिए एक अक्टूबर 2020 से पोर्टल के माध्यम से वाहन संबंधी दस्तावेजों और ई-चालान का रखरखाव किया जा सकेगा।

त्योहारी सीजन से पहले सोने-चांदी में बड़ी गिरावट, सोना 2000 और चांदी 10,000 तक हुई सस्ती

मुंबई: वैश्विक स्तर पर कीमती धातुओं में हुई बड़ी गिरावट का असर घरेलू बाजार पर भी दिखा जिससे सोना दो हजार रुपए से अधिक और चांदी 10 हजार रुपए प्रति किलोग्राम की साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में समीझाधी अवधि में सोना हाजिर 79.97 डॉलर गिरकर 1873.83 डॉलर प्रति औंस पर रहा। अमेरिका सोना वायदा भी इस दौरान 84.40 डॉलर की गिरावट लेकर 1879.20 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चांदी हाजिर 4.19 डॉलर की गिरावट के साथ 22.95 डॉलर प्रति औंस पर रही। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में साप्ताह के दौरान 2079 रुपए की गिरावट लेकर 50 हजार रुपए के स्तर से नीचे 49497 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इसी तरह से सोना 2102 रुपए उतरकर 49458 रुपए प्रति दस ग्राम पर रहा। समीझाधीन अवधि में चांदी 10287 रुपए की गिरावट के साथ 58230 रुपए प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 9910 रुपए टूटकर 58210 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई।

रिलायंस Jio की 35.33% बाजार हिस्से के साथ दिल्ली सर्किल में बादशाहत

नई दिल्ली: मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो आक्रामक रणनीति और बेहतर कनेक्टिविटी से उपभोक्ताओं को लगातार आकर्षित कर रही है और जून में तक 35.33 प्रतिशत बाजार हिस्से के साथ दिल्ली सर्किल में अपनी धाक बनाए रही। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली सर्किल में रिलायंस जियो के नेटवर्क से जून के अंत तक एक करोड़ 83 लाख से अधिक ग्राहक जुड़े हुए थे और 35.33 फीसदी मार्केट शेयर के साथ कंपनी की बादशाहत बनी हुई है। दिल्ली सर्किल में राजधानी के अलावा हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद तथा उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद जिले आते हैं। वर्ष की शुरूआत में ही रिलायंस जियो ने वोडा-आइडिया को पटकनी देकर दिल्ली सर्किल में नंबर वन की पोजीशन हासिल की थी। जनवरी से जून तक यानी पहले 06 महीनों में रिलायंस जियो ने करीब 9.03 लाख ग्राहक जोड़कर अपनी स्थिति को और मजबूत किया। दिल्ली सर्किल में नंबर दो पर काबिज वोडा-आइडिया से रिलायंस जियो के करीब 20 लाख ग्राहक अधिक हैं। ग्राहक संख्या की दौड़ में भारती एयरटेल तीसरे नंबर पर पिछड़ गई है। वह रिलायंस जियो से 33 लाख 40 हजार और वोडा आइडिया से करीब 13.70 लाख ग्राहक पीछे है। इस वर्ष के पहले छह महीनों में यानी जनवरी से जून के दौरान दिल्ली सर्किल में वोडाफोन-आइडिया और एयरटेल के 18 लाख आठ हजार से अधिक मोबाइल फोन ग्राहकों ने अपने सिम बंद कर दिए। कभी दिल्ली सर्किल में नंबर वन रही वोडा-आइडिया को सबसे बड़ा झटका लगा। ट्राई के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक साल के पहले छह महीनों में वोडाफोन-आइडिया के हाथों से 12 लाख 84 हजार से अधिक ग्राहक फिसल गए हैं। वहीं एयरटेल के नेटवर्क से समान अवधि में करीब पांच लाख 24 हजार उपभोक्ता छिटके। जून भी वोडाफोन-आइडिया और एयरटेल के लिए अच्छी खबर ले कर नही आया। रिलायंस जियो ने यहां भी बाजी मार ली। उसके नेटवर्क से करीब 56 हजार नए ग्राहक जून माह में जुड़े। वहीं समान अवधि में वोडा-आइडिया से करीब दो लाख और एयरटेल से 1 लाख 21 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने नाता तोड़ लिया। देश में भी रिलायंस जियो प्रतिद्वंद्वियों से कहीं आगे है। जून में ग्राहक जोड़ने वाली रिलायंस अकेली कंपनी है। बाकी दिग्गजों को नुकसान उठाना पड़ा है। रिलायंस जियो 39 करोड़ 72 लाख ग्राहकों के साथ देश में पहले नंबर पर बनी हुई है। जून में ही कंपनी ने करीब 45 लाख ग्राहक जोड़े। भारती एयरटेल 31 करोड़ 66 लाख ग्राहकों के साथ दूसरे और 30 करोड़ 51 लाख के साथ वोडा-आइडिया तीसरे नंबर पर है। जून में वोडा-आइडिया ने देश भर में 48 लाख से अधिक ग्राहकों को खोया वहीं एयरटेल का 11 लाख 28 हजार उपभोक्ताओं ने साथ छोड़ दिया।

अगले दो महीने में एक हजार कर्मचारियों को नियुक्त करेगी सीएमएस

नयी दिल्ली, प्रमुख नकदी प्रबंधन सेवा प्रदाता कंपनी सीएमएस अगले दो महीनों में एक हजार कर्मचारियों को नियुक्त करने की योजना बना रही है। कंपनी अपने साझेदार बैंकों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) तथा सूक्ष्म वित्त संस्थानों के लिये नकदी वसूली के काम में भी उतरने की तैयारी में है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। सीएमएस इंफो सिस्टम्स (सीएमएस) ने महिंद्रा फाइनेंस, एलएंडटी फाइनेंस और हीरो फिनकॉर्प समेत कई कंपनियों के साथ नकदी व चेक संग्रह करने का करार किया है। सीएमएस की नकदी कारोबार इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रमुख अनुष राघवन ने कहा कि देश में 115,000 एटीएम और रिटेल आउटलेट्स के नेटवर्क के साथ कंपनी 98.3 प्रतिशत जिलों में उपस्थिति रखती है। यह कंपनी को अर्थव्यवस्था में अहम स्थिति प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ''सीएमएस ने एनबीएफसी की सेवाओं को आगे बढ़ाया है। हम अब वरिष्ठ नागरिकों के लिये घर के दरवाजे पर बैंकिंग सेवा के अलावा यात्रा, शिक्षा, बीमा उद्योग के लिये चेक संग्रह, तथा अन्य उद्योगों के लिये नकदी संग्रह पर भी गौर कर रहे हैं। इसके लिये हम अगले दो महीने में एक हजार लोगों को नियुक्त करने पर विचार कर रहे हैं। हम चालू वित्त वर्ष में और विस्तार करेंगे तथा अतिरिक्त नियुक्तियां करेंगे।''

तीसरी तिमाही में पब्लिक सेक्टर बैंकों के लिए आ सकती है अच्छी खबर, सरकार देगी 20,000 करोड़

नई दिल्ली:

वित्त मंत्रालय चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को पूंजी समर्थन उपलब्ध करा सकता है। संसद के हाल में समाप्त सत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए 20,000 करोड़ रुपए के कोष को मंजूरी दी गई है। संसद ने 2020-21 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांग के पहले बैच के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए 20,000 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि यदि जरूरत पड़ती है कि नियामकीय पूंजी की अनिवार्यता को पूरा करने के लिए अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में बैंकों को पूंजी उपलब्ध कराई जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि बैंकों के दूसरी तिमाही के नतीजों से अंदाजा लग जाएगा कि किस बैंक को नियामकीय पूंजी की जरूरत है और उसी के अनुरूप पुनर्पूंजीकरण बांड जारी किए जाएंगे। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को चालू वित्त वर्ष के दौरान इक्विटी और बांड के जरिये पूंजी जुटाने को पहले ही शेयरधारकों की मंजूरी मिल चुकी है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने बजट 2020-21 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पूंजी डालने को लेकर किसी तरह की प्रतिबद्धता नहीं जताई थी। सरकार को उम्मीद थी कि बैंक अपनी जरूरत के हिसाब से बाजार से पूंजी जुटा लेंगे। वित्त वर्ष 2019-20 में सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 70,000 करोड़ रुपए डाले थे। पिछले वित्त वर्ष में पंजाब नेशनल बैंक को सरकार से 16,091 करोड़ रुपए का निवेश मिला था। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 11,768 करोड़ रुपए, केनरा बैंक को 6,571 करोड़ रुपए और इंडियन बैंक को 2,534 करोड़ रुपए मिले थे। इसी तरह इलाहाबाद बैंक को 2,153 करोड़ रुपए, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया को 1,666 करोड़ रुपए और आंध्रा बैंक को 200 करोड़ रुपए मिले थे। इन तीनों बैंकों का अब अन्य बैंकों के साथ विलय हो चुका है।

ट्राई के प्रमुख ने कहा, डिजिटल मंचों, ऐप स्टोर, उपकरणों के लिए भी निरपेक्षता जरूरी

नयी दिल्ली. भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के प्रमुख आर एस शर्मा ने कहा है कि विभिन्न मंचों, ऐप स्टोर, ऑपरेटिंग प्रणाली और उपकरणों पर भी निरपेक्षता का सिद्धान्त लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूरसंचार नेटवर्कों पर निरपेक्षता का सिद्धान्त लागू होता है, ऐसे में अन्य के लिए भी निरपेक्षता जरूरी है। ट्राई के चेयरमैन शर्मा का कार्यकाल 30 सितंबर को पूरा हो रहा है। शर्मा ने पीटीआई-भाषा से कहा कि डिजिटल दौर में प्लेटफॉर्म या मंचों, ऐप स्टोर, ऑपरेटिंग प्रणाली और उपकरणों की निरपेक्षता एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिसकी समीक्षा किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह एक 'नया मोर्चा' है जिसपर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उपकरण, ऑपरेटिंग प्रणाली या डिजिटल मंच किसी तरह का मनमाना नियंत्रण नहीं कर पाएं, इसके लिए निरपेक्षता महत्वपूर्ण है। शर्मा ने कहा, ''इन क्षेत्रों पर कौन गौर करेगा। मैं यह नहीं कह रहा ट्राई को यह करना चाहिए या किसी और को। मैं यह कहना चाहता हूं कि उपकरणों, ऑपरेटिंग प्रणाली और डिजिटल मंचों की निरपेक्षता जरूरी है जिसकी समीक्षा की जानी चाहिए और इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए।'' शर्मा ने कहा कि ऐसे समय जबकि इंटरनेट व्यापक हो गया है, स्मार्टफोन और उपकरण...सॉफ्टवेयर, ऑपरेटिंग प्रणाली और ऐप स्टोर तक पहुंचने का माध्यम बन चुके हैं।

श्रम क्षेत्र में होगा बड़ा बदलाव, दिसंबर तक चारों लेबर कोड्स लागू करने की तैयारी में मोदी सरकार

बिजनेस डेस्क:

मोदी सरकार चारों लेबर कोड्स को दिसंबर में एक साथ लागू करने की तैयारी कर रही है। इससे श्रम क्षेत्र के सुधारों का अंतिम चरण पूरा हो जाएगा। केंद्रीय श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने यह जानकारी दी। संसद के हाल में समाप्त सत्र के दौरान तीन लेबर कोड्स बिल- औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा कार्य स्थिति संहिता को पारित किया गया। वेतन संहिता विधेयक संसद में पिछले साल पारित हुआ था। श्रम मंत्रालय ने पिछले साल वेतन संहिता विधेयक पर नियमों का मसौदा जारी किया था लेकिन इसे अंतिम रूप देने का काम और कार्यान्वयन रोक लिया था। मंत्रालय चाहता है कि चारों संहिताओं को एक साथ लागू किया जाएगा, क्योंकि ये आपस में जुड़ी हैं। श्रम मंत्री गंगवार ने कहा, 'सरकार श्रम सुधारों को पूरा करने के लिए चारों लेबर कोड्स को इस साल दिसंबर तक लागू करने के लिए पूरे प्रयास कर रही है।' उन्होंने कहा कि वेतन संहिता विधेयक पिछले साल पारित हो चुका है। 'अब इन कानूनों के तहत नियमों को एक-साथ लागू किया जाएगा।' संसद में कानून पारित होने के बाद इन्हें राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। नियमों को अधिसूचित किए जाने के बाद कोई कानून लागू होता है। किसी कानून के तहत शुरुआत में एक निश्चित समय के लिए नियमों का मसौदा अधिसूचित किया जाता और उसपर विचार लिए जाते हैं। उसके बाद नियमों को अंतिम रूप दिया जाता है और कानून को लागू करने के लिए उसको क्रियान्वित किया जाता है। तीन संहिताओं औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा कार्य स्थिति संहिता पर नियमों का मसौदा नवंबर के पहले सप्ताह में जारी होने की उम्मीद है। श्रम मंत्रालय इन तीनों संहिताओं तथा वेतन संहिता नियमों को इस साल दिसंबर तक अंतिम रूप देने और लागू करने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद चारों संहिताएं कानून बन जाएंगी। इससे देश में श्रम क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने वाले श्रम सुधार पूरे हो जाएंगे। सरकार व्यापक श्रम सुधारों के जरिये भारत को विश्वबैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में शीर्ष 10 देशों में लाना चाहती है। कारोबार सुगमता रैंकिंग, 2020 में भारत 14 स्थानों की छलांग के साथ 63वें स्थान पर पहुंच गया है। ऊंची रैंकिंग से किसी देश में निवेश को प्रोत्साहन मिलता है तथा रोजगार सृजन होता है कंसोर्टियम ऑफ इंडियन एसोसिएशन (सीआईए) के संयोजक के ई रघुनाथन ने कहा, 'कोविड-19 महामारी की वजह से नियोक्ता और कर्मचारी दोनों की परेशानी बढ़ी है।

सरकार के आंकड़े कहते हैं कि अप्रैल से अगस्त के दौरान 2.1 करोड़ लोगों का रोजगार छिन गया है, लेकिन उन नियोक्ताओं के आंकड़े नहीं आए हैं, जिनका उपक्रम समाप्त हो गया है। 'हमारे अनुमान के अनुसार 6.5 करोड़ में से करीब 30 प्रतिशत नियोक्ताओं का उपक्रम समाप्त हो गया है।' उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में इन नई लेबर कोड्स से नए उपक्रम निवेशक अनुकूल होंगे। कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर हो सकेगी तथा चीन से बाहर निकलने वाली इकाइयों को यहां आकर्षित किया जा सकेगा।'

बैंक यूनियन ने धनलक्ष्मी बैंक के कामकाज को लेकर आरबीआई से हस्तक्षेप की मांग की

नयी दिल्ली,

26 सितंबर (भाषा) बैंक यूनियन ऑल इंडिया बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन (एआईबीईए) ने धनलक्ष्मी बैंक के कामकाज को लेकर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। एआईबीईए का कहना है कि धनलक्ष्मी बैंक कथित रूप से ''गलत दिशा में बढ़ रहा है।'' एआईबीईए ने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर को लिखे पत्र में दावा किया है कि बैंक अपने व्यावसायिक प्रोफाइल को बदलने, उत्तर भारत में नेटवर्क का विस्तार करने और अनुबंध के आधार पर वरिष्ठ लोगों को नियुक्त करने की कोशिश कर रहा है, जिसके चलते ये मुसीबत में पड़ सकता है। पत्र में कहा गया है कि पांच साल तक घाटे में रहने के बाद बैंक दो साल पहले मुनाफे में आया है। एआईबीईए ने दास को लिखे पत्र में कहा कि कुछ साल पहले, खासकर 2008 से 2012 के बीच, यह बैंक अपने प्रदर्शन को लेकर कई समस्याओं का सामना कर रहा था और इस दौरान उसे 850 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम ने कहा कि आरबीआई के हस्तक्षेप के बाद अब बैंक लाभ में आ गया है।

उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में बैंक का शीर्ष प्रबंधन बदल गया है और हाल के महीनों में एआईबीईए यह देखकर चिंतित है कि शायद बैंक एक बार फिर से गलत दिशा में जा रहा है। एआईबीईए ने दावा किया कि अगर भारतीय रिजर्व बैंक ने इस बैंक के मामले में प्रभावी रूप से हस्तक्षेप नहीं किया तो बैंक एक बार फिर परेशानियों से घिर सकता है।

अगस्त में भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन चार प्रतिशत घटकर 84.78 लाख टन

नई दिल्ली।

भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन अगस्त, 2020 में चार प्रतिशत घटकर 84.78 लाख टन रह गया। विश्व इस्पात संघ (वर्ल्डस्टील) ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले साल के समान महीने में देश का कच्चे इस्पात का उत्पादन 88.69 लाख टन रहा था। वर्ल्डस्टील की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक इस्पात उत्पादन में अब सकारात्मक रुख दिखने लगा है। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में वैश्विक स्तर पर 64 देशों का इस्पात उत्पादन 0.6 प्रतिशत बढ़कर 15.62 करोड़ टन पर पहुंच गया। ये 64 देश वर्ल्डस्टील को इस्पात उत्पादन की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कोविड-19 की वजह से पैदा हुई मुश्किलों के चलते इस माह के कई आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं, जिन्हें अगले महीने उत्पादन के आंकड़े जारी करते समय संशोधित किया जा सकता है। अगस्त, 2019 में वैश्विक इस्पात उत्पादन 15.53 करोड़ टन रहा था। सालाना आधार पर अगस्त में चीन का कच्चे इस्पात का उत्पादन अगस्त में 8.4 प्रतिशत बढ़कर 9.48 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो अगस्त, 2019 में 8.74 करोड़ टन था। वहीं अमेरिका का कच्चे इस्पात का उत्पादन 24.4 प्रतिशत घटकर 55.88 लाख टन रहा, जो पिछले साल के समान महीने में 73.96 लाख टन था। इसी तरह जापान का कच्चे इस्पात का उत्पादन 20.6 प्रतिशत घटकर 64.46 लाख टन रहा, जो एक साल पहले 81.20 लाख टन रहा था। दक्षिण कोरिया का इस्पात उत्पादन 1.8 प्रतिशत घटकर 59.05 लाख टन से 58 लाख टन रह गया। जर्मनी का कच्चे इस्पात का उत्पादन 13.4 प्रतिशत घटकर 28.30 लाख टन रहा। वहीं इटली का उत्पादन 9.7 प्रतिशत बढ़कर 9.39 लाख टन पर पहुंच गया। अगस्त, 2020 में फ्रांस का इस्पात उत्पादन 31.2 प्रतिशत घटकर 7.22 लाख टन और स्पेन का 32.5 प्रतिशत घटकर 6.96 लाख टन रहा। ब्राजील ने अगस्त में 27 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया, जो अगस्त, 2019 से 6.5 प्रतिशत अधिक है।

कोरोना के कारण बीमा को लेकर बढ़ी जागरूकता, अब करोड़ों में इंश्योरेंस करवा रहे लोग

नई दिल्ली:

कोरोना वायरस महामारी की वजह से बीमा को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इसके चलते जीवन बीमा पॉलिसी लेने वाले ज्यादा से ज्यादा ग्राहक एक करोड़ रुपए या इससे अधिक का बीमा कवर ले रहे हैं। पॉलिसीबाजार.कॉम द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। बीमा मार्केटप्लेस ने कहा कि अप्रैल-अगस्त, 2020-21 के दौरान जीवन बीमा पॉलिसी लेने वाले ग्राहकों में से 50 प्रतिशत ने एक करोड़ रुपए या अधिक का बीमा कवर लिया है। महामारी के दौरान उपभोक्ता अपने परिवार का वित्तीय संरक्षण चाहते हैं।

50% ग्राहकों ने खरीदा एक करोड़ रुपए से ज्यादा कवर

पॉलिसीबाजारडॉटकॉम ने कहा, ''एक करोड़ रुपए या इससे अधिक का बीमा कवर लेने वालों के आंकड़ों की गणना से पता चलता है कि अप्रैल-अगस्त के दौरान 50 प्रतिशत ग्राहक ऐसे रहे जिन्होंने इतनी राशि का कवर लिया। इससे पता चलता है कि लोग ऊंचे कवर वाली पॉलिसियों में निवेश कर रहे हैं। ये पॉलिसियां काफी सस्ते दाम मसलन 1,000 रुपए मासिक तक में उपलब्ध हैं।'' पॉलिसीबाजारडॉटकॉम का दावा है कि देश में बिकने वाली प्रत्येक चार जीवन बीमा पॉलिसियों में से एक उसके मंच से बेची जाती है।

अधिक लोग खरीद रहे बीमा पॉलिसी

कोविड-19 की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता तथा भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) द्वारा उठाए गए कदमों से अब अधिक से अधिक लोग बीमा पॉलिसी खरीद रहे हैं, जिससे ऐसे अनिश्चित समय में वे अपने परिवार को वित्तीय रूप से संरक्षण दे पाएं। आंकड़ों के आधार पर

पॉलिसीबाजार.कॉम ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में जीवन बीमा बाजार में काफी बदलाव आया है।

कंपनी ने कहा, ''42 से 50 साल के आयु वर्ग के लोगों द्वारा जीवन बीमा पॉलिसी लेने में काफी उछाल देखने को मिला है। इसमें करीब 77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं 2020 में जीवन बीमा पॉलिसी लेने वालों में सबसे बड़ा यानी 30 प्रतिशत का हिस्सा 31 से 35 साल के लोगों का रहा है।''

वोडाफोन आइडिया ने अपने 3जी ग्राहकों को 4जी पर स्थानांतरित करना शुरू किया

नयी दिल्ली,

दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लि. (वीआईएल) ने महत्वपूर्ण बाजारों में अपने 3जी ग्राहकों को 4जी नेटवर्क पर स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने कहा है कि वह अपने 2जी ग्राहकों को 4जी पर स्थानांतरित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है, लेकिन वह 2जी ग्राहकों को मूल वॉयस आधारित सेवाएं जारी रखेगी।

कंपनी ने रविवार को बयान में कहा, ''2जी ग्राहकों को बेसिक वॉयस सेवाएं जारी रहेंगी, लेकिन 3जी डेटा का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को सभी बाजारों में चरणबद्ध तरीके से 4जी में स्थानांतरित किया जाएगा।'' वोडाफोन आइडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रविंदर टक्कर ने कहा कि हमारे पास देश में सबसे ज्यादा स्पेक्ट्रम है। इसमें से ज्यादातर स्पेक्ट्रम को पहले ही 4जी के अनुकूल (रि-फार्म्ड) किया जा चुका है। ऐसे में वीआईएल अपने 2जी और 3जी ग्राहकों को द्रुत गति की 4जी सेवाओं में स्थानांतरित करने के लिए सबसे बेहतर स्थिति में है।

उन्होंने कहा, ''हमारा एकीकरण पूरा हो गया है। हमने पहले ही अपनी 4जी सेवा का दायरा एक अरब भारतीयों की आबादी तक पुहंचा दिया है। अब ग्राहक देशभर में तेज गति की डेटा सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। जून के अंत तक कंपनी के कुल मोबाइल ग्राहकों की संख्या 30.5 करोड़ थी। इसमें से उसके नेटवर्क पर 11.6 करोड़ मोबाइल ब्रॉडबैंक ग्राहक हैं। इनमें से 10.4 करोड़ 4जी और शेष 3जी नेटवर्क पर हैं। वीआईएल ने कहा कि वोडाफोन और आइडिया के नेटवर्क के एकीकरण से आधुनिक प्रौद्योगिकियों के जरिये उसकी 4जी क्षमता में उल्लेखनीय इजाफा होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फॉर्मूला-1 : हेमिल्टन को सोचि में पोल पोजीशन, शूमाकर के रिकार्ड पर नजर

सोचि। मर्सिडीज के लुइस हेमिल्टन ने शनिवार को रूस ग्रां प्री में पोल पोजीशन हासिल कर ली है। यह हेमिल्टन का 96वां पोल पोजीशन है और उनकी नजरें अब जर्मनी के महान चालक माइकल शूमाकर के 91 रेस जीतने के रिकार्ड की बराबरी करने पर है। हेमिल्टन हालांकि दूसरे क्वार्टर में बाहर हो गए थे। ट्रैक लिमिट से छेड़खानी के चलते उनके दूसरे क्वार्टर के समय को रद्द कर दिया गया था जिसके कारण वह पीछे हो गए थे। यहां वह सेबास्टियन विटल से चौथे टर्न पर टकरा गए थे। दोबारा शुरू होने पर हेमिल्टन ने दो सेंकेड के अंतर से लाइन क्रॉस कर ली। तीसरे क्वार्टर में उन्होंने चौथा सबसे तेज समय निकाला जिसमें पहले लैप में उन्होंने एक मिनट 31.391 सेकेंड का समय निकाला। क्वार्टर-1 में उनकी टीम के साथ वेटारी बोटास ने पहला स्थान लिया था। वह तीसरे स्थान पर रहे। दूसरे स्थान पर मैक्स वरस्टापेन रहे। चौथे स्थान पर सर्जियो पेरेज, पांचवें स्थान पर डेनियल रिकाडरे रहे।

आईपीएल-13

सोमवार को कोहली, रोहित के बीच होगी रोमांचक जंग

दुबई (एजेंसी)।

भारत या यूं कहें दुनिया के दो दिग्गज बल्लेबाज- विराट कोहली और रोहित शर्मा के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जंग सोमवार को उस समय देखने को मिलेगी, जब लीग के 13वें संस्करण में कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और रोहित की मुंबई इंडियंस टीमें दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। कप्तानी के लिहाज से देखा जाए तो रोहित आईपीएल में कोहली से बेहतर ही साबित हुए हैं। चार बार मुंबई को खिताब दिला चुके रोहित को लीग के सबसे कप्तानों में गिना जाता है लेकिन कोहली की गोद बिना ट्रॉफी के सूनी है। वहीं बल्लेबाजी की बात की जाए तो रोहित इस सीजन कोहली से एक कदम आगे चल रहे हैं। पिछले मैच में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बेहतरीन पारी खेल टीम की जीत की कहानी लिखी थी, लेकिन कोहली अभी तक ऐसा नहीं कर पाए हैं। पिछले दोनों मैचों में वो बल्ले से बेअसर ही रहे हैं। यहां सोमवार को होने वाले मैच में कोहली की नजरें अपनी फॉर्म में वापसी करने पर होंगी। कोहली इस बात को जानते हैं कि टीम उन पर काफी हद तक निर्भर है। उनका बल्ला शांत रहना मतलब की बेंगलोर की आधी ताकत खत्म होना है। इसलिए कोहली का पूरा ध्यान मुंबई के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के सामने रन करना होगा। सिर्फ कोहली ही नहीं टीम की एक और ताकत एबी डिविलियर्स भी इसी कोशिश में होंगे कि उनके बल्ले से रन निकलें। सलामी जोड़ी की जहां तक बात है तो पहले मैच में अर्धशतक जमाने वाले देवदत्त पडिकल अच्छी फॉर्म में हैं। इस मैच में उनके सामने कड़ी चुनौती होगी क्योंकि मुंबई के जसप्रीत बुमराह को खेलना किसी के लिए भी आसान नहीं है। उनके सलामी जोड़ीदार एरॉन फिंच भी लय में हैं। वह हालांकि अभी तक कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं, लेकिन उनका बल्ला कभी भी चल सकता है। टीम की एक कमजोरी जो कह सकते हैं वो है एक फिनिशर की। यहां टीम के पास कोई बड़ा नाम या ऐसी प्रतिभा अभी तक नहीं दिखी है जो आखिरी के ओवरों में तेजी से रन कर सके। शिवम दुबे एक नाम हैं

लेकिन अभी उनका नाम भी काम नहीं आया है। जोश फिलिपे मुंबई के खिलाफ कहां खेलते हैं इस बात पर भी नजरें होंगी। गेंदबाजी में तो टीम के पास डेल स्टेन जैसा नाम है पर स्टेन में वो धार अभी तक देखने को नहीं मिली जिसके लिए उन्हें जाना जाता है। उमेश यादव और नवदीप सैनी ने पहले मैच में हैदराबाद के खिलाफ अच्छा किया था। सही मायने में इन दोनों पर ही टीम की गेंदबाजी का भार होगा। स्पिन में युजवेंद्र चहल पर टीम निर्भर करेगी। चहल ने पिछले दोनों मैचों में अहम समय पर विकेट निकाले थे।

आईपीएल-13 : टीमें 20वें ओवर में 14.54 की औसत से रन बना रही

शारजाह (एजेंसी)।

टी20 प्रारूप में पारी का 20वां ओवर आम तौर पर बल्लेबाजों के लिए रन बनाने का सबसे अच्छा मौका होता है क्योंकि वे अंतिम छह गेंदों पर अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश में होते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मौजूदा 13वां सीजन भी इससे अलग नहीं है और शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए लीग के आठवें मुकाबले तक टीमों ने पारी के 20वें ओवर में 14.54 की औसत से रन बनाया है। अनुभवी क्रिकेट सांख्यिकीविद मोहनदास मेनन के अनुसार, आईपीएल के 13वें सीजन में खेले गए अब तक के आठ मैचों में 78 गेंदों पर (जोकि 20वें ओवर में फेंका गया) 189 रन बने हैं। 20वें ओवर के अलावा 18वें ओवर में अब तक 11.80 की औसत से जबकि 17वें ओवर में 10.44 की औसत से रन बने हैं। ये आंकड़े शनिवार तक खेले गए मैचों का है। मेनन ने आईएएनएस से कहा कि यह रोचक है कि 19वें ओवर में बल्लेबाजी करने वाली टीम ने अब तक ज्यादा रन नहीं बनाए हैं। उन्होंने कहा, पारी का 19वां ओवर टीम के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों द्वारा डाला जाता है और इस ओवर में अब तक 9.14 की औसत से ही रन बने हैं। वहीं, दूसरी तरफ पारी में सबसे कम रन दूसरे, पहले और 11वें ओवर में बने हैं। दूसरे ओवर में जबकि फील्ड प्रतिबंध

लागू होती है, ऐसे में इस ओवर में अब तक 5.25 की औसत से ही रन बने हैं। शनिवार तक खेले गए आठ मैचों में जितने भी दूसरे ओवर फेंके गए हैं, उनमें कुल मिलाकर अब तक 84 रन ही बने हैं। वहीं, पहले ओवर में अब तक 5.31 की औसत से और 11वें ओवर में 6.31 की औसत से ही रन बने हैं। मेनन ने आगे कहा कि गेंदबाजी की लिहाज से देखा जाए तो अब तक 16वें और 20वें ओवर में सबसे ज्यादा विकेट गिरे हैं।

ईस्ट बंगाल के आने से आईएसल में कई मौकें मिलेंगे : नीता अंबानी

मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने रविवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के विस्तार की घोषणा करते हुए लीग में ईस्ट बंगाल का स्वागत किया है। ईस्ट बंगाल लीग के सातवें संस्करण में हिस्सा लेगी। नीता अंबानी ने एक बयान में कहा, ईस्ट बंगाल फुटबाल क्लब का आईएसएल में स्वागत करना हमारे लिए गर्व की बात है। ईस्ट बंगाल और मोहन बागान जैसे महान फुटबाल क्लबों की विरासत का लीग में आना भारतीय फुटबाल में अपार संभावनाओं को खोलते हैं, खासकर राज्य में प्रतिभा को निखारने के लिए। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल ने भारत में इस शानदार खेल को बढ़ावा देने में काफी योगदान दिया है। आईएसएल को राज्य में आगे बढ़ते देखना और पूरे भारत में इसे आगे आते देखना, हमारे इस देश में प्रतिस्पर्धी फुटबाल को बढ़ावा देने के मकसद की दिशा में बढ़ाए गए कदम हैं। इस बार आईएसएल का सातवां संस्करण तीन मैदानों- जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम फातोर्दा, जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम, बामबोलिम और तिलक मैदान स्टेडियम वास्को में खेले जाएंगे।

शुभमन गिल के धमाके से केकेआर की पहली जीत, हैदराबाद को 7 विकेट से हराया

अबु धाबी (एजेंसी)।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने शनिवार को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों जगह उम्दा प्रदर्शन करते हुए शेख जाएद स्टेडियम में खेले गए मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हरा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण में अपनी पहली जीत दर्ज की। हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कोलकाता ने हैदराबाद को 20 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 142 रन ही बनाने दिए। फिर इस लक्ष्य को 18वें ओवर में पूरा भी कर लिया।

नहीं चला सुनील नरेन का बल्ला, शुभमन ने दिलाई जीत

कोलकाता का पहला विकेट दूसरे ओवर में ही गिर गया था। सुनील नरेन बल्लेबाजी में फिर असफल रहे। खलील अहमद ने उन्हें वार्नर के हाथों कैच करा दिया। सुनील खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद शुभमन गिल (नाबाद 70 रन, 42 गेंद, 5 चौके, 2 छक्के) और नीतीश राणा ने स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया, लेकिन यह जोड़ी ज्यादा दूर नहीं जा सकी। अपना पहला ओवर लेकर आए टी. नटराजन ने राणा (26 रन, 13 गेंद) को आउट कर दिया।

कप्तान दिनेश कार्तिक भी शून्य पर आउट हुए

दिनेश कार्तिक (0) कप्तानी पारी खेलने में विफल रहे। राशिद खान की गुगली उनके पैड पर लगी जिस पर अंपायर ने उंगली उठा दी। कार्तिक ने रिव्यू तो लिया लेकिन वो उनके फेवर में नहीं गया। कार्तिक के जाने के बाद कोलकाता का स्कोर 52 रनों पर तीन विकेट हो गया और मुश्किलें खड़ी होती दिख रही थीं, लेकिन इयोन मोर्गन (नाबाद 42, 29 गेंद, 3 चौके, 2 छक्के) ने गिल का साथ देते हुए 92 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। गिल कोलकाता के जहाज को संभाले हुए थे और उन्होंने इस सीजन का अपना पहला अर्धशतक भी पूरा किया।

गेंदबाजों ने रखी जीत की नीव

बल्लेबाजों से पहले कोलकाता के गेंदबाजों ने शानदार काम किया। पिछले मैच में पैट कमिंस काफी महंगे साबित हुए थे और उनकी आलोचना भी हुई थी। इस मैच में उन्होंने हैदराबाद के बड़े खिलाड़ी जॉनी बेयरस्टो (5) को बोल्ड कर कोलकाता को शुरुआती सफलता दिलाई। बेयरस्टो जिस गेंद पर आउट हुए उससे पहले वाली गेंद पर रिव्यू लेकर बच गए थे, लेकिन अगली ही गेंद कमिंस ने उनके विकेट पर मार दी। कोलकाता के गेंदबाजों ने हैदराबाद पर बेयरस्टो के जाने के बाद दबाव बना लिया। स्ट्रेटेजिक टाइम आउट तक टीम नौ ओवरों में सिर्फ 59 रन ही बना पाई थी। और ब्रेक के बाद आते ही वरुण चक्रवर्ती ने पहली ही गेंद पर डेविड वार्नर (36 रन, 29 गेंद) को कॉट एंड बोल्ड कर दिया। 10 ओवरों के बाद हैदराबाद का स्कोर दो विकेट पर 60 रन था।

संक्षिप्त समाचार

हेमिल्टन हमारी पीढ़ी के महान एफ-1 ड्राइवर : सेरेना विलियम्स

नई दिल्ली। दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी अमेरिका की सेरेना विलियम्स ने फॉर्मूला-1 ड्राइवर लुइस हेमिल्टन की जमकर तारीफ की है और कहा है कि हेमिल्टन उनकी पीढ़ी के महान एफ-1 ड्राइवर हैं और वह जर्मनी के माइकल शूमाकर के रिकार्ड को तोड़ देंगे। सेरेना ने एफ-1 के आधिकारिक टिवटर हैंडल पर लिखा, लुइस हेमिल्टन और मैं काफी करीब हैं। हम एक दूसरों के काफी वर्षों से जानते हैं। मुझे वो शख्स कीफा पसंद है, उनकी मानसिकता विजेताओं वाली है। मुझे पता है कि वह कैसी ट्रेनिंग करते हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए वह इस पीढ़ी के महान ड्राइवर हैं और मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि वह माइकल शूमाकर के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे। वह जोखिम पर अपनी जिंदगी जीते हैं। वो जो कहते हैं वो करते हैं। मुझे उनके बारे में यह बात पसंद है। मर्सिडीज के हेमिल्टन ने शनिवार को रुस ग्रां प्री में पोल पोजीशन हासिल की। यह उनकी 96वें पोल पोजीशन है। रविवार को उनकी कोशिश शूमाकार के 91 रेस जीतने के रिकार्ड की बराबरी करने की कोशिश करेंगे। इसी महीने की शुरुआत में टस्कन ग्रां प्री को जीत हेमिल्टन ने अपनी विजीय रेसों की संख्या 90 कर ली है।

महिला चयन समिति का गठन, नीतू डेविड होंगी चेयरमैन

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने शनिवार को महिला टीम के लिए नई चयन समिति का ऐलान कर दिया है। बाएं हाथ की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को नई समिति का चेयरमैन चुना गया है। बोर्ड ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। बीसीसीआई ने इस साल की शुरुआत में नई महिला चयन समिति के लिए आवेदन मांगे थे। तकरीबन 10 महीने बाद चयन समिति का इंतजार खत्म हुआ है। नीतू के साथ इस चयन समिति में आरती वैद्य, रेणु मारग्रेट, वेंकटाचेर कल्पना, मिथु मुखर्जी। बीसीसीआई ने बयान में कहा, सीनियर खिलाड़ी होने के नाते नीतू डेविड पांच सदस्यीय समिति की अध्यक्षता करेंगी। नीतू ने भारत के लिए 10 टेस्ट और 97 वनडे खेले हैं। उनके नाम टेस्ट में एक पारी में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकार्ड है। उन्होंने 1995 में जमशेदपुर में खेले गए टेस्ट मैच मे इंग्लैंड की महिला टीम के खिलाफ 53 रन देकर आठ विकेट लिए थे। महिला वनडे में वह भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली दूसरी गेंदबाज हैं। उनके नाम 141 विकेट हैं। वह भारत की पहली महिला गेंदबाज हैं जिन्होंने 100 विकेट का आंकड़ा छुआ। वहीं आरती ने भारत के लिए तीन टेस्ट और 6 वनडे मैच खेले हैं। रेणु ने पांच टेस्ट और 23 वनडे में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। कल्पना ने भारत के लिए तीन टेस्ट के अलावा आठ वनडे मैच खेले हैं। मुखर्जी ने हालांकि देश के लिए वनडे नहीं खेले लेकिन चार टेस्ट मैचों में भारत का हिस्सा रही हैं।

हैदराबाद के खिलाफ शुभमन गिल का दमदार प्रदर्शन, सुनील गावसकर ने बताया टीम इंडिया का अगला सुपरस्टार

शारजाह (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 13वें सीजन के 8वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) को 7 विकेट से हराया। शनिवार को शेख ज़ायद क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 142 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता ने 18 ओवर में 3 विकेट पर 145 रन बनाकर मैच जीता। कोलकाता की इस जीत में शुभमन गिल ने अहम भूमिका निभाई। गिल ने 62 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 70 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच भी चुना गया। गिल की इस पारी के बाद भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावसकर ने उन्हें टीम इंडिया का अगला स्टार बताया। सुनील गावसकर ने कहा, गिल के पास तकनीक है। अगर कोलकाता गिल में आत्मविश्वास दिखाती है और आप उन्हें बताते हैं कि वह हर मैच में खेलेगा तो वह अपनी क्षमता को और बेहतर अंदाज में दिखा सकता है। वह इतने कमाल के क्रिकेटर हैं कि यदि आप किसी भारतीय क्रिकेटर से पूछें कि अगला स्टार कौन है, तो हर कोई कहेगा शुभमन गिल। इसलिए यह उनके लिए एक शानदार अवसर है कि वह क्यों भारत के लिए एक बड़ा सितारा बन सकते हैं।

गिल ने भारत के लिए अब तक 2 वनडे मैच खेले

पंजाब से ताल्लुक रखने वाले गिल ने अपने ढ्क्क करियर में अब तक 29 मैच खेले हैं और कुल 576 रन बनाए हैं। उन्होंने 5 अर्धशतक भी जमाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 128 का है। शुभमन ने भारत के लिए अभी तक 2 वनडे इंटरनैशनल मैच खेले हैं। उन्होंने पिछले साल जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंटरनैशनल डेब्यू किया था और सीरीज के चौथे मैच में केवल 9 रन बनाए। उस मैच में भारत को 8 विकेट से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। वह

सीरीज के 5वें मैच में भी नंबर-3 पर उतरे। लेकिन प्रभावित नहीं कर सके और 7 रन बनाकर आउट हो गए थे।

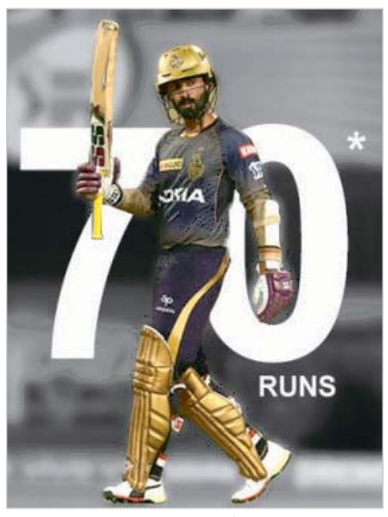

महिला क्रिकेट : दूसरा मैच जीत आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड पर ली 2-0 की अजेय बढ़त

ब्रिस्बेन (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को एलन वॉर्डर फील्ड पर खेले गए मैच में न्यूजीलैंड महिला टीम को आठ विकेट से मात देते हुए तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है। न्यूजीलैंड महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी की थी लेकिन चार गेंद पहले सिर्फ 128 रनों पर ही ढेर हो गई थी। आस्ट्रेलिया ने इस आसान से लक्ष्य को 16.4 ओवरों में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। आसान से लक्ष्य के सामने एलिसा हिली (33) और बेथ मूनी (24) ने टीम को अच्छी शुरुआत देते हुए 51 रन बनाए। पहले हिली और फिर मूनी पवेलियन लौटीं। कप्तान मेग लेनिंग और रचेल हायनेस ने टीम को जीत दिलाई। हायनेस ने 31 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 40 रन बनाए। कप्तान लेनिंग ने 32 गेंदों पर नाबाद 26 रनों की पारी खेली। इससे पहले, न्यूजीलैंड की बल्लेबाज विकेट पर अपने पैर जमाने में विफल रहीं। एमी सैटरथवेट ने न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। सुजी बेट्स ने 22 रन बनाए। इन दोनों के अलावा पर्किंर्स ने 15, लॉरेन डाउन ने 12 और एमेलिया केर ने 11 रन बनाए और इन पांच बल्लेबाजों के अलावा न्यजीलैंड की कोई और बल्लेबाज दहाई के आंकड़े में नहीं पहुंच सकी।

कोरालेस पुंटाकाना चैम्पियनशिप : लाहिड़ी शीर्ष-10 में पहुंचे

पुंटा काना (डॉमिनिक गणतंत्र)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने पुंटा काना चैम्पियनशिप के तीसरे दौर में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शीर्ष-10 में जगह बना ली है। लाहिड़ी ने शनिवार को 64 का स्कोर कर सातवां स्थान हासिल किया। चीन के झिनजुन झांग चार अंडर 68 के स्कोर के साथ कुल स्कोर बेहतर होने के चलते पहले स्थान पर रहे। उन्होंने सात बर्डी मारीं। इस टूर की शुरुआत ट्रिपल बोगी और बोगी के साथ करने वाले लाहिड़ी ने पहले दिन 69 का स्कोर किया और दूसरे दिन 72 का स्कोर किया। तीसरे दिन वो बेहतरीन फॉर्म में दिखे। लाहिड़ी ने कहा, यह शानदार था। क्लीन कार्ड रहना मेरे लिए अच्छा रहा। मैंने बीते दो दिनों में काफी सारी गलतियां कीं लेकिन मेरा जो स्कोर है मैं उससे बेहतर खेल रहा था। इसलिए मैं जानता था कि मुझे थोड़ा आगे आना होगा। मैंने आज गेंद को अच्छा हिट किया।

प्रत्येक देश को अच्छी लीग और इसमें खेलने वाली अच्छी टीमों की जरूरत : भुटिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भुटिया ने देश के दो शीर्ष फुटबाल क्लबों-मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में शामिल होने पर खुशी जताई है। मोहन बागान की टीम पहले ही आईएसएल का हिस्सा बन चुकी है और वह एटीके के साथ जुड़ चुकी है। अब ईस्ट बंगाल की टीम भी आईएसएल से जुड़ गई है और वह इस लीग में भाग लेगी। भुटिया का मानना है कि हर किसी के लिए यह एक जीत जैसी स्थिति है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि इस जुड़ाव से हर किसी को फायदा होगा। ईस्ट बंगाल और मोहन बागान को आईएसएल जैसे प्लेटफॉर्म की जरूरत है और आईएसएल को भी इनके जैसे क्लबों की आवश्यकता है। इन क्लबों का बहुत बड़ा फैन बेस है, इसलिए मुझे लगता है कि हर किसी को इससे फायदा होगा। ऐसा माना जा रहा था कि आयोजक इन दो बड़े क्लबों को लीग में शामिल करने और इन नामों को अपनाने के लिए अनिच्छुक थे। लेकिन पूर्व भारतीय फुटबाल कप्तान का मानना है कि ईस्ट बंगाल और मोहन बागान जैसे विरासत वाली क्लबों पर फैसला लेने में समय लगता है। भुटिया ने कहा, ईस्ट बंगाल और मोहन बागान जैसे क्लबों को अपनाने में समय लगता है। उन्होंने सोचा कि यह शुरू में महत्वपूर्ण नहीं था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि आईएसएल प्रबंधन ने कभी सोचा था कि वे ईस्ट बंगाल और मोहन बागान को शामिल नहीं करेंगे। यह केवल समय की बात थी। उन्होंने साथ ही कहा, हर देश को एक अच्छी लीग और उसमें खेलने वाली अच्छी टीमों की जरूरत होती है। और अच्छी टीमों के साथ

एक अच्छी लीग से ही देश में फुटबॉल के विकास में मदद मिलेगी। आईएसएल का सातवां सीजन इस बार नवंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू होगी और इसके मैच तीन मैदानों-जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम फातोर्दा, जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम, बामबोलिम और तिलक मैदान स्टेडियम वास्को में खेले जाएंगे।

इस समय दिल्ली कैपिटल्स के पास एक अच्छी संतुलित टीम : नॉर्जे

दुबई। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्जे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में अपने इस शानदार फॉर्म को आगे भी जारी रखना चाहेंगे। नॉर्जे का पहला यह आईपीएल है। नॉर्जे को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ उनके पहले मैच में कोई विकेट नहीं मिला था, लेकिन शुक्रवार को चेन्नई के खिलाफ उन्होंने दो विकेट निकालकर दिल्ली कैपिटल्स की जीत में अहम योगदान दिया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम लीग में लगातार दो मैच जीतकर अंकतालिका में चार अंकों के साथ टॉप पर हैं। टीम को अपना अगला मुकाबला 29 सितंबर को अबु धाबी में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलना है। नॉर्जे ने कहा, यह अविश्वसनीय है। पहले मैच में एक भी विकेट नहीं मिलने के बाद आखिरकार विकेट लेना बहुत ही अच्छा रहा। मुझे ऐसा लगा कि मैं आज ही आया हूं और मैंने दौड़ना शुरू कर दिया है। जब मैं गेंदबाजी करता हूं तो उस पर मेरा नियंत्रण रहता है और मैं अपनी ओर से केवल चीजों को करने की कोशिश कर रहा था। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज ने चेन्नई के खिलाफ मैच के बाद टीम के प्रदर्शन को लेकर कहा, जैसा कि मैंने शुरुआत में ही कहा था कि यह एक अच्छी टीम भावना है। मैच के दौरान भी हमें पता होता है कब हमें आराम करना है और कब हमें आगे बढ़ना है, इसलिए यह एक अच्छी संतुलित टीम है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अटल बिहारी वाजपेयी के हनुमान जसवंत सिंह ने उदारवादी विचारों से कभी नहीं किया समझौता

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

सेना के अधिकारी से नेता बने, भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी के विश्वसनीय सहयोगी थे। साथ ही उन्होंने अपने उदारवादी राजनीतिक विचारों से अपनी अलग पहचान बनाई। रविवार सुबह लंबी बीमारी के बाद दिल्ली में उनका निधन हो गया। मजबूत पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाले और उदारवादी मिजाज के लिए जाने जाने वाले 82 वर्षीय जसवंत ने अपने राजनीतिक जीवन में 1998 से 2004 के बीच वाजपेयी सरकार में केन्द्रीय मंत्रिमंडल के तीन सबसे प्रमुख रक्षा, विदेश और वित्त मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली।

हालांकि दिसंबर 1999 में इंडियन एअरलाइन्स के अपहृत विमान में सवार यात्रियों के छुड़ाने के लिए तीन खूंखार आतंकवादियों को सरकारी विमान से अफगानिस्तान के कंधार ले जाने से उनकी छवि को धक्का लगा। उस समय जसवंत सिंह विदेश मंत्री थे। इंडियन एअरलाइन्स के विमान (आईसी 814) में सवार 180 से अधिक यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को छुड़ाने के बदले भारत को जिन तीन आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा, उनमें मौलाना मसूद अजहर भी शामिल था, जिसने बाद में जैश-ए-मोहम्मद का गठन किया। आठ दिन तक चले उस अपहरण संकट को खत्म करने के लिए जसवंत सिंह खुद आतंकवादियों को छोड़ने गए तो विवाद खड़ा हो गया। इस घटना के लिए कई बार जसवंत सिंह का मजाक बना। अपहरण की घटना को 1998 में बनी भाजपा नीत राजग सरकार के कार्यकाल की नाकामियों में शुमार किया जाता है।

आतंकवादियों ने अपहृत विमान के एक यात्री की हत्या भी कर दी थी। ईमानदार नेता माने जाने वाले सिंह वाजपेयी के बेहद खासमखास थे। इस वजह से उन्हें वाजपेयी का 'हनुमान' भी कहा जाता था। वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान जसवंत सिंह सरकार में काफी ऊंचा ओहदा रखते थे। उस दौरान वह कई ऐतिहासिक घटनाओं और उपलब्धियों के गवाह बने, जिनमें 1998 का परमाणु परीक्षण पोखरण-2, भारत-पाकिस्तान के बीच करगिल संघर्ष, भारत-पाकिस्तान के बीच 2001 में हुआ आगरा शिखर सम्मेलन और अमेरिका के साथ परमाणु मुद्दों पर बातचीत शामिल है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व शुरू से ही जसवंत सिंह को पसंद करता था। फर्राटेदार अंग्रेजी में बात करने के उनके हुनर का हर कोई कायल था। पार्टी के कई नेता ऐसा नहीं कर पाते थे। भाजपा को मध्यम वर्ग की पार्टी माना जाता था, जिसमें सिंह को खास मुकाम हासिल था। इसकी वजह उनकी शिक्षा और सैन्य पृष्ठभूमि मानी जाती थी। कम बोलने और गहरी समझ वाले सिंह उदारवारी मूल्यों के कट्टर समर्थक थे। शिष्टजनों में शुमार किए जाने वाले सिंह ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव भी देखे। मई 1996 में 13 दिन की वाजपेयी सरकार में वह वित्त मंत्री बने थे।

आम तौर पर गंभीर दिखने वाले सिंह कभी-कभी अपने मिजाज के विपरीत बात किया करते थे। जुलाई 2009 में वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने जब संसद में बजट पेश किया तो सिंह ने उसपर चर्चा के दौरान कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को कर में दी गई छूट इतनी भी नहीं है कि वह उससे विस्की की एक बोतल खरीद सकें। आरएसएस से ताल्लुक न रखने वाले जसवंत को दो बार भाजपा से निष्कासित किया गया। पहली बार उन्हें 2009 में जिन्ना की तारीफ करने पर पार्टी से निकाला गया। हालांकि 2010 में उन्हें फिर से पार्टी में शामिल कर लिया गया। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में राजनस्थान की बाड़मेर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उम्मीदवारी वापस लेने से मना करने पर एक बार फिर उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

सिंह ने आठ साल तक सेवाएं देने के बाद 1965 में सेना से सेवानिवृत्ति ले ली थी। जब उनसे सेना छोड़ने का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह राजनीति में जाना चाहते हैं। भाजपा को इसके गठन के समय से ही दक्षिणपंथी दल माना जाता है। पार्टी के कई तेज-तर्रार नेताओं के विपरीत सिंह हमेशा पार्टी के अंग्रेजी भाषी उदारवादी तथा प्रगतिशील मिजाज के नेता के तौर पर जाने जाते रहे। सिंह ने पार्टी को शहरी इलाकों में पैठ बनाने में भी मदद की। हालांकि जसवंत सिंह को कभी जन नेता के तौर पर नहीं देखा गया। पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच भी वह बहुत लोकप्रिय नहीं रहे।

सार समाचार

कर्नाटक में दर्दनाक हादसा, सड़क हादसे में गर्भवती महिला समेत सात लोगों की मौत

बेंगलुरू। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में रविवार सुबह एक कार की एक ट्रक के साथ हुई टक्कर में एक गर्भवती महिला समेत सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सावलागी गांव के पास यह हादसा हुआ, जिसमें चार महिलाओं और तीन पुरुषों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ये सातों लोग अलंद तालुक के रहने वाले थे और एक गर्भवती महिला को प्रसव के लिए अस्पताल ले जा रहे थे। उन्होंने बताया कि घटना को लेकर एक मामला दर्ज किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारत-पाकिस्तान के बीच गोलीबारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों द्वारा संदिग्ध गतिविधि देखे जाने के बाद भारतीय और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच करीब आधे घंटे तक गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि घगवाल सेक्टर के इलाके में मंगू चक सीमा चौकी (बीओपी) के पास शनिवार देर रात करीब 11 बजकर 45 मिनट पर गोलीबारी हुई। हालांकि, इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि मंगू चक सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तानी सीमा चौकी पीर बंकर के पास तीन-चार संदिग्ध लोगों की गतिविधियां देखीं जो अंधेरे का फायदा उठाकर सीमा के इस ओर आने की कोशिश कर रहे थे। इसपर बीएसएफ के जवानों ने गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि इसके जवाब में पाकिस्तानी रेंजर्स ने गोलीबारी की और छोटे हथियारों से यह गोलीबारी करीब आधे घंटे तक जारी रही। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के बीच संदिग्ध लोग वापस पाकिस्तानी इलाके में लौट गए। बीएसएफ के अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि तड़के सुबह इलाके में बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां कोई संदिग्ध गतिविधि तो नहीं है।

भाजपा नेता उमा भारती कोरोना पॉजिटिव, धनसिंह रावत के साथ की थी केदारनाथ की यात्रा

देहरादून। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता उमा भारती में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। भारती ने ट्वीट करके यह जानकारी दी। शनिवार देर रात भारती ने ट्वीट करके बताया कि पहाड़ की यात्रा के अंतिम दिन उन्होंने प्रशासन से उनकी कोरोना वायरस संक्रमण की जांच कराने का अनुरोध किया क्योंकि उन्हें तीन दिन से हल्का बुखार आ रहा था। भारती ने कहा कि उन्होंने यात्रा के दौरान सामाजिक दूरी सहित सभी नियमों का पालन किया था, लेकिन वह संक्रमण की चपेट में आ गईं।

गौरतलब है कि उमा भारती इसी सप्ताह उत्तराखंड के मंत्री धनसिंह रावत के साथ केदारनाथ यात्रा पर गयी थीं और बाद में रावत में संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा के उप-चुनाव के जरिए पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की राज्य की सियासत में वापसी के आसार बनने लगे हैं। लंबे अरसे बाद उनकी एक बार फि र राज्य में सक्रियता बढ़ी है, साथ में भाजपा के चुनावी मंच पर भी नजर आने लगी हैं। राज्य में अब 28 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होने हैं और भाजपा की कोशिश है कि इन उप-चुनाव में ज्यादा से ज्यादा स्थानों पर जीत दर्ज की जाए और इसके लिए वह हर रणनीति पर काम कर रही है।

भोपाल में रेलवे अधिकारी ने युवती को नौकरी का झांसा देकर किया बलात्कार

भोपाल।मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नौकरी का झांसा देकर लड़की से बलात्कार करने का मामला सामने आया है। भोपाल रेलवे स्टेशन के वीआईपी गेस्ट हाउस में 22 साल की युवती के साथ आरोपी रेलवे के एक अधिकारी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर बलात्कार किया। रेलवे एसपी हितेश चौधरी ने बताया कि युवती उत्तर प्रदेश के महोबा जिले की रहने वाली है। रेलवे में अधिकारी राजेश तिवारी से वह कुछ महीने पहले फेसबुक के जरिए संपर्क में आई थी। दोनों के बीच होने वाली बातचीत में राजेश उसे जॉब दिलाने का झांसा दिया था। रेलवे अधिकारी ने युवती से कहा कि वह भोपाल आ जाए यहां उसे नौकरी दिलवा दी जाएगी।

बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे नीतीश कुमार की उपस्थिति में जनता दल यूनाईटेड में शामिल

नई दिल्ली। बिहार राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले, बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडे, जिन्होंने हाल ही में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी, रविवार को पार्टी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पटना स्थित आवास पर जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हो गए। पांडे का राजनीतिक झुकाव के सुशांत सिंह राजपूत मामले पर उनकी हालिया टिप्पणी से संकेत मिले थे । जांच से संबंधित मामलों में वे मुंबई पुलिस के आलोचक रहे हैं। उन्होंने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि अभिनेता रिया चक्रवर्ती के पास सीएम नीतीश कुमार पर टिप्पणी करने के लिए 'कद' नहीं है। पांडे ने इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनावों से पहले वीआरएस के लिए आवेदन किया था, लेकिन बक्सर लोकसभा सीट से उन्हें टिकट नहीं दिया गया था। उन्होंने तब अपना वीआरएस आवेदन वापस ले लिया था। पिछले हफ्ते, वीआरएस के लिए उनके आवेदन को गवर्नर फागू चौहान से त्वरित स्वीकृति मिली और उनके मामले में एक अपवाद के रूप में सरकारी नौकरों के राजनीति में शामिल होने के लिए तीन महीने की लंबी अवधि के कूलिंग ऑफ की छूट के साथ किया गया था।

फडणवीस-राउत मुलाकात के एक दिन बाद शरद पवार ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात की

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। यह मुलाकात महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना सांसद संजय राउत की बैठक के एक दिन बाद हुई है जिससे राजनीतिक कयासों का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों ने बताया कि पवार ने उद्धव ठाकरे के आधिकारिक आवास पर मुलाकात की और यह करीब 40 मिनट तक चली। हालांकि, दोनों नेताओं की बैठक के दौरान क्या बातचीत हुई, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है। सूत्रों ने हालांकि बताया कि राज्य में भविष्य के अनलॉक और कोविड-19 की स्थिति कुछ मुद्दे रहे, जिनपर दोनों नेताओं ने बैठक के दौरान चर्चा की। उल्लेखनीय है कि शनिवार को मुंबई के एक होटल में फडणवीस और राउत ने मुलकात की थी। इस मुलाकात के बाद कयासों का दौर शुरू हो गया था। हालांकि, फडणवीस ने रविवार को कहा कि भाजपा का शिवसेना से हाथ मिलाने या उद्धव ठाकरे नीत महाराष्ट्र सरकार को गिराने का कोई इरादा नहीं है। फडणवीस ने कहा कि राउत से मुलाकात शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के लिए साक्षात्कार को लेकर हुई थी।

जनता से पीएम मोदी ने की 'मन की बात', कहा-गांव, किसान, देश का कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के आधार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि गांव, किसान और देश का कृषि क्षेत्र 'आत्मनिर्भर भारत' के आधार हैं तथा ये जितने मजबूत होंगे, 'आत्मनिर्भर भारत' की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी। आकाशवाणी पर मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 69वीं कड़ी में अपने विचार व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के कठिन दौर में कृषि क्षेत्र और देश के किसानों ने फिर अपना दमखम दिखाया। उन्होंने कहा, ''हमारे यहां कहा जाता है कि जो जमीन से जितना जुड़ा होता है, वह बड़े से बड़े तूफानों में भी उतना ही अधिक रहता है। कोरोना के इस कठिन समय में हमारा कृषि क्षेत्र, हमारा किसान इसका जीवंत उदाहरण है।

संकट के इस काल में भी हमारे देश के कृषि क्षेत्र ने फिर अपना दमखम दिखाया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''देश का कृषि क्षेत्र, हमारे किसान, हमारे गांव आत्मनिर्भर भारत का आधार हैं। ये मजबूत होंगे तो आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत होगी।'' मोदी ने हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ सफल किसानों तथा किसान समूहों का जिक्र करते हुए कहा कि बीते कुछ समय में कृषि क्षेत्र ने खुद को अनेक बंदिशों से आजाद किया है और अनेक मिथकों को तोड़ने का प्रयास किया है। हरियाणा के सोनीपत जिले के किसान कंवर चौहान की कहानी बताते हुए मोदी ने कहा कि एक समय था जब उन्हें मंडी से बाहर अपने फल और सब्जियां बेचने में बहुत दिक्कत आती थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में फल और सब्जियों को जब एपीएमसी कानून से बाहर कर दिया गया, तो इसका उन्हें और अन्य किसानों को फायदा हुआ।

मोदी ने कहा, ''आज वह स्वीट कॉर्न और बेबी कार्न की खेती कर रहे हैं। इससे उनकी सालाना कमाई ढाई से तीन लाख रुपये प्रति एकड़ है।'' प्रधानमंत्री ने कुछ अन्य किसानों की कहानी सुनाते हुए कहा कि इन किसानों के पास अपने फल व सब्जियों को कहीं पर भी, किसी को भी बेचने की ताकत है और यह ताकत ही उनकी इस प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा, ''अब यही ताकत देश के दूसरे किसानों को भी मिली है। फल व सब्जियों के लिए ही नहीं, अपने खेत में वह जो पैदा कर रहे हैं, वह चाहे धान, गेहूं, सरसों, गन्ना जो उगा रहे हैं, उसको अपनी इच्छा के अनुसार जहां ज्यादा दाम मिलें, वहीं पर बेचने की अब उनको आजादी मिल गई है।''

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद हाल में कृषि विधेयक आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 तथा कृषक (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020 को संसद से पारित कर दिया गया था। देशभर के कई हिस्सों खासकर पंजाब और हरियाणा के किसान तथा किसान संगठन इन विधेयकों को किसान विराधी बताकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा- एनडीए को मिलेगा प्रचंड जनादेश

पटना । जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि एनडीए को एक मामले में बढ़त प्राप्त है कि एनडीए को श्री नीतीश कुमार का नेतृत्व प्राप्त है। एक बड़ी जीत जो 2010 और 2019 में हम लोगों को मिली उससे हम आगे बढ़ते दिख रहे हैं। सीटों के शेयरिंग को लेकर के विपक्ष के आरोपों में कोई दम नहीं है । समय पर जैसे 2019 के लोकसभा चुनाव के समय ऐलान हुआ वैसे ही इस बार आधिकारिक तौर पर किस पार्टी को कितनी सीट मिलेगी उसकी घोषणा हो जाएगी। श्री प्रसाद ने कहा कि लेकिन महागठबंधन को ऐसे सवालों को उठाने का कोई नैतिक अधिकार है। उसके घटक दल लगातार तेजस्वी यादव को छोड़ रहे हैं। राजद के अंदर जिस तरीके का कोहराम मचा हुआ है वह भी कही ना कहीं जनता देख रही है। जो सबसे बड़ा प्रश्न है जिसकी वजह से गठबंधन के अंदर कुछ भी सहज नहीं है की कहीं ना कहीं तेजस्वी यादव की विश्वसनीयता और स्वीकार्यता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और श्री तेजस्वी यादव को नेता मानने के लिए ना तो महागठबंधन के नेता तैयार है और ना ही जनता के बीच अब उनकी कोई साख है। उनके पार्टी के नेताओं का उनके नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। जनता ने पहले ही तेजस्वी यादव को ठुकरा दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव में तथाकथित महागठबंधन और तेजस्वी यादव की दाल नहीं गलने वाली है। यह मुकाबला एकतरफा है जिसमें एनडीए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के करिश्माई नेतृत्व में एक शानदार जीत दर्ज करेगी और बिहार में पुनः सुशासन का राज स्थापित होगा।

मौजूदा हालात पर बोले भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या, कहा-आतंकी गतिविधियों का केंद्र बन गया है बेंगलुरू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने रविवार को दावा किया कि बेंगलुरू आतंकवादी गतिविधियों का केंद्र बन गया है। इस सिलसिले में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का एक स्थायी कार्यालय कर्नाटक की राजधानी में स्थापित करने की मांग की है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के अगले ही दिन सूर्या ने कहा कि बेंगलुरू में कई आतंकी मोड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। उन्होंने दावा किया कि आतंकी संगठन शहर को अपनी गतिविधियों का केंद्र बनाना चाहते हैं।

सूर्या ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने इस सिलसिले में शाह से मुलाकात की और बेंगलुरू में एनआईए का कार्यालय खोलने का आग्रह किया जो आधुनिक सुविधाओं से लैस हो और जहां पर्याप्त संख्या में कर्मचारी हों। उन्होंने कहा, ''गृह मंत्री ने मुझे आश्वस्त किया है कि जल्द से जल्द पुलिस अधीक्षक स्तर के एक अधिकारी की निगरानी में एक स्थायी कार्यालय खोलने के लिए वह अधिकारियों को निर्देश देंगे।''

लोकसभा में बेंगलुरू दक्षिण सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले सूर्या ने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में भारत का सिलिकन वैली आतंकी गतिविधियों का केंद्र बन गया है। जांच एजेंसियों द्वारा की गई गिरफ्तारियां और अन्य खुलासों से यह स्पष्ट भी हो गया है।'' भाजपा में मिली नयी जिम्मेदारी के बारे में उन्होंने कहा कि वे भाजयुमो अध्यक्ष के रूप में सबसे पहले बिहार का दौरा करेंगे और पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। बिहार में विधानसभा चुनाव तीन चरणों में अक्टूबर और नवम्बर माह में होंगे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जसवंत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

जयपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और दिग्गज बीजेपी नेता जसवंत सिंह का 82 साल की उम्र में निधन हो गया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। अटल बिहार वाजपेयी कैबिनेट में पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह, जिन्होंने बाहरी मामलों, रक्षा और वित्त के महत्वपूर्ण विभागों को संभाला था, का रविवार सुबह लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया।भारतीय सेना में सेवा करने के बाद अपने शुरुआती संस्थापक सदस्यों में से एक के रूप में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने के बाद, सिंह ने 2014 में अपनी पार्टी के साथ एक कड़वाहट हो गयी थी जब उन्हें राजस्थान के बाड़मेर से अपनी पसंद के लोकसभा टिकट से वंचित कर दिया गया था। उन्होंने 2014 का आम चुनाव लड़ा, जो एक स्वतंत्र के रूप में उनका आखिरी था, लेकिन हार गए।राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह के निधन पर रविवार को शोक व्यक्त किया। सिंह का दिल्ली के एक अस्पताल में सुबह निधन हो गया। गहलोत ने ट्वीट किया, ''राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री जसवंत सिंह जी के निधन से दुखी हूं।'' उन्होंने ईश्वर से सिंह की आत्मा की शांति और उनके परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। सिंह अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में रक्षा, वित्त और विदेश मंत्री रहे।

भाजपा नेता मनोरंजन कालिया ने कहा- अकालियों का एनडीए छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण

चंडीगढ। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ संबंध तोड़ने के शिअद के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए पंजाब के वरिष्ठ भाजपा नेता मनोरंजन कालिया और मास्टर मोहन लाल ने रविवार को कहा कि पार्टी 2022 के पंजाब चुनावों में अकेले चुनाव लड़ने और जीतने में सक्षम है। शिअद ने शनिवार रात को कृषि विधेयकों के मुद्दे पर राजग छोड़ने का ऐलान किया था। विपक्षी दलों के विरोध के बीच संसद में पारित किए गए तीन कृषि विधेयकों के खिलाफ पंजाब में किसानों के बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने यह घोषणा की।

शिअद के राजग से नाता तोड़ने के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोरंजन कालिया ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने लंबे समय से चले आ रहे संबंध को तोड़ दिया। उन्होंने बताया

कि अकाली दल में पीढ़ीगत बदलाव हुआ है क्योंकि सुखदेव सिंह ढींडसा, रणजीत सिंह ब्रह्मपुरा और सेवा सिंह सेखवान जैसे कई वरिष्ठ नेता ने शिअद छोड़ दिया है, जो कभी अकाली दल के वरिष्ठ नेता प्रकाश सिंह बादल के करीबी थे और उनके साथ काम करते थे। कालिया ने कहा, ''अब, दूसरी पीढ़ी ने कार्यभार संभाल लिया है और कुछ नेता अधिक प्रतिक्रियाशील हैं।'' कालिया ने कहा कि भाजपा ने हमेशा शिअद को साथ लेकर चलने की कोशिश की और उन्होंने इसका एक उदाहरण दिया कि 2007 में उप-मुख्यमंत्री का पद गठबंधन सहयोगी अकाली दल को दिया गया था जब पंजाब में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन के कारण सरकार बनी थी। कालिया ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने भी इसके पक्ष में बयान दिया, लेकिन बाद में उन्होंने यू-टर्न ले लिया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। कालिया ने कृषि विधेयकों का बचाव करते हुए कहा कि ये किसानों के हित में हैं। साल 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे जाने पर, कालिया ने कहा कि पार्टी अकेले चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''हम तैयार हैं। हम (चुनाव) लड़ेंगे और हम निश्चित रूप से सरकार बनाएंगे।'' एक अन्य भाजपा नेता मास्टर मोहन लाल ने अकालियों के राजग से बाहर निकलने के कदम को जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बताया। लाल ने कहा कि अकालियों को भाजपा के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, ''मुझे समझ नहीं आता कि अकालियों की मजबूरियां क्या थीं और उन्होंने यह फैसला क्यों लिया।'' पूर्व मंत्री ने कहा कि शिअद और भाजपा ने पंजाब में विकास, शांति और सद्भाव के लिए गठबंधन किया था।

विधानसभा में शराब पीकर या भांग खाकर बोल रहे थे कृषि मंत्री ?: जीतू पटवारी

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार में हुई किसान कर्जमाफी को लेकर मचे घमासान के बीच पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने प्रदेश की शिवराज सरकार में कृषि मंत्री कमल पटेल पर तीखा हमला बोला है। पूर्व मंत्री और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि कमल पटेल पांच बार एफआईआर कराने की बात बोल चुके हैं, लेकिन कराई एक बार भी नहीं। जब सदन में कमल पटेल कर्जमाफी के सवाल का जबाब दे रहे थे तो क्या उस वक्त शराब पीकर या भांग खाकर बोल रहे थे। पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने आगे कहा- 'मैं शिवराज सिंह जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि ऐसे अपरिपक्व मंत्री को मंत्रिमंडल से हटा देना चाहिए या इस्तीफा ले लेना चाहिए। वरना जनता तो तैयार है, वो खुद ही हटा देगी।'

पूर्व मंत्री जीतू पटवारी से जब पत्रकारों ने पूछा कि, कमल पटेल ने शुक्रवार को कहा था कि कमलनाथ और राहुल गांधी के किसानों के मामले में झूठ बोलने के लिए माफी नहीं मांगेंगे तो वह उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे। जीतू पटवारी ने कहा कि 'आदरणीय कमल पटेल का मानस या उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है या उनका अध्ययन ठीक नहीं है। कमल पटेल कहां थे, जब वो सदन में जवाब दे रहे थे कि कांग्रेस सरकार ने 27 लाख किसानों का कर्जामाफ किया तो या तो जब वो नशे में थे, या जब बोल रहे थे और बेहोश थे। खुद अपनी एक बात पर वो कायम तो हों। ऐसा कृषि मंत्री कैसे प्रदेश के किसानों की रक्षा कर सकता है।'

मध्य प्रदेश में छह महिने पहले सत्ता में वापस लौटी भाजपा ने कांग्रेस की कमलनाथ सरकार पर आरोप लगाए कि वादे के अनुसार किसानों का कर्जमाफ हुआ ही नहीं। इसके बाद पिछले महिने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पैन ड्राइव लहराकर बताया कि उनके पास किसानों का डेटा है, जिनका कर्ज माफ हुआ है। उनका पता और पूरी जानकारी है, भाजपा ने इसे भी झूठ बताया। लेकिन 21 सितंबर को विधानसभा में सदन की कार्रवाई के दौरान कृषि मंत्री कमल पटेल ने माना कि कांग्रेस सरकार में 26 लाख 97 हजार किसानों के कर्ज माफ हुए हैं। इसके बाद कांग्रेस हमलावर हो गई और भाजपा पर लगातार आरोप लगाने शुरू कर दिए। लेकिन सदन से बाहर एक बार फिर भाजपा नेता और मंत्री कांग्रेस की कमलनाथ सरकार द्वारा जय किसान ऋणमाफी योजना पर पलट गए और इसे अधिकारियों की भूल बताते हुए इसकी जाँच करवाने की बात कही थी। वही राहुल गांधी ने भी किसान कर्ज माफी को लेकर ट्वीट किया था जिस पर कृषि मंत्री कमल पटेल ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने की बात कही थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संयुक्त राष्ट्र की बैठक में आंतकवाद पर नेपाल ने दिया भारत का साथ, सकते में चीन-पाकिस्तान

इंटरनेशनल डेस्क:

संयुक्त राष्ट्र संघ के जनरल एसेंबली में आंतकवाद के मुद्दे पर नेपाल ने जहां भारत का साथ दिया वहीं पाकिस्तान और चीन पर निशाना भी साधा ।नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के इस स्टैंड से चीन और पाकिस्तान सकते में है। ओली ने संयुक्त राष्ट्र संघ के जनरल एसेंबली में भारत के पक्ष में बात करते हुए सभी देश के सामने पाकिस्तान को लताड़ लगाई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नेपाल के क्रू ओली ने संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण में आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत का समर्थन करते हुए कहा कि कुछ देश आतंकवाद को शह देते हैं, जिसका नेपाल पुरजोर विरोध करता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक को संबोधित करते हुए ओली ने कहा कि नेपाल अतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी आलोचना करता है और आतंकवाद पर जल्द एक व्यापक सहमति चाहता है। ओली ने कहा कि आतंकी गतिविधियों से केवल आम निर्दोष नागरिकों को चोट पहुंचती है, इसकी कड़ी आलोचना होनी चाहिए। रिकॉर्डेड भाषण में नेपाली PM ने भारत, चीन या क्षेत्रीय मुद्दों का उल्लेख नहीं किया लेकिन साथ ही कहा कि काठमांडू अपने सभी पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि गुटनिरपेक्षता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय कानून और विश्व शांति मार्गदर्शक की विदेश नीति के मानदंड. ये नेपाल की विदेश नीति के आधारभूत कारक हैं। ओली ने कहा कि हम 'सभी के साथ एकता और किसी के साथ भी शत्रुता नहीं' में विश्वास करते हैं। बताते चलें कि CCIT का प्रस्ताव 1996 में भारत ने ही रखा था, लेकिन इसको परिभाषित करने के मुद्दे पर मतभेद उभर आए. जिसके बाद ये आगे नहीं बढ़ सका।

नवाज शरीफ ने इमरान को दी कड़ी चुनौती, 'डूबते' पाकिस्तान को बचाने की खाई कसम

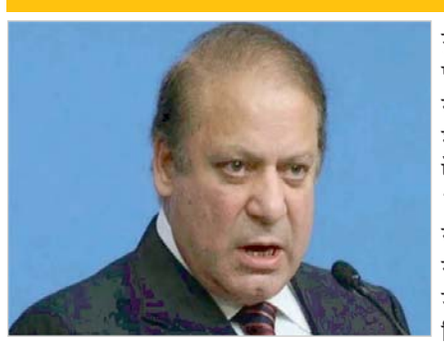

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने इमरान खान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें जेल भेजने के लिए जिम्मेदार लोगों ने 'देश को डूबो' दिया है । मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएमएल-एन के सुप्रीमो नवाज शरीफ ने कहा कि ऐसे लोगों की 'हरकतों' को जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने शनिवार को ट्विटर पर जवाबदेही प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया, जिसके जरिए उन्हें दोषी ठहराया गया था और जेल भेजा गया था। अपने ट्वीट के साथ उन्होंने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शौकत अजीज सिद्दीकी का एक वीडियो साझा किया। सिद्दीकी को राज्य के संस्थानों के खिलाफ एक विवादास्पद भाषण देने के बाद पद से हटा दिया गया था। वीडियो में पूर्व जज अरशद मलिक को भी दिखाया गया था, जिसमें वे शरीफ को दोषी ठहराने के लिए दबाव की बात स्वीकार कर रहे थे। इन जज को भी बाद में लाहौर उच्च न्यायालय की प्रशासनिक समिति द्वारा बर्खास्त कर दिया गया। ट्वीट में आगे लिखा गया, 'जबावदेही प्रक्रिया की ये वास्तविकता है कि तीन बार के चुने गए प्रधानमंत्री को सजा दी जाती है और फरार घोषित किया जाता है।' शरीफ ने फोन पर जेयूआई-एफ के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के साथ भी बात की और इमरान खान के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार को बाहर करने के विकल्पों पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि दोनों विपक्षी नेताओं ने विपक्षी दलों द्वारा नवगठित पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) गठबंधन के प्रमुख की नियुक्ति पर भी चर्चा की।साथ ही उन्होंने विधानसभाओं से इस्तीफा देने वाले विपक्षी सांसदों के मामले को तय करने के लिए समिति के गठन को भी मंजूरी दी। बता दें कि 2018 में एक जवाबदेही अदालत ने अल-अजीजिया मामले में दोषी पाए जाने के बाद शरीफ को 7 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी।

UNSC में यूरोपीय संघ ने उठाया शिनजियांग में अत्याचारों का मुद्दा, चीन पर लगाम की मांग

जेनेवा।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सैशन दौरान यूरोपीय संघ की ओर से एक बयान में जर्मन दूत माइकल फीहरर वॉन अनगेर्न-स्टर्नबर्ग ने आह्वान किया है कि वह स्वतंत्र पर्यवेक्षकों के लिए शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में सार्थक पहुंच की अनुमति दे। इनमें संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त मानवाधिकार शामिल हैं। अनगेर्न-स्टर्नबर्ग ने कहा, हम स्वतंत्र रूप से शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में सार्थक पहुंच की अनुमति देने के लिए चीन पर अपना आह्वान दोहराते हैं। उन्होंने कहा कि हम चीन से अपने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों को बनाए रखने के लिए और मानवाधिकारों के सम्मान के लिए, विशेषकर शिनजियांग और तिब्बत में भी, मानवाधिकारों के सम्मान की उम्मीद रखते हैं। जर्मन राजदूत ने कहा कि यूरोपीय संघ चीन से कानून के शासन को सुनिश्चित करने, निष्पक्ष परीक्षण की गारंटी देने और मनमाने ढंग से दुर्व्यवहार, और यातना और मानवाधिकार रक्षकों और उनके परिवारों के उत्पीड़न के मामलों की गहन जांच करने का आग्रह करता है। उन्होंने एक शोध रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि चीन पर शिनजियांग में जबरन श्रम, जबरन नसबंदी और जन्म नियंत्रण के अलावा अमानवीय अत्याचारों की पोल खुल चुकी है इसलिए सुरक्षा परिषद को चीन को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए । हांगकांग की स्थिति पर जर्मन दूत ने कहा, हम वहां चीन की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बढ़ते प्रतिबंध, सूचनाओं की पहुंच और पत्रकारों को डराने-धमकाने और निगरानी के बारे में चिंतित हैं।

UN में सीरिया के मंत्री ने तुर्की पर साधा निशाना, क्षेत्र में आतंकवाद का मुख्य प्रायोजक बताया

संयुक्त राष्ट्र:

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में सीरिया के विदेश मंत्री वालिद अल-मोआलेम ने तुर्की पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने तुर्की को सीरिया में आतंकवाद के प्रमुख प्रायोजकों में से एक करार देते हुए कहा कि तुर्की के अधिपत्य का विरोध करने वाले एक दर्जन से अधिक शहरों में पानी की अपूर्ति बंद है। उन्होंने कहा कि अंकारा युद्ध अपराध एवं मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी है। सीरिया के विदेश मंत्री वालिद अल-मोआलेम ने रिकॉर्डेड संदेश में कहा कि पानी की आपूर्ती बंद करने से नागरिकों के जीवन पर खतरा पैदा हो गया है, खासतौर पर कोरोना वायरस संक्रमण के वक्त में। सीरिया में नौ साल पहले गृह युद्ध शुरू हुआ था जो बाद में एक क्षेत्रीय लड़ाई में तब्दील हो गया। अब उत्तरी सीरिया के एक क्षेत्र पर तुर्की का नियंत्रण है और वह सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद, सीरियाई कुर्द लड़ाकों और इस्लामिक स्टेट चरमपंथी समूह के खिलाफ विपक्षी लड़कों का समर्थन करता है। सीरिया के मंत्री ने कहा,'तुर्की का वर्तमान शासन अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत दुष्ट और गैर कानूनी है। उसकी नीतियां और कामकाज पूरे क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा के लिए खतरा बन गई हैं और उन्हें रोका जाना जाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

जापान में भूकंप के झटके, सुनामी की चेतावनी नहीं

टोक्यो। जापान के शिजुओका प्रान्त में रविवार को भूकंप के मध्यम झटके महसूस किये गये। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 मापी गयी। भूपकं का केंद्र 35.1 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 137.8 डिग्री पूर्वी देशांतर पर सतह से 50 किमी नीचे था। भूकंप से जान-माल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है। अभी तक सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गयी है।

लेबनान में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 13 आतंकी ढेर

बेरूत। लेबनान के वादी खालिद में सेना और एक सशस्त्र समूह के बीच मुठभेड़ में कुल 13 आतंकवादी मारे गए। एक लेबनानी समाचारपत्र के मुताबिक लेबनानी सेना ने शनिवार को वादी खालिद में सेना ने छापेमारी की जिसमें सीरियन सीमा के पास कई झड़प हुईं। लेबनानी सेना ने शुक्रवार को अल-बेदादवी क्षेत्र में दो सप्ताह पहले इस्लामिक स्टेट (ISIS) समूह के एक सदस्य को अल-बेदावी क्षेत्र में एक मुठभेड़ में शामिल होने के मद्देनजर गिरफ्तार किया था, जिसमें सेना के चार जवानों की मौत हो गई और आईएस समूह का एक आतंकी भी मारा गया।

चीन को पाक भी देगा झटका, टिकटॉक को बैन करना चाहते हैं इमरान, ये है वजह

इस्लामाबाद: भारत और अमेरिका के बाद पाकिस्तान भी चीन को झटका देने जा रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी टिकटॉक को बैन करना चाहते हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री शिबली फराज ने द न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में यह दावा किया है। हालांकि, इमरान खान की चिंता डेटा सिक्यॉरिटी नहीं, बल्कि देश में फैल रही अश्लीलता है और इसकी वजह से वह टिकटॉक सहित इस तरह के अन्य ऐप को भी बैन करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, कुछ जानकारों का यह भी कहना है कि इमरान खान के लिए चाइनीज ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई करना आसान नहीं होगा। द न्यूज से बात करते हुए शिबली फराज ने कहा, ''पीएम इमरान खान समाज में बढ़ती नग्नता-अश्लीलता को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने कहा है कि इससे पहले कि यह सामाजिक धार्मिक मूल्यों को खत्म कर दे, इसे रोकना जरूरी है।'' सूचना मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके साथ इस मुद्दे पर एक या दो बार नहीं बल्कि 15-16 बार चर्चा की है। वह समाज में मुख्यधारा के आउटलेट्स, सोशल मीडिया और ऐप्स के जरिए फैल रही अश्लीलता को रोकने के लिए व्यापक रणनीति चाहते हैं। हाल ही में एक गैंग रेप केस को लेकर इमरान खान ने कहा था, ''दुनिया का इतिहास आपको बताता है कि समाज में जब अश्लीलता बढ़ती है तो दो चीजें होती हैं- महिलाओं को खिलाफ अपराध में वृद्धि होती है और परिवार टूटते हैं।'' शिबली फराज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें हाल ही में कहा कि टिकटॉक जैसे ऐप्स समाज के मूल्यों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और इसलिए इन्हें बैन कर देना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम इमरान खान ने पाकिस्तान टेलिकम्युनिकेशन अथॉरिटी (पीटीए) को आदेश दिया है कि इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऐप्स को अश्लीलता से मुक्त किया जाए। पीटीए ने हाल ही में पांच डेटिंग ऐप्स को बान किया था जिन पर नग्नता और समलैंगिकता फैलाने का आरोप था।

भारत और अमेरिका में बैन से बौखलाया चीन

सीमा विवाद के बीच हाल ही में भारत ने टिकटॉक सहित 100 से अधिक चाइनीज ऐप्क को बैन कर दिया, जिससे चीन बैखला गया। भारत ने डेटा सुरक्षा, देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए इन ऐप्स को खतरनाक बताया था। इसके बाद अमेरिका ने भी टिकटॉक को बैन कर दिया है।

वाशिंगटन में ट्रंप के समर्थन में हजारों लोगों ने मार्च निकाला

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति अपना समर्थन व्यक्त के लिए हजारों लोग शनिवार को वाशिंगटन शहर में नेशनल मॉल के पास एकत्र हुए। उच्चतम न्यायालय के लिए एमी कोनेय बारेट को न्यायाधीश नामित करने की ट्रंप की घोषणा से कुछ घंटे पहले लिंकन मेमोरियल से यूएस कैपिटल तक यह मार्च निकाला गया। भीड़ में कुछ लोगों ने मास्क पहन रखे थे जबकि कुछ ने ट्रंप के हस्ताक्षर वाली लाल टोपी पहन रखी थी जिन पर लिखा था, ''आओ अमेरिका को फिर से दैवीय बनाएं।'' उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने मार्च के बारे में कहा कि वह ट्रंप की तरफ से धन्यवाद करने के लिए आए हैं। उन्होंने लोगों से उच्चतम न्यायालय के लिए नामित बारेट के वास्ते प्रार्थना करने को कहा। मार्च का आयोजन ट्रंप समर्थक रेव फ्रैंकलिन ग्राहम ने किया। भीड़ में वर्जीनिया स्थित लिबर्टी विश्वविद्यालय के कई छात्र भी शामिल थे।

चीन के खिलाफ अरब सागर में दिखा दुनिया का सबसे बड़ा गठबंधन, भारत-जापान ने शुरू किया युद्धाभ्यास

इंटरनेशनल डेस्क:

चीन के आक्रामक रवैये के खिलाफ उत्तरी अरब सागर में एक बार फिर दुनिया का सबसे मजबूत गठबंधन देखने को मिला। शनिवार को उत्तरी अरब सागर में भारत और जापान की नेवी के बीच साझा अभ्यास शुरू होने पर दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती की झलक दिखी। हुआ। दोनों देशों का ये संयुक्त अभ्यास चीन के लिए एक सशक्त संदेश भी है कि चीन के खिलाफ दुनिया में एक बड़ा गठबंधन बनने जा रहा है। दोनों देशों की नेवी के बीच ये अभ्यास सोमवार तक जारी रहेगा। भारत-जापान संयुक्त अभ्यास को 'जीमेक्स' नाम दिया गया है। इस साझा अभ्यास से भारतीय नौसेना की अभियान क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। इस हाई क्लास नेवल एक्सरसाइज में तकनीक से लेकर रणनीतिक बारीकियों को भी साझा किया जा रहा है। दोनों देशों के बीच 9 सितंबर को एक समझौता हुआ था। इस समझौते के बाद ये पहला साझा अभ्यास है. इस दौरान वेपन फायरिंग, क्रॉस डेक हेलीकॉप्टर अभियान और कॉम्प्लेक्स सर्फेस, एंटी सबमरीन और हवाई सुरक्षा ड्रिल्स, ये सभी दोनों देशों की नौसेनाओं के मजबूत समन्वय को आगे बढ़ाएंगी। भारतीय नौसेना स्वदेश में विकसित स्टील्थ डेस्ट्रॉयर चेन्नई, तेग क्लास स्टील्थ फ्रिगेट तरकश और फ्लीट टैंकर दीपक के साथ हिस्सेदारी कर रही है, जबकि जापानी नौसेना की समुद्री सेल्फ डिफेंस फोर्स कागा युद्धपोत, इजुमो क्लास हेलिकॉप्टर डेस्ट्रॉयर और गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर इकाजुकी के साथ शिरकत कर रही है।

चीन के उइगर मुस्लिमों पर अत्याचारों ने की हदें पार, पाकिस्तानी भी हो रहे जुल्म के शिकार

इंटरनेशनल डेस्क:

उइगरों के खिलाफ चीन सरकार सभी सीमाएं लांघती जा रही है। चीन के उइगर विरोधी अभियान से सैकड़ों पाकिस्तानियों का जीवन प्रभावित हुआ है। चीन द्वारा किए गए अत्याचारों पर पाकिस्तान शासन की चुप्पी ने मूल निवासियों के लिए मामले को बदतर बना दिया है। दक्षिण एशिया से लेकर पश्चिम तक दुनियाभर के देशों को परेशान कर देने वाले चीन ने अपनी देश के अंदर और भी खतरनाक अभियान छेड़ रखा है। चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगरों के ऊपर ढाए जा रहे अत्याचार के बारे में दुनिया जानती ही है। एक ताजा रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि कैसे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार ने उइगर मुस्लिमों की संस्कृति को मिटाने और उनके इतिहास की डोर को काटने के लिए हर तरह के कदम उठाए हैं। चीन में उइगर मुसलमानों पर होने वाले अत्याचारों के किस्से आम हैं, पर कभी-कभी पाकिस्तानी नागरिक भी इसके लपेटे में आ जाते हैं। ताजा मामला सिकंदर हयात नाम के शख्स का है, जिसकी उइगर पत्नी और बेटे को चीन की सरकार ने डिटेंशन कैंप में डाल रखा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हालात कुछ ऐसे हो गए हैं कि हयात की बेटियों को अनाथालय में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है। सिकंदर हयात सिर्फ इसलिए बाहर रह गए क्योंकि वह पाकिस्तानी नागरिक हैं। चीन सरकार की नीतियों के चलते एक पाकिस्तानी का पूरा परिवार बिखर चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सिकंदर हयात ने चीन के शिनजियांग की एक महिला से शादी की थी। उस समय हयात चीन में ही रह रहे थे। बाद में अल्पसंख्यकों पर हो रहे चीन के अत्याचारों से तंग आकर उन्होंने 2017 में अपने बेटे अराफात के साथ बॉर्डर पार किया और अपने वतन पाकिस्तान आ गए। उन्हें पाकिस्तान आए अभी कुछ ही दिन हुए थे कि चीन से एक फोन कॉल आई। उस कॉल के बाद उनकी जिंदगी कुछ ऐसी बिखरी कि आज तक संवर नहीं पाई है। सिकंदर को आए फोन पर बताया गया कि कुछ चीनी अधिकारी उनकी पत्नी को लेकर डिटेंशन कैंप गए हैं। फोन पर उनके रिश्तेदारों ने यह भी कहा कि उन्हें और उनके बेटे को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सिकंदर तुरंत अपने बेटे के साथ चीन के लिए निकल पड़े, और डिटेंशन कैंप पहुंचे। यहां सिकंदर हयात को तब एक और बड़ा झटका लगा जब उनके बेटे को भी उइगर होने के चलते गिरफ्तार कर लिया गया। तब उनसे कहा गया था कि एक-दो सप्ताह में उनके बेटे को छोड़ दिया जाएगा, लेकिन 2017 से आज तक वह वक्त नहीं आ पाया। 2017 से सिकंदर हयात सिर्फ अपने परिवार की यादों के सहारे जी रहे हैं। उनकी बेटियां अनाथालय में हैं, बेटा डिटेंशन कैंप में है, पत्नी भी चीनी सरकार की हिरासत में है। यह कहानी सिर्फ सिकंदर हयात की नहीं बल्कि लाखों उइगर मुस्लिमों और उनसे ताल्लुक रखने वाले लोगों की है। फिलहाल सिकंदर की अपने परिवार से मुलाकात की उम्मीद दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही। फिर भी, उम्मीद पर दुनिया कायम है और सिकंदर भी फिलहाल यही सोच रहे होंगे।

डब्ल्यूएचओ- ऐक्सेस टू कोविड-19 टूल्स ऐक्सेलरेटर बढ़ाने पर जोर

बीजिंग ।

25 सितंबर को जिनेवा स्थित विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुख्यालय में कोविड-19 महामारी पर नियमित न्यूज ब्रीफिंग आयोजित हुई। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ट्रेडोस अधनोम घेब्रेयसस और डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञों ने वर्तमान महामारी का विश्लेषण किया और मुकाबले के लिए आगे कदम उठाने की अपील की और सुझाव पेश किए। ट्रेडोस अधनोम घेब्रेयसस ने कहा कि उत्तरी गोलार्ध में फ्लू मौसम आ रहा है और कुछ देशों में कोविड-19 के पुष्ट और मौत मामलों की संख्या में वृद्धि हो रही है। दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत कोविड-19 मामले दस देशों में केंद्रित हैं। उन्होंने विभिन्न देशों से महामारी के मुकाबले में इन चार बुनियादी प्राथमिकताओं पर ध्यान देने की अपील की। पहला, महामारी को फैलाने वाली गतिविधियों को रोकें, दूसरा, कमजोर समूहों की रक्षा करें, तीसरा, स्थानीय सामुदायिक क्षेत्रों को स्वयं और दूसरों की रक्षा के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग करने का अधिकार दें, चौथा, पता लगाने, अलग करने, परीक्षण और इलाज करने समेत बुनियादी काम अच्छी तरह से किए जाए। अनुमान के अनुसार, महामारी के प्रभाव के कारण इस वर्ष अर्थव्यवस्था में लगभग 70 खरब अमेरिकी डॉलर की कमी आएगी। कई देशों ने अपनी घरेलू अर्थव्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बहुत बड़ी राशि खर्च की है। लेकिन इससे स्वास्थ्य प्रणाली के पक्षाघात और भय व अनिश्चितता के प्रसार को नहीं रोका जा सकता है।

शिनजियांग में मुस्लिमों और इस्लामिक इतिहास को मिटा रहा चीन, 16 हजार मस्जिदें की तबाह

बीजिंग:

दुनियाभर के देशों को परेशान कर देने वाले चीन ने अपनी देश के अंदर और भी खतरनाक अभियान छेड़ रखा है। चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगरों के ऊपर ढाए जा रहे अत्याचार के बारे में दुनिया जानती ही है। ताजा रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार उइगर मुस्लिमों की संस्कृति को मिटाने और उनके इतिहास को मिटाने पर आमदा उठाए हैं। चीन के इस अभियान की पोल शिनजियांग डेटा प्रॉजेक्ट में खोली गई है। नेथन रूजर, जेम्स लीबोल्ड, केल्सी मुनरो और तीला होजा ने इस प्रॉजेक्ट रिपोर्ट में दावा किया है कि शिनजियांग प्रांत में 16 हजार मस्जिदों को या तो पूरी तरह गिरा दिया गया या उनके गुंबद गिरा दिए गए या किसी और तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। शिनजियांग की 1 हजार सांस्कृतिक महत्व वाली साइट्स पर नजर डालने पर पता चला कि उनमें से बड़ी संख्या में इमारतें गायब हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2017 में हुई कार्रवाई में न सिर्फ 10 लाख से ज्यादा उइगरों को हिरासत में लिया गया बल्कि उनकी संस्कृति और पहचान पर हमला किया गया। इसे सांस्कृति नरसंहार का नाम दिया गया है जिसके तहत उइगर मुस्लिमों के धार्मिकस्थलों और गैर-हान सार्वजनिक स्थलों को मिटा दिया गया। नेथन के मुताबिक उइगर के एक अकैडेमिक ने बताया है कि संस्कृति को मिटाने का अभियान सोची-समझी कोशिश है जिससे लोगों को उनके इतिहास से अलग किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक 2016 में आक्सू प्रीफेक्टर के डेप्युटी सेक्रटरी ने सरकारी निकायों से कहा था- 'लोगों को गाइड करने में समय न बर्बाद करें, उनके रिवाज बदलें, पिछड़े, रुढ़िवादी रिवाजों को बंद करें।' रिपोर्ट में यह भी आकलन किया गया है कि अक्सू में कम से कम 400 कब्रिस्तानों का अपवित्रीकरण कर उनकी जगह दूसरे ढांचे खड़े कर दिए गए हैं। यही नहीं, 2015 में एक पार्टी अधिकारी और CCP अधिकारी ने यह भी कहा था, 'शिनजियांग में धार्मिक गतिविधियों के लिए जरूरी मस्जिदों से ज्यादा हैं।' उन्होंने मस्जिदें गिराने की सलाह दी थी और रिपोर्ट में आकलन किया गया है कि 8,500 मस्जिदें गिराई जा चुकी हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस वक्त शिनजियांग में सांस्कृतिक क्रांति के बाद से पहली बार इतनी कम मस्जिदें हैं। यह भी आशंका जताई गई है कि जो मस्जिदें अभी मौजूद हैं, वहां भी लोग प्रार्थना करने नहीं जाते हैं। सिर्फ मस्जिदें ही नहीं, मजारों और दूसरे सांस्कृतिक स्थलों को भी नहीं बख्शा गया है। ऐसी 50त्न जगहों को भी ढहा दिया गया है जो आधिकारिक रूप से संरक्षित थीं। 2017 में सरकार ने 20 किमी के इलाके में बुलडोजर चलाकर सब ढहा दिया जबकि यहां कोई नहीं जाता था। सिर्फ एक परिवार को छोड़ा गया जो सरकार को वहां आने-जाने वालों के बारे में जानकारी देने का काम करता था। रिपोर्ट के लिए 284 मजारों को लोकेट किया गया और उनमें से 165 को या तो ढहा दिया गया था या नुकसान पहुंचाया गया था। इस्लामिक ढांचा गिराकर नया खड़ा करने का चलन शिनजियांग में ज्यादा तो नहीं है लेकिन कुछ जगहों पर ऐसा किया गया है कि पुरानी इमारत को तोड़कर उसकी जगह अजीब सा छोटा ढांचा खड़ा कर दिया गया है। शिनजियांग की सरकार ने लोगों और संस्कृति पर खूब अत्याचार किया है। धार्मिकता गैरकानूनी है और उइगरों के लिए पब्लिक स्पेस और गैर-हान लोगों से उनकी पहचान छीनी जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संस्कृति मिटाने का अभियान पूरे शिनजियांग में फैलाया गया है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने कोनी बैरेट को सुप्रीम कोर्ट के नए जज के तौर पर नामित किया

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश रुथ बादर गिंसबर्ग के निधन के बाद रिक्त हुए पद के लिए एमी कोनी बैरेट को नये न्यायाधीश के रूप में नामित किया है।ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस प्रांगण में कहा, 'हमारे देश की सबसे प्रतिभाशाली और बेहतरीन कानूनविद में से एक बैरेट को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर नामित करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। वह विलक्षण प्रतिभा की धनी हैं और संविधान के प्रति गहरी निष्ठा रखती हैं।'संबोधन के दौरान सुश्री बैरेट अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बगल में खड़ी थीं। श्री ट्रम्प ने कहा, इस तरह का यह तीसरा नामांकन है। मेरे लिए बेहद खुशी के क्षण हैं। आप बेहतरीन हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पश्चिमी यूपी के कुख्यात बदमाश सुनील राठी पर योगी सरकार ने कसा शिकंजा, 1.2 करोड़ की संपत्ति कुर्क

बागपत (एजेंसी)। माफिया मुन्ना बजरंगी की हत्या के आरोपी सुनील राठी पर योगी सरकार ने शिकंजा कस है। इसी कड़ी में सुनील राठी के खिलाफ बागपत पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.2 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क कर दी। अपराध से अर्जित संपत्ति पर एसपी अभिषेक कुमार ने बताया कि बदमाश सुनील राठी पर लूट, हत्या और रंगदारी के 30 से ज्यादा मुकदमें दर्ज है।

एसपी अभिषेक कुमार ने बताया कि पुलिस की 6 टीमें सुनील राठी के पैतृक गांव टीकरी के मकान और कार पर कुर्की की कार्रवाई की है। फिलहाल सुनील राठी दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। सुनील राठी का परिवार भी अपराध जगत में सक्रिय है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अपराध जगत में सुनील राठी का बड़ा नाम है। बताया जाता है कि अपने पिता की हत्या कर उसने जुर्म की दुनिया में कदम रखा था।

इसके बाद एक–एक करके चार लोगों को मौत की नींद सुला दिया। लोग सुनील के नाम से भी डरने लगे।

उसकी मां पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा के टिकट पर छपरौली विधानसभा से चुनाव भी लड़ चुकी हैं।

दरअसल, कुख्यात बदमाश चीनू पंडित से सुनील राठी की जानी दुश्मनी है। बताया जाता है कि दोनों एक दूसरे पर जानलेवा हमले करवा चुके हैं। इन गैंगवार में दोनों बदमाशों के कई साथी भी मारे जा चुके हैं। चीनू पंडित रुड़की की जेल में बंद है।

जेल में बंद होने के बावजूद दोनों अपना–अपना गैंग नेटवर्क चला रहे हैं। इस मामले में बागपत के टिकरी कस्बे से नगर पंचायत की पूर्व चेयरमैन और सुनील राठी की मां राजबाला को गिरफ्तार किया गया था।

उसकी निशानदेही पर पुलिस ने नारसन में एक व्यक्ति के ऑ. फिस के पीछे छुपाए गए 32 बोर के पिस्टल और चार कारतूसों को बरामद किया था।

पुलिस ने सुनील राठी के दो गुर्गों रजनीश और दीपक को भी गिरफ्तार किया था।

योगीराज में बैखोफ अपराध, महिला से चलती बस में पूरी रात हुआ सामूहिक बलात्कार

मेरठ (एजेंसी)।योगी राज में उत्तरप्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन रेप की खबरें सामने आ रही हैं। ताजा मामला मेरठ का है। जहां एक महिला यात्री के साथ शुक्रवार की पूरी रात चलती बस में कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया गया। महिला का आरोप है कि बस चालक और परिचालक ने नशीला शीतल पेय पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद दिल्ली रोड पर मेवला फ्लाई. ओवर के पास फेंककर फरार हो गए। महिला को बदहवास हालत में पुलिस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार जिला मिर्जा. पुर निवासी महिला की शादी करीब पांच साल पहले मेरठ में सरधना निवासी युवक से हुई है। होश आने के बाद पीड़िता ने बताया कि वह

शुक्रवार रात को भैंसाली बस अड्डे से एक बस में बैठी थी। आरोप है कि बस के परिचालक ने उस कोल्ड ड्रिंक पिलाई।

इसके बाद चालक–परिचालक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पु. लिस ने बताया कि शनिवार तड़के आरोपी महिला को दिल्ली रोड पर मेवला फ्लाईओवर के पास गौशाला के बाहर फेंककर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने एंब. लेंस से महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। एएसपी डॉ.ईरज राजा के अनुसार महिला ने बस के चालक और परिचालक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। हम जांच कर रहे हैं।

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व सीडीआर निकली गई है। जल्द पूरे घटनाक्रम का खुलासा होगा।

सार–समाचार

श्री मद भागवत को पाठ्यक्रम में शामिल होंगे राष्ट्रपति ने दिया आदेश

हापुड़ः भारतीय जनता पार्टी हापुड की जिला मंत्री एंव नगर पालिका परिषद हापुड की मनोनीत सभासद व त्तेज तर्रार भाजपा नेत्री

कविता बाना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंदीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को खुला पत्र लिखकर देश की नोजवान पीड़ी और भारतीय संस्कुति के अनुरूप शिक्षा देने के लिये श्री मद भागवत गीता को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिये पत्र लिखा था जिसके बाद राष्ट्रपति ने दिया आदेश ने इस पत्र में पाठ्यक्रम में श्री मद भागवत गीता को सामेल किया जायेगा इस प्रकार की जानकारी मिला हैं

अज्ञात वाहन ने बिमार साइकिल सवार दम्पति को मारी टक्कर

उन्नाव हसनगंज उन्नाव कोतवाली क्षेत्र मोहान बांगरमऊ रोड मेहंदी खेड़ा तिराहे पर साइकिल से जा रहे दम्पति परवाता 58 वर्ष पत्नी रामकिशन चौरसिया निवासी जिन्दासपुर साइकिल से लखनऊ दवा लेने के लिए जा रहे थे तभी बांगरमऊ की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने साइकिल में टक्कर मार दी जिससे घटनास्थल पर ही वृद्ध महिला की मौत हो गई पति गंभीर रूप से जख्मी हो राहगीरों ने सीएचसी में भर्ती कराया जहा डाक्टरो ने पति की गम्भीर हालत देखकर जिला अस्पताल रैफर कर दिया जहा हालत गम्भीर बनी हुई है मृतका के एक लड़का है दिवारी जो लखनऊ में रहकर राजगीर का काम करते है मृतका के लड़के ने बताया कि माँ को पिता साइकिल से हसनगंज कस्बे में स्टैंड तक लेकर जा रहे थे तभी हादसा हो गया परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है!

अपराध निरिक्षक संजीव कुमार यादव ने बताया कि बेटे की तहरीर पर अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

माइनर की साफ सफाई न होने से सूख रही किसानों की फसल

उन्नाव।बिछिया सिंचाई विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से एक दर्जन गांव की माइनरों की सफाई सिर्फ पटरियों की घास काट कर कागजो पर कर ली गई जिससे टेल तक पानी न पहुचने से किसानों की धान की फसल बर्बाद होने की कगार पर है।

कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान गांव में मजदूरों को रोजगार देने को लेकर मनरेगा के तहत ग्राम पंचायतो से सिंचाई विभाग द्वारा माइनरों की साफ सफाई कराया जाना था। एक दर्जन गांव बरिंगवा, लालपुर, तुर्कमान नगर, रायपुर, टीकरगढ़ी, गोहना, विशुनपुर व जमुका सहित दर्जन भर से अधिक माइनरों की साफ सफाई न करवाकर सिर्फ पटरी की घास फूस कटवा कर कोरम पूरा कर लिया गया ।धन का विभाग द्वारा बन्दर बांट होने से टेल तक पानी नही पहुँच रहा है। किसानों की धान फसल सूखने की कगार पर है। किसानों में रामकिशुन, मेवालाल, रामऔतार, हरिशचन्द्र व सोहन ने बताया माइनरों की सफाई सिर्फ पटरी तक ही सीमित है। माइनर के अंदर सफाई न होने से कटीली झाड़ियां व घास उगी है। जिससे टेल तक पानी नही पहुंच पा रहा है। मजबूरन किराये के इंजन से 200 रुपये घण्टे दे कर सिंचाई करवाना पड़ रहा है महंगाई में किराए से सिंचाई होने पर परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच चुका है। क्षेत्रीय जेई जयप्रकश ने बताया कोरोना के दौरान माइनरों की साफ सफाई का आदेश दिया गया था। जिससे गांव के लोगो को रोजगार मिले उस समय माइनरों में पानी चल रहा था। जिससे सिर्फ पटरी ही साफ करायी जा सकी है।

जब कोतवाल ने पेश की मानवता की मिसाल

डलमऊ रायबरेली पुलिस की मानवीता उस समय देखने को मिली जब एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को कोतवाल लाल लाल सरोज ने उस पर अपनी दरियादिली दिखाई हुआ यूं कोतवाली कस्बे के मिया टोला निकट जिला पंचायत गेस्ट हाउस के पास राहगीरों को कचरे के ढेर में एक युवक दिखाई पड़ा लोगों ने लावारिस लाश समझ कर इस मामले की सूचना डलमऊ कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची कोतवाली प्रभारी लालचंद सरोज ने मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को उठाकर कोतवाली ले गए। जहां पर नगर पंचायत के कर्मचारियों ने मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को नहलाया और नए–नए कपड़े भी पहना है मामला यहीं नहीं रुका कोतवाल ने ढाबे से तत्काल खाना मंगवाया और मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को खाना परोसा खाना खाने के बाद मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को उपचार के लिए डलमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए वहां पर चिकित्सकों के माध्यम से मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक का इलाज कराया। कुछ लोगों ने बताया कि कचरे के ढेर में मिले मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक के पेट में ऑपरेशन करने के निशान है ऐसा प्रतीत होता है कि मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक की किडनी कहीं निकाली गई है। चिकित्सकों को भी ऐसा ही मामला प्रतीत हो रहा है जिसकी वजह से उसकी हालत नाजुक हो रही है फिर हाल मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक की किडनी कहां निकली है यह बात किसी को नहीं मालूम युवक भी अपना नाम पता बताने में असमर्थ है। कोतवाली प्रभारी लालचंद सरोज ने बताया कि कस्बे में मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक मिला है जिसका उपचार कराया जा रहा है मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक अपना नाम पता बताने में असमर्थ है।

छेड़खानी पर हुई कार्रवाई

कानपुर नगर कच्ची बस्ती बर्रा 8 में एक 12 साल की बच्ची के साथ छेड़खानी का प्रयास कर रहे युवक हरनाम पाल पुत्र ब्रह्मा दिन निवासी कच्ची बस्ती वरुण विहार बर्रा 8 थाना बर्रा कानपुर नगर को पब्लिक द्वारा मौके पर ही पकड़ लिया गया तथा स्थानीय पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया। इस संबंध में थाने पर अभियोग पंजीकृत कराया जा रहा है एवं आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जातिवाद के खिलाफ बोलने पर लगाया देशद्रोह का मुकदमा–संजय सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि जातिवाद का मुद्दा उठाने पर उनके विरुद्ध देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कराया गया है। लेकिन डरकर वह कहीं भागने या छिपने वाले नहीं हैं। पुलिस को बता दिया है कि वह किसी भी समय गिरफ्तारी देने को तैयार हैं।

रविवार को यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर बातचीत करते हुए संजय सिंह ने कहा कि वह अपने सर्वे पर पूरी तरह कायम हैं। सर्वे में सामने आए तथ्यों को ही उजागर किया है। सरकार बताए कि सर्वे से कहां हिंसा हुई या दंगे हुए? उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी चाहती है कि जातिवाद खत्म हो। उन्होंने जिलों में तैनात अधिकारियों के नाम लेते हुए कहा कि ठाकुर जाति के लोगों को जिलो में काबिज किया गया है। उन्होंने कहा कि 39 जिलो में ठाकुरों को अहम जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी को और कोई जाति के अधिकारी नहीं मिले। सत्ता की मलाई खाने वाले तमाम मंत्री अपने समाज के लोगो की आवाज नही उठा रहे है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि उन्होंने सर्वे इसलिए कराया था ताकि यह पता चले कि योगी सरकार जातिवादी है या नहीं। उन्होंने कहा कि सर्वे में 59 प्रतिषत लोगों ने माना कि योगी सरकार जातिवादी है। उन्होंने कहा कि यदि मैने यह सच बताया तो मैं देश द्रोही हो गया। मुकदमा लिखवाने से मैं डरने वाला व्यक्ति नही हूँ। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी देने आया हूं और मैं अपने सर्वे पर पूरी तरह से कायम हूँ।

विश्व नदी दिवस पर लोगों ने रैली निकाल कर की केंद्रीय नदी प्रधिकरण के गठन की मांग

आगरा (एजेंसी)। आगरा में रविवार को नदी प्रेमियों और ग्रीन वॉरियर्स ने एतमाउद्दौला व्यू–पॉइंट पार्क में विश्व नदी दिवस मनाया। इस दौरान यमुना नदी के एक हिस्से की सफाई की और भारत की प्रमुख नदियों के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीय नदी प्राधिकरण के गठन की मांग करते हुए रैली निकाली।

प्रख्यात पर्यावरणविद और रिवर कनेक्ट अभियान के सदस्य देवाशीष भट्टाचार्य ने कहा विश्व नदी दिवस जैसा खास दिन नदियों से जुड़े मूल्यों को याद करता है और दुनिया भर की नदियों के प्रबंधन के लिए पारंपरिक प्रयासों को प्रोत्साहित करता है। कोविड –19 महामारी के कारण इस वार्षिक आयोजन में सार्वजनिक तौर पर लोगों को हिस्सा नहीं लेने दिया, लेकिन छोटे समूह इन गतिविधियों में शामिल हुए।

इस मौके पर वेब–सेमिनारों के माध्यम से भारत में अधिकांश नदियों की दयनीय दुर्दशा को उजागर किया गया। यमुना मार्च के बाद वैदिक सूत्रम के चेयरमेन प्रमोद गौतम ने कहा अधिकांश नदियों को जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, शहरीकरण और जनसंख्या विस्फोट से जुड़े दबावों का सामना करना पड़ रहा है। आजादी के सात दशक बाद भी भारत के पास नदियों के लिए एक स्पष्ट रोड मैप नहीं है।

विश्व नदी दिवस की संस्थापक मार्क एंजेलो ने नदी कार्यकर्ताओं के लिए अपने संदेश में कहा, कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई में स्वच्छ जल का बहुत महत्व है।

इसीलिए दुनिया भर के लाखों–करोड़ों लोगों के सामने यह अवसर है कि वे साथ आकर इन स्वस्थ जीवंत जलमार्गों के महत्व को लोगों को समझाएं। नदियां सभी के जीवन का अभिन्न अंग हैं। पंडित जुगल किशोर श्रोत्रिय ने एक बार फिर दिल्ली–आगरा के बीच नौका सेवा शुरू करने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के वादे की याद दिलाई।

ब्रज मंडल हेरिटेज कंजर्वेशन सोसाइटी के उपाध्यक्ष श्रवण कुमार सिंह ने कहा कि ताजमहल के पीछे यमुना के ऊपर एक आड़ बनाने की तत्काल आवश्यकता है ताकि इस शानदार मुगल स्मारक को वायु और जल प्रदूषण से नुकसान न हो। आगरा होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि योगी सरकार को ग्रेटर नोएडा में फिल्म सिटी प्रोजेक्ट को प्राथमिकता देने की अपेक्षा उप्र की नदियों को बच. ाने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। पर्यावरण कार्यकर्ता राहुल राज ने कहा जिला प्रशासन ने आगरा को ओडीएफ (खुले में शौच से मुक्त) घोषित था, लेकिन सुबह नदी किनारे इसकी वास्तविकता देखी जा सकती है।

रोडवेज बस और ट्रक की टक्कर, एक की मौत,12 यात्री घायल

अयोध्या (एजेंसी)। जिले के बीकापुर बाजार में स्थित अयोध्या–प्रयागराज राष्ट्रीय रा. जमार्ग पर प्रयाग डिपो की बस एवं ट्रक की आमने–सामने की जोरदार टक्कर में एक की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि यात्रियों से भरी बस प्रयाग से चलकर फैजाबाद शहर जा रही थी। जबकि ट्रक फैजाबाद शहर की ओर से सुल्तानपुर की तरफ जा रहा था। इस दौरान मलेथू कनक मोड़ के पास 28 वर्षीय

बुलेट सवार हरिकेश यादव को बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित होकर ट्रक से भिड़ गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बस से बाहर निकाला।

हादसे के बाद प्रयागराज हाईवे पर आधे घंटे तक लंबा जाम लग गया। भीषण हादसे में बुलेट सवार हरिकेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई।

जबकि परिवहन निगम की बस पर सवार करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गये। इनमें से चार ही हालत गंभीर बतायी गयी है।

आठ साल छोटी बहन को भाई ने बनाया हवस का शिकार, मां की थी सहमति

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में रिष्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आयी है। घटना के मुताबिक एक भाई अपनी ही छोटी बहन को बीते आठ सालों से अपनी हवस का षिकार बना रहा था। इतना ही नहीं मां को यह जानकारी थी कि उसके घर में क्या चल रहा है। थक–हारकर किषोरी ने शुक्रवार रात हेल्प लाइन 1090 पर फोन कर अपनी व्यथा बयान की जिसके बाद पुलिस ने आरोपी भाई और उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया।

इंस्पेक्टर पीजीआई केके मिश्र के मुताबिक शुक्रवार रात आठ बजे किशोरी ने 1090 पर फोन करके अपनी व्यथा बयान की। जिसके बाद एक दरोगा जांच करने के लिए गए थे। लेकिन किशोरी की मां ने हस्तक्षेप करते हुए दरोगा को लौटा दिया। शिकायत की गम्भीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर मिश्र महिला दरोगा गीता सिंह के साथ किशोरी के घर पहुंचे। इस बार भी किशोरी की मां ने जांच में दखल देने का प्रयास किया। जिसके बाद महिला दरोगा ने किशोरी को कमरे में ले जाकर अकेले में बात की। महिला दरोगा गीता सिंह के सामने किशोरी फूट–फूट कर रोने लगी। उसने बताया कि आठ साल से बड़ा भाई उसके साथ दुराचार कर रहा है। शिकायत करने पर मां भी भाई का साथ देती है। संबंध बनाने से इनकार करने पर उसे मारा–पीटा जाता है। किषोरी से बात करने के बाद आरोपी युवक और उसको शह देने वाली मां को गिरफ्तार किया गया है। किशोरी को आशा ज्योति केंद्र भेजा गया है।

चलती बस में महिला के साथ पूरी रात गैंगरेप, बेहोशी की हालत में सड़क पर फेंका

मेरठ (एजेंसी)। उप्र के मेरठ जिले में एक चलती बस में शुक्रवार की पूरी रात एक महिला यात्री के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की घटना हुई। इतना ही नहीं दुष्कर्म के बाद महिला यात्री को बस से बाहर फेंक दिया गया। पीड़िता शनिवार को मेरठ में

दिल्ली रोड पर बेहोशी की हालत में पड़ी मिली और उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसने उसके साथ हुए हादसे की जानकारी दी।

जानकारी के अनुसार, पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार रात भैसाली बस स्टैंड से बस में सवार हुई थी। बस में उसे कोल्ड ड्रिंक दी गई थी, जिसमें पहले से कुछ मिलाया गया था, जिसे पीने के बाद वह होश खो बैठी और पूरी रात ड्राइवर और कंडक्टर ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता मेरठ जिले के सरधना की मूल निवासी है। पुलिस ने महिला का बयान दर्ज कर उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। मेरठ के एसएसपी अजय साहनी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दोषियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे सबूत जुटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की मदद भी ले रहे हैं और उसकी मदद से दोषियों की पहचान करने की भी कोशिश कर रहे हैं।

उ०प्र० में गैंग रेप, हत्या, बलात्कार की घटनाओं ने योगी सरकार के कानून व्यवस्था की खोली पोलः अजय कुमार लल्लू

'लखनऊ 27 सितम्बर 2020।'

उत्तर प्रदेश में हो रहे सिल. सिलेवार न थमने वाली गैंगरेप की घटनाएं अनवरत जारी है। जनपद हाथरस के बूलगढ़ी में विगत 14 सितम्बर को हुई दलित नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप व दरिन्दगी एवं जान से मारने के प्रयास की घटना ने उ0प्र0 को झकझोर कर रख दिया है। उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने इस घिनौने काण्ड की घोर निन्दा करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गयी है। हर रोज प्रदेश के तमाम जनपदों से हत्या, रेप, गैंगरेप और जघन्य अपराधों की तमाम घटनाएं समाचारपत्रों की सुर्खियां बन रही हैं। लचर कानून व्यवस्था और दोषियों पर तत्काल ठोस कार्यवाही न किये जाने से प्रदेश में ऐसे अपराधों की बाढ़ सी आ गयी है।

मुख्यमंत्री जी अपराधियों पर सख्त कार्यवाही करने के बजाए अपनी टीम 11 द्वारा जुटाये गये झूठे तथ्यों के जरिये जनता को गुमराह कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि दो वर्ष की देरी से जारी एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार उ0प्र0 महिला अत्याचारों के मामले में विगत तीन वर्षों से देश में नम्बर एक पर बना हुआ है एवं अपराध महिलाओं एवं दलितों के प्रति घटने के बजाए लगातार बढ़ रहे हैं।

'दलित नाबालिग बेटी के परिजनों को कम से कम 50 लाख रूपये आर्थिक अनुदान, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा एम्स में समुचित इलाज कराये योगी सरकार : अजय कुमार लल्लू'

साथ ही साथ दलितों के प्रति होने वाले 19 विभिन्न तरीके के अपराधों के मामले में भी उ0प्र0 देश में नम्बर एक पर है। उ0प्र0 में तीन साल की बच्ची से लेकर 70 साल की बुजुर्ग महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है। भदोही, लखीमपुर, सीतापुर, आजमगढ़, गोरखपुर, उन्नाव, शाहजहांपुर, कानपुर, सुलतानपुर आदि जनपदों में हुई घटनाएं बताती हैं कि योगी सरकार में महिलाएं और बच्चियां किस कदर असुरक्षित है।

हाथरस में दलित नाबालिग बेटी के साथ गैंग रेप की घटना घोर निन्दनीय

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि स्थानीय कांग्रेसजन लगातार इस मामले को लेकर घटना के दिन से ही पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने व आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आन्दोलनरत थे। अभी भी कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस नहीं कर रही है।

प्रदेश की योगी सरकार में दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न की घटनाओं में निरन्तर बढ़ोत्तरी हो गयी है। सिर्फ कागजों पर दलित, पिछड़ों के प्रति प्रेम दर्शाती रहती है। सच्चाई ठीक इसके विपरीत है। उ0प्र0 में आज दलित, पिछड़ों का उत्पीड़न नये–नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

श्री अजय कुमार लल्लू ने कहा कि हाथरस की दलित नाबालिग बेटी को प्रदेश सरकार समुचित न्याय दिलाने के क्रम में सबसे पहले अलीगढ़ मेडिकल कालेज से एयरलिफ्ट कराकर नई दिल्ली स्थित एम्स में समुचित इलाज कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

इसके साथ ही तत्काल पीड़ित परिजनों को 50 लाख रूपये आर्थिक अनुदान प्रदान करने व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भू माफिया जबरन भूमि पर कर रहा कब्जा प्रशासन मौन

गुजरात (नागरिक सेवा का अधिकार) अधिनियम, 2013

का उपयोग क्या जनता कर रही हैं या अधिकारी सिर्फ अपना मनमानी कर रहे हैं ?

सूरत एवं नर्मदा जिले के 73 आदिवासी बहुल गांवों को मिलेगी बारहमासी सिंचाई की सुविधा

– तापी–करजण उद्वहन सिंचाई योजना के 651 करोड़ के कार्यों की निविदा को दी मंजूरी

– आदिवासी गांवों तक पानी पहुंचाने को 53 मंजिला जितनी ऊंचाई तक ऊपर चढ़ाया जाएगा पानी

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने राज्य के अंबाजी से उमरगाम तक के आदिवासी पट्टे के समूचे क्षेत्र को लिफ्ट इरीगेशन के जरिए बारहमासी सिंचाई की सुविधा मुहैया कराने के लिए अब तक के सर्वाधिक उद्वहन सिंचाई योजनाओं के कार्यों को मंजूरी देकर आदिवासी क्षेत्रों की विशिष्ट भौगोलिक परिस्थिति में भी पानी की सुविधा उपलब्ध कराने का भगीरथ कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय क्षेत्र के आदिवासी किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए सिंचाई सुविधा से वंचित सूरत जिले की आदिवासी बहुल उमरपाड़ा तहसील और नर्मदा जिले की देडियापाड़ा तहसील में बारहमासी सिंचाई सुविधा मुहैया कराने को तापी–करजण उद्वहन सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 651 करोड़ रुपए की निविदा मंजूर की है।

तापी नदी पर बने उकाई बांध के दाहिनी ओर स्थित सूरत जिले की उमरपाड़ा और नर्मदा जिले की देडियापाड़ा तहसील के पहाड़ी इलाकों में मानसून के दौरान भारी वर्षा होती है।

यही नहीं, उकाई और करजण जलाशय जैसी बड़ी योजना तथा सरदार सरोवर बांध जैसी बहुउद्देशीय योजनाएं होने के बावजूद इन पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित आदिवासी गांवों को जनवरी महीने के बाद पानी की तंगी का सामना करना पड़ता है। विशिष्ट भौगोलिक परिस्थिति के कारण इस क्षेत्र के गांव सिंचाई की सुविधा से भी वंचित रहे हैं।

श्री रूपाणी ने अंबाजी से उमरगाम तक के समग्र आदिवासी पट्टे के सर्वग्राही विकास के सं. कल्प के साथ इन क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की योजनाओं के आयोजन और उसके क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी है।

इस उद्देश्य से उन्होंने उमरपाड़ा तहसील के 51 और देडियापाड़ा तहसील के 22 सहित 73 आदिवासी गांवों की 53,700 एकड़ जमीन को बारहमासी सिंचाई की सुविधा प्रदान करने के लिए तापी–करजण उद्वहन सिंचाई योजना को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री द्वारा इस योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यों की 651 करोड़ रुपए की निविदा को स्वीकृति देने से अब इन कार्यों को शीघ्र शुरू किया जाएगा। इन आदिवासी गांवों को सिंचाई के लिए पानी मुहैया कराने को 53 मंजिला ऊंची इमारत जितनी ऊंचाई तक पानी को उद्वहन यानी लिफ्ट करने का अभियांत्रिकी कौशल इस योजना में साकार होगा।

इस पूरी योजना को 36 महीने में पूरा करने का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। इस योजना के जरिए लगभग 100 मौजूदा चेकडैमों को भरने तथा 2 करोड़ 76 लाख की लागत से 3 नए बड़े चेकडैम बनाकर उसे भी पानी से भरकर सिंचाई सुविधा प्रदान करने का आयोजन है।

यह उद्वहन सिंचाई योजना उमरपाड़ा और देडियापाड़ा के आदिवासी किसानों के लिए वरदान साबित होगी साथ ही उन्हें बारहमासी सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने से अब खेती के जरिए आर्थिक समृद्धि की नई दिशा इन वनबंधु किसानों को मिलेगी। तापी–करजण उद्वहन सिंचाई योजना के अंतर्गत चार पंपिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। तापी नदी पर बने उकाई जलाशय के सातकाशी गांव में पहले पंपिंग स्टेशन का निर्माण कर 10 फुट व्यास वाले पाइप से 500 क्यूसेक पानी ऊपर चढ़ाया जाएगा। इतना ही नहीं, उमरपाड़ा के सरवाण पांचा आंबा तथा सादड़ा पाणी गांव के तालाब भी इसी पाइपलाइन योजना से भरे जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने 4 वर्ष में अब तक कुल मिलाकर महीसागर, दाहोद, पंचमहाल, सूरत, नर्मदा, तापी और भरुच सहित आदिवासी क्षेत्र के सात जिलों की 21 तहसील के 590 गांवों को कवर करने वाली 10 उद्वहन सिंचाई योजनाओं के कार्यों को मंजूरी प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने इन लिफ्ट इरीगेशन योजनाओं के लिए कुल 3,735 करोड़ रुपए के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की है। इन योजनाओं के परिणामस्वरूप कुल 2,30,250 एकड़ आदिवासी क्षेत्र की जमीन को सिंचाई का फायदा मिलेगा और समग्र आदिवासी क्षेत्र की कायापलट होने से कृषि विकास–हरियाली क्रांति की नई दिशा मिलेगी।

श्री रूपाणी ने पानी को विकास का मुख्य आधार बनाकर जल शक्ति को महत्व देकर गुजरात को उत्तम से सर्वोत्तम बनाने का संकल्प किया है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 70वें जन्मदिन पर गत 17 सितंबर को सागबारा, देडियापाड़ा और सोनगढ़ के आदिवासी बहुल 208 गांवों को उकाई जलाशय आधारित 305 करोड़ रुपए की पेयजल योजना की सौगात दी है।

अब, केवल एक सप्ताह के भीतर उन्होंने उमरपाड़ा और देडियापाड़ा के 73 आदिवासी गांवों को इस उद्वहन सिंचाई योजना के कार्य शुरू करने की भेंट देकर वनबंधु क्षेत्रों में पीने के और बारहमासी सिंचाई के पानी की सुविधा के जरिए उनके स्थायी सुख की मंशा जताई है।

राज्य में 1411 नए केस, 10 मरीजों की मौत,1231 ठीक हुए

गुजरात में कोरोना की स्थिति दिन ब दिन गंभीर होती जा रही है और सितंबर के प्रारंभ से 1400 से अधिक कोरोना के नए केस सामने आ रहे हैं। आज राज्य में 1411 नए केस सामने आए हैं और 1231 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में अब तक 1.13 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। राज्य में मरीजों के स्वस्थ होने का दर 84.93 प्रतिशत है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 178, सूरत कॉर्पोरेशन में 160, राजकोट कॉर्पोरेशन में 112, सूरत में 109, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 92, जामनगर कॉर्पोरेशन में 81, राजकोट में 59, मेहसाणा में 52, वडोदरा में 41, बनासकांठा में 36, कच्छ में 34, सुरेन्द्रनगर में 34, भावनगर में 31, अमरेली में 30, पाटन में 27, गांधीनगर में 26, मोरबी में 24, भरुच में 21, अहमदाबाद में 19, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 19, साबरकांठा में 19, जामनगर में 18, पंचमहल में 18, आणंद में 16, भावनगर कॉर्पोरेशन में 16, खेडा में 16, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 15, जूनागढ़ में 14, दाहोद में 12, तापी में 12, महीसागर में 11, नवसारी में 11, गिर सोमनाथ में 9, वलसाड में 8, देवभूमि द्वारका में 7, अरवल्ली में 6, नर्मदा में 6, छोटाउदेपुर में 5, पोरबंदर में 3, बोटाद और डांग में 2–2 समेत राज्यभर में कुल 1411 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। बकि 1231 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो गए।

इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, भावनगर कॉर्पोरेशन, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन, राजकोट, वडोदरा और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1–1 समेत राज्य में 10 मरीजों की कोरोना से मौत हो गईद्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज 60357 समेत राज्यभर में अब तक कुल 4232408 लोगों के टेस्ट किए गए, जिसमें 133219 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए। इसमें से 113140 लोग अब तक स्वस्थ हो चुके हैं और 3419 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। शेष 16660 एक्टिव केसों में 16574 की हालत स्थिर है और 86 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 605868 लोगों को कोरन्टाइन में रखा गया है। जिसमें 605420 होम कोरन्टाइन और 448 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

क्रांति समय
स्पेशल ऑफर
अपने बिज़नेस को बढ़ाये हमारे साथ
ADVERTISEMENT WITH US
सिर्फ 1000/- रु में
(1 महीने के लिए)
संपर्क करे

झालोद के भाजपा पार्षद की अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मौत

दाहोद जिले की झालोद नगर पालिका के भाजपा पार्षद हिरेन पटेल की आज सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मौत हो गई।

पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले की झालोद नगर पालिका के पार्षद और पूर्व उप प्रमुख हिरेन पटेल झालोद के मुवाडा नाका स्थित अपने निवास से आज सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे।

बाद में किसी परिचित व्यक्ति ने हिरेन पटेल को झाडियों में घायलावस्था में देख तुरंत उनके परिजनों का जानकारी दी।

हिरेन पटेल का झालोद के सुंदरम अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद वडोदरा ले जाया जा रहा था।

लेकिन वडोदरा के अस्पताल पहुंचने से पहले हिरेन पटेल ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात वाहन ने हिरेन पटेल को अपनी चपेट में लिया और घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

स्थानीय पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू की है।

अधिक जानकारी के लिए युटुब पर देखें
गुजरात (नागरिक सेवा का अधिकार) अधिनियम–2013 के बारे में
youtube:-RTI INDIA Website:- rti.krantisamay.com

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

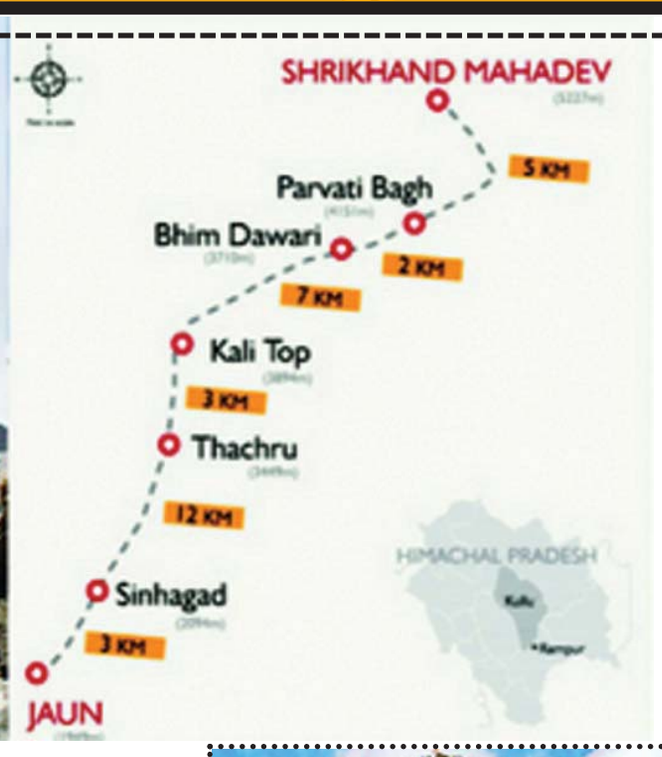

अनोखी है श्रीखंड महादेव यात्रा

आस्था से सराबोर हमारे देश में कई धर्मस्थल हैं, इनमें से ऐसे कई धर्मस्थल ऐसे भी हैं जहां धार्मिक यात्राएं की जाती हैं। इन्हीं में से एक यात्रा है, श्रीखंड महादेव यात्रा। यह यात्रा हिमाचल प्रदेश में मौजूद श्रीखंड दर्शन के लिए की जाती है। यह यात्रा वर्ष में एक बार जून-जुलाई माह में होती है। तो जानते हैं इस धार्मिक यात्रा से जुड़ी बातें

- श्रीखंड महादेव हिमाचल के ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के पास है। स्थानीय लोगों की मानें तो, इस चोटी पर भगवान शिव का वास है।
- यहां मौजूद शिवलिंग की ऊंचाई 72 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए सुंदर घाटियों के बीच से एक ट्रैक है।
- श्रीखंड महादेव के दर्शन के लिए 18570 फीट की ऊंचाई पर चढ़ना होता है।
- श्रीखंड यात्रा के लिए 25 किलोमीटर की सीधी चढाई श्रद्धालुओं के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं होती है।
- लगभग 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित श्रीखंड यात्रा के दौरान सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की भी कमी पडती है।

धार्मिक यात्रा का पौराणिक महत्व

पौराणिक मत के अनुसार, एक बार एक दैत्य भस्मासुर ने शिव को तप से प्रसन्न कर वरदान मांगा था कि वह जिस पर भी अपना हाथ रखेगा तो वह भस्म होगा। दैत्य स्वभाव होने के कारण उसने माता पार्वती से शादी करने इच्छा हुई। तब भस्मापुर ने शिव के ऊपर हाथ रखकर उन्हें भस्म करने की योजना बनाई, लेकिन भगवान विष्णु ने मोहिनी रुप रख, उससे नृत्य करने की मंशा जाहिर की और इस तरह नृत्य में ही उसका हाथ उसके सिर पर रखवा दिया। जिससे भस्मासुर जलकर भस्म हो गया। कहते हैं जहां भस्मासुर का अंत हुआ था। श्रीखंड महादेव मंदिर परिसर में वो जगह वर्तमान में भी मौजूद है।

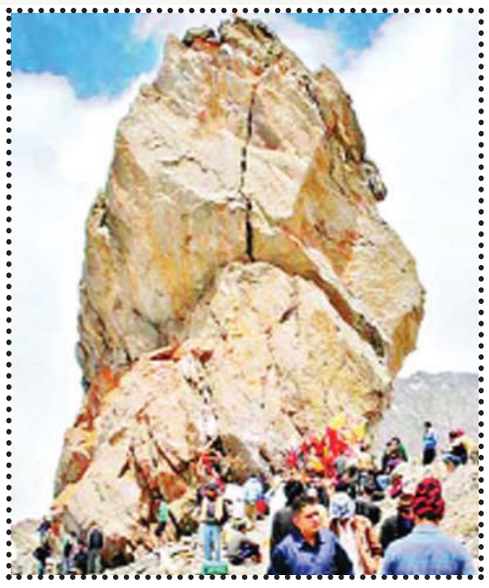

यात्रा के लिए यहां से करते हैं शुरूआत

जून-जुलाई में शुरू होने वाली यात्रा के लिए भक्त हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर से कुल्लू जिला और फिर यहां से निरमंड से होते हुए बागीपुल पहुंचते हैं। और यहां से शुरू होती है 30 किमी की आस्था से सराबोर यात्रा।

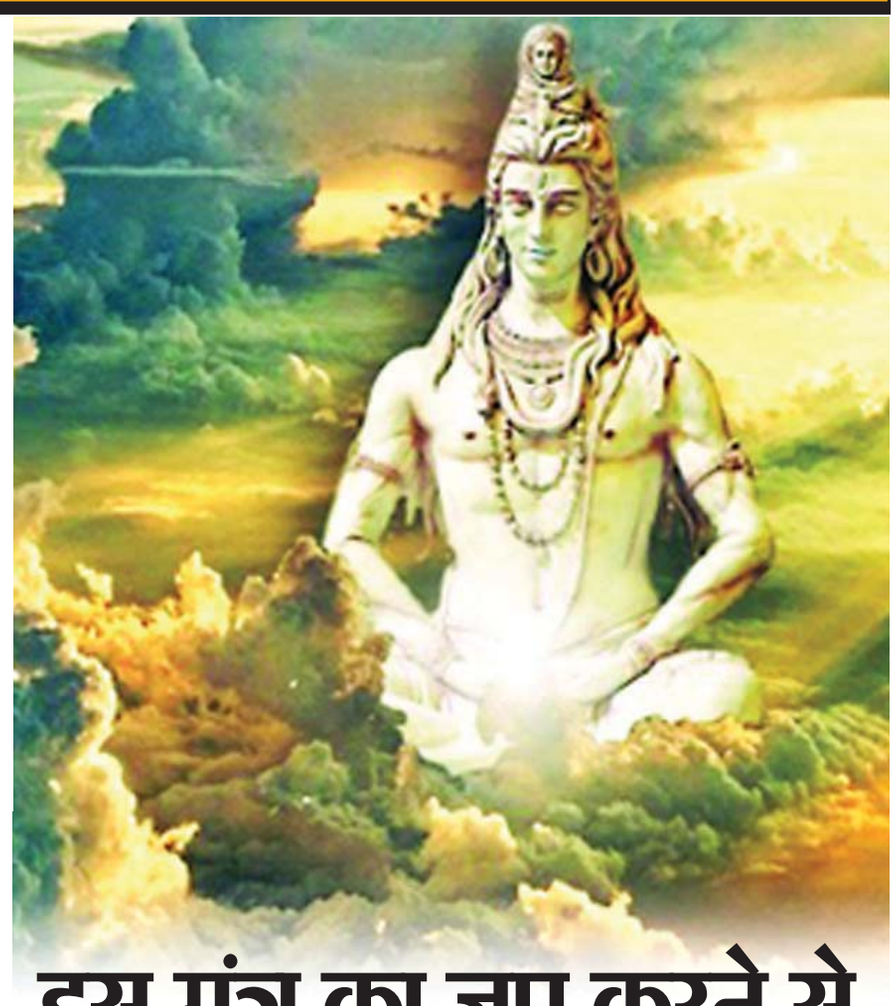

इस मंत्र का जप करने से नहीं आती अकाल मृत्यु

मौत जिंदगी का अंतिम सत्य है। इस सत्य से आप किनारा नहीं कर सकते हैं। क्योंकि जिस व्यक्ति ने इस पृथ्वी पर जन्म लिया है। उसकी मौत निश्चित है। लेकिन ये मौत अकाल मौत न हो इसके लिए कुछ उपाय करना बेहद जरूरी है। क्योंकि ईश्वर ने आपको एक तय उम्र दी है। जिसमें आप नेक कर्म कर जन्म-जन्मांतर के चक्र से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए अकाल मृत्यु से बचने के लिए आप ये उपाय जरूर आजमाएं...

- शिवपुराण के अनुसार जो महाकाल के भक्त होते हैं उनका काल भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता।
- अकाल मृत्यु से बचने के लिए जल में तिल और शहद मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और ऊं नम: शिवाय मंत्र का जप करना चाहिए। यह उपाय शनिवार को करने से अकाल मृत्यु का खतरा टल जाता है।
- शनि देव की शनिवार के दिन पूजन से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। इसलिए हर शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा करने वाले व्यक्ति से अकाल मौत का खतरा दूर हो जाता है।
- नौ ग्रहों में सबसे क्रूर माने जाने वाले शनिदेव की कृपा पाने के लिए शनिवार को उनके पूजन के अलावा उनसे संबंधित वस्तुओं का दान करना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है और अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता है।
- भगवान सदैव उन लोगों की रक्षा करते हैं जो उनकी शरण में जाते हैं। इसलिए ईश्वर पर आस्था रखकर इन मृत्यु टालने के उपाय को करने से इसका फायदा ज़रूर मिलता है।

भोजन में शामिल करें ये चीजें
ग्रहों के कोप से मिलेगा छुटकारा

नवग्रहों को प्रसन्न करने के लिए उपासना, यज्ञ और रत्न आदि धारण करने का विधान है। हम लोग जड़ की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित रखें तो ग्रह अतिशीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं। ज्योतिष ग्रंथ जातक पारिजात में बताया गया है, व्यक्ति किस तरह का भोजन करता है, इसका सीधा संबंध ग्रहों से है। यथोचित और शुद्ध भोजन ग्रहण करके भी नवग्रहों को प्रसन्न किया जा सकता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए गेहूं, आम और गुड़ को भोजन में शुमार करें। चन्द्र मन का कारक ग्रह है। इसे अनुकुल करने के लिए गन्ना, चीनी, आईसक्रीम, मिठाईयां, दूध और दूध से बने पदार्थ खाएं। बुद्धि के कारक बुद्ध ग्रह को शुभ करने के लिए मटर, ज्वार, मूंग, हरि सब्जियां आहार में शामिल करें। धन, पुत्र और विद्या के दाता बृहस्पति को फेवर में करने के लिए चने और चने से संबंधित चीजें, केला, हल्दी, सेंधा नमक, पीले रंग की दालें और फल खाएं। शुक्र के निर्बल या अशुभ होने पर जातक की अनैतिक कार्यों में प्रवृत्ति होती है, समाज में मान-सम्मान नहीं मिलता तथा अनेक सुखों का अभाव रहता है। जीवन में मनचाहा प्रेम और सौंदर्य शुक्र ग्रह की बदौलत ही प्राप्त होता है। ये भोज्य पदार्थ खाने से ये अनुकुल प्रभाव देने लगते हैं त्रिफला, दालचीनी, कमलगट्टे, सफेद शलगम, मूली, मिश्री। शनि की टेढ़ी नजर से बचने के लिए खाने में तिल, उड़द, मूंगफली का तेल, अचार, लौंग, तेज पत्ता ग्रहण करें। उड़द, तिल और सरसों राहू-केतू का अशुभ प्रभाव दूर करने में सहायक हैं।

कैसा होना चाहिए मंदिर जाते समय पहनावा

जब भी किसी भी धर्मस्थल पर जाते हैं तो कपड़े ऐसे होने चाहिए जो शालीन हों और पहनने में सहज हों। क्योंकि जब मंदिर में भगवान के सामने सिर झुकाते हैं या खुदा के सामने सजदा करते हैं तो शालीन और सहज कपड़े पहने होने पर किसी प्रकार की समस्या नहीं होती। और यदि आप काफी तंग कपड़े पहने होते हैं तो इस तरह की समस्या आना आम है। ऐसे में भक्त का सारा ध्यान अपने वस्त्रों पर होता है। भगवान पर नहीं। याना आस्था और मनोकामना के लिए धर्म स्थल पर आना पूरी तरह से व्यर्थ हो जाता है। पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि प्राचीन काल में ऋषि-मुनि, राजा-महाराजा और आम आदमी धोती पहना करते थे। यह काफी सहज होती है। ऐसे में जब वो मंदिर जाते या फिर यज्ञ हवन करते तो उन्हें उठने-बैठने और चलने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती थी। और उनका पूरा ध्यान ईश्वर की आराधना में रहता था। हालांकि यह परंपरा आज भी जारी है। इसलिए देश के भव्य मंदिरों में पूजा अर्चना करते समय पारंपरिक वस्त्रों को ही पहना जाता है। इन वस्त्रों का रंग अमूमन पीला और लाल होता है। वह इसीलिए कि पीला रंग सकारात्मकता को दर्शाता है तो लाल रंग स्वयं देवी का का रंग है। जो अपना आध्यात्मिक महत्व रखता है।

गौ परिक्रमा से मिलते हैं ढेरों लाभ

विष्णुधर्मोत्तरपुराण के अनुसार व्यक्ति के किसी भी अनिष्ट की निवृत्ति के लिए गौमाता के पूजन का विधान किया गया है। अनेक तरह के अरिष्टकारी भूचर, खेचर और जलचर आदि दुर्योग उस व्यक्ति को छू भी नहीं सकते जो नित्य गौमाता की सेवा करता है या फिर रोज गौमाता के लिए चारे या रोटी का दान करता है। तिल, जौ व गुड़ का बना लड्डू नौ गायों को खिलाने से व परिक्रमा करने से संतान प्राप्ति एवं मनोवांछित फल मिलता है। पति-पत्नी में आपसी मनमुटाव या क्लेश रहता हो तो दोनों गठजोड़े से गऊमाता की परिक्रमा करें एवं घर से रोटी बनाकर तिल के तेल से चुपड़ कर गुड़ के साथ नौ गायों को खिलाएं। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। गर्भवती महिलाएं नौ माह में प्रत्येक अमावस्या व पूर्णिमा पर परिक्रमा कर लें तो सामान्य डिलीवरी से संतान होगी। प्रतिदिन भोजन करने से पहले एक रोटी व गुड़ अपने हाथ से देसी गाय को खिलाने से एवं गाय के मुंह से लेकर पूंछ तक हाथ फेर कर अपने शरीर पर हाथ फेरने से शरीर का संतुलन बना रहता है। गाय को जौ खिलाएं और उसके गोबर में से जौ निकले, उसे धोकर खीर बना कर एक चम्मच गाय का घी डालकर गर्भवती महिलाएं अंतिम माह में खाएं। यह साधारण डिलीवरी में सहायक है। जिन बच्चों की शादी में अनावश्यक विलम्ब हो रहा हो, वे स्वयं विधिपूर्वक गाय की पूजा करके नौ रोटी व गुड़ खिलाएं जिससे मनवांछित फल प्राप्त होगा। गाय के आगे वाले पांव पर कुमकुम, अक्षत, पुष्प, जल, दूध, गुड़ से पूजन करने से घर में सुख-शांति व मोक्ष की प्राप्ति होती है। जिनके बच्चे कहने पर नहीं चलते हैं, मनमानी करते हों, ऐसे बच्चों के माता-पिता गौ माता की नौ परिक्रमा करें। बच्चे को एक बूंद गौमूत्र व गंगाजल, दूध या चाय में मिलाकर पिलाएं। बालक आज्ञाकारी होगा। आज्ञाकारी एवं मनवांछित संतान प्राप्ति के लिए पति एवं पत्नी दोनों गर्भधारण करने के पश्चात बछिया को दूध पिलाती हुई गाय की परिक्रमा करें। गौ धूलि बेला के समय गौ माता की परिक्रमा करने से भी समस्याओं का अंत होता है।

हनुमानजी को प्रसन्न करने के अचूक उपाय

एक बार शनिदेव ने हनुमान जी को अपने साथ युद्ध करने के लिए ललकारा। हनुमान जी उनसे युद्ध करना नहीं करना चाहते थे, तब उन्होंने शनि को अपनी पूंछ से बांधकर ब्रह्मांड के चक्कर लगवा दिए। शनिदेव का शरीर पूरी तरह से छलनी हो गया। उनके शरीर से रक्त की धार बह रही थी। वह हनुमान से खुद को छोड़ने का आग्रह करने लगे। हनुमानजी ने उन्हें एक शर्त पर छोड़ा कि वो उनके भक्तों को कभी परेशान नहीं करेंगे। शनिदेव उनकी इस बात को मान गए।

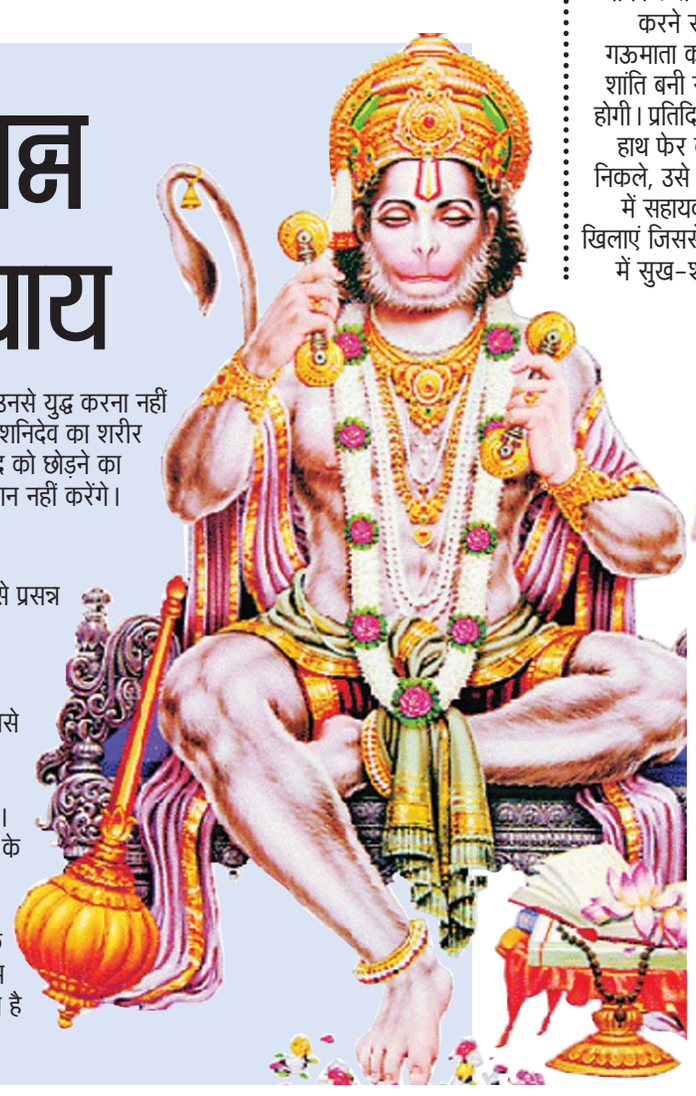

- मंगलवार के दिन लाल वस्त्र पहने हनुमान जी को लाल रंग बेहद पसंद है।
- हर मंगलवार को हनुमान जी को बनारसी पान अर्पित करें। इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न रहेंगे।
- हनुमान जी को खुश रखने के लिए गरीबो की मदद करें, हर किसी के साथ अच्छा व्यवहार रखें और अपने माता पिता का हमेशा सम्मान करें।
- हनुमान जी की पूजा करते वक्त हनुमान जी को सिंदूर चढाएं इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न रहेंगे।
- हनुमान चालीसा में वर्णित है कि, किसी अन्य देव की पूजा करने से शायद आपको फल मिलने में थोड़ा समय लग जाए लेकिन हनुमान की अराधना तुरंत फल देती है।
- मंगलवार के दिन राम मंदिर में जाएं। हनुमान जी के मस्तक का सिंदूर दाहिने हाथ के अंगूठे से लेकर सीता माता के श्री रूप के श्री चरणों में लगा दें। अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए प्रार्थना करें।
- मंगलवार की सुबह स्नान करने के बाद बड़ के पेड़ का एक पत्ता तोड़ें और इसे साफ पानी से धो लें। अब इस पत्ते को कुछ देर हनुमानजी के सामने रखें। इसके बाद इस पर केसर से श्रीराम लिखें। अब इस पत्ते को अपने पर्स में रख लें। ऐसा माना जाता है कि इससे पर्स में पैसे बने रहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अधिक उपज वाली फसल है मक्का

मोटे अनाज के रूप में कभी गरीबों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मक्का आज उद्योग जगत में भी अपना स्थान बना चुकी है। स्टार्च, अल्कोहल, एसिटिक व लेक्टिक एसिड, ग्लूकोज, रेयान, गोंद (लेई), चमड़े की पालिश, खाद्यान्न तेल (कार्न ऑइल), पेकिंग पदार्थ आदि में इस्तेमाल की जाने लगी है।

मानव एवं पशु आहार मक्का का पौधा मेक्सिकन मूल का माना जाता है। इसकी खेती देश के सभी प्रांतों में की जाती है। इसके लिए गर्म तर मौसम उपयुक्त होता है। खरीफ के साथ ही इसकी मुख्य फसल ली जाती है। वैसे जायद व वसंत में भी इसे उगाया जाता है। फसल नहीं देने पर इसे पशु चारे के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। तेज सर्दी के दिन छोड़कर किसी भी माह में उगाया जा सकता है। यह अधिक उपज देने वाली फसल है।

जून-जुलाई में बोई फसल 45 दिनों में पूर्ण विकसित होकर 50 से 60 दिनों में भुट्टे देने लग जाती है। इसके लिए गहरी काली, उपजाऊ जीवांशयुक्त मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है। मिट्टी का पीएच मान 6.5 से लेकर 7.5 के बीच अच्छा होता है। ऐसी मिट्टी न क्षारीय होती है न अम्लीय।

खेत की तैयारी एक बार मिट्टी पलटने वाला हल, दो बार कल्टीवेटर, दो बार पांस वाला बखर तथा दो बार पाटा (पठार) चलाकर की जाती है। खेत समतल या हल्का सा ढालू होना आवश्यक है ताकि पानी जमा न हो। खेत में 72 घंटे पानी रुकना फसल के लिए हानिकारक हो सकता है।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में मक्का पर अनुसंधान कर कई किस्में तैयार की गई हैं। इनमें गंगा सफेद-2 देश के मैदानी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। इसे पकने में 100 दिन लगते हैं। सफेद दाने वाली यह किस्म 60 क्विंटल तक उपज देती है। गंगा-5 किस्म के दाने नारंगी पीले होते हैं जो 95 दिनों में पकते हैं। इससे 45 से 50 क्विंटल प्रति हैक्टेयर उपज मिल सकती है।

इसके अलावा पीले दाने वाली विजय किस्म 95 से 105 दिन में पकती है। इससे प्रति हैक्टेयर 45 से 50 क्विंटल उपज मिल जाती है। ये सभी संकर (हाईब्रिड) किस्में हैं। हर वर्ष इनका नया बीज बोना होता है। मध्यप्रदेश के जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इसकी कुछ संकुल (कंपोजिट) किस्में भी तैयार की गई हैं। इनके बीज एक बार लगाकर किसान अपने बीज खुद तैयार कर सकते हैं।

यह मध्यम व कम रकबे वाले किसानों के लिए उपयुक्त है। ये किस्में - चंदन मक्का-1, नवजोत, पूसा कम्पोजिट-1, पूसा कम्पोजिट-11 हैं। इसमें पौधे का संरक्षण आवश्यकता अनुसार करते रहें।

ऐसे मिलेगी पर्याप्त उपजः मक्का की फसल से पर्याप्त उपज लेने के लिए एक

हैक्टेयर में 10 से 15 टन गोबर खाद या कम्पोस्ट फसल बोने के छः से आठ दिन पहले खेत में बिखेरकर पांस वाला हल चला दें। बीज बोते समय 50 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटाश और 50 किलोग्राम जिंक सल्फेट बीज की कतारों के नीचे खाद बुआई यंत्र से डालें। 30 व 45 दिन बाद 50-50 किलोग्राम की मात्रा खड़ी फसल की कतारों के बीच यूरिया उर्वरक के रूप में गुड़ाई द्वारा मिट्टी में मिलाएँ।

इसमें बीज की मात्रा 20 से 25 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर लगती है। बोने के पूर्व पाँच ग्राम प्रोटेक्ट (ट्राइकोडर्मा विरिडि) प्रति एक किलोग्राम बीज दर से उपचारित करें। पौधे स्थापित होने के बाद 20-22 सेमी की दूरी रख अविकसित पौधे निकाल दें। पौधों के बीच की दूरी 60 सेमी अच्छी मानी गई है। एक हैक्टेयर में 70 से 75 हजार पौधे होना चाहिए। 20-25 दिन के अंतर पर निंदाई-गुड़ाई करें। 25 से 35 दिन में पौधे पर मिट्टी चढ़ाने से भुट्टे आने के बाद हवा चलने पर भुट्टे गिरते नहीं हैं।

लहसुन के सत से दूर करें तिलहन फसलों के रोग

डायलाइल थायोसल्फिनेट है, जो हर प्रकार के फफूंद से होने वाले रोगों को रोकने में सक्षम है। इसका छिड़काव करने से तिलहन की फसल पर लगने वाला फफूंद पूरी तरह से खत्म हो जाता है। सरसों उत्पादक जिलों में किए गये अध्ययन में ये बात साफ हो गई है कि रासायनिक कीटनाशकों के मुकाबले लहसुन के घोल का छिड़काव करने से जहां फसल पर लगा रोग पूरी तरह से समाप्त हो जाता है, वहीं पैदावार में भी कमी नहीं आती है।

तिलहन की फसलों में लगने वाले रोगों से बचाव के लिए किए जा रहे रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग के कई हानिकारक परिणाम सामने आये है। इस तरह का एक प्रयोग सरसों की फसल पर भी किया गया है। जिसमें पाया गया है कि पौधों पर फूल आने के समय उसमें कीटनाशकों का छिड़काव करने से उसकी पैदावार में कमी आ जाती है। लेकिन रासायनिक कीटनाशकों के बजाए उसके स्थान पर लहसुन के घोल का छिड़काव किया गया तो, फसल पर कोई विपरित प्रभाव तो पड़ा ही नहीं, साथ ही रोगों से भी छुटकारा मिल गया।

राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र भरतपुर (राजस्थान) द्वारा इस संबंध में अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के अनुसार सरसों में पाया जाने वाला वाठट रस्ट के ऊपर इस घोल का सफलता पूर्वक उपयोग राजस्थान के भरतपुर, नवगांव और पंजाब के भटिंडा में किया गया है। सरसों की फसल में वाइट रस्ट का प्रकोप ज्यादा देखा जाता है। उत्पादक इलाकों में अगर लगातार कई दिनों तक आसमान में बादल छाए रहे और धूप ना निकले तो फिर सरसों की फसल पर सफ़ेद पाउडर लगने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लहसुन की कली से निकाले गये सत्व को पानी में मिलाकर सरसों की फसल के ऊपर छिड़काव करने से उसकी पत्ती और कलियों पर अल्टर्नेरिया ब्लाइट रोग का प्रकोप काफी कम हो जाता है। इसके साथ ही सीवर, लुधावायी और नवगांव में किये गये प्रयोग से सामने आया है कि लहसुन की कली के सत्व के घोल से पौधों में बीज उत्पादन भी काफी बढ़ा है। सरसों के अलावा तिलहनों के दूसरी फसलों जैसे सूरजमुखी पर किये गये इस घोल के छिड़काव से भी आशातीत नतीजे सामने आये है। हैदराबाद में किये गये इस प्रयोग से यह सामने आया है कि अल्टर्नेरिया ब्लाइट पर यह बेहद प्रभावी रहा, साथ ही अरंडी पर होने वाले रोगों पर भी यह घोल काफी प्रभावी रहा है। लहसुन की कली से निकाले गये इस सत्व में वैज्ञानिकों ने एक नया रासायन पाया जो फफूंद से होने वाले रोगों के लिए बेहद कारगर साबित हो रहा है।

इस रसायन का नाम डायलाइल थायोसल्फिनेट है, जो हर प्रकार के फफूंद से होने वाले रोगों को रोकने में सक्षम है। इसका छिड़काव करने से तिलहन की फसल पर लगने वाला फफूंद पूरी तरह से खत्म हो जाता है। सरसों उत्पादक जिलों में किए गये अध्ययन में ये बात साफ हो गई है कि रासायनिक कीटनाशकों के मुकाबले लहसुन के घोल का छिड़काव करने से जहां फसल पर लगा रोग पूरी तरह से समाप्त हो जाता है, वहीं पैदावार में भी कमी नहीं आती है। सबसे खास बात तो यह है कि किसान इसको घर पर ही तैयार कर सकते हैं तथा खुद ही तैयार कर अपने खेतों में इसका छिड़काव स्वयं भी कर सकते है। इसकी लागत भी रासायनिक कीटनाशकों के मुकाबले काफी कम होने के कारण किसानों के रासायनिक कीटनाशकों पर होने वाले खर्च में भी अच्छी-खासी कटौती हो सकती है। इसको तैयार करने की विधि भी आसान है। इस घोल को तैयार करने के लिए भी पहले एक किलो लहसुन को पिसकर उसका पेस्ट तैयार किया जाता है। उसके बाद उसको दस लीटर पानी में मिलाकर अच्छी तरह से मिला लिया जाता है। उसके बाद 24 घण्टें इस घोल को सामान्य ताप पर रखा जाता है। इसके बाद इसको छान कर प्राप्त हुये घोल को पत्तियों पर छिड़का जाता है। यह घोल पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल होने के अलावा रासायनिक कीटनाशकों के मुकाबले काफी सस्ता होता है। इस समय सरसों की फसल पकने के लिए तैयार है। देश में लगभग सभी उत्पादक राज्यों में इस समय सरसों की फसल के पौधों पर फूल आ चुके है तथा कई जगह बालियों में दाने पड़ने भी शुरू हो गये है। सरसों किसानों के लिए यह घोल काफी सहायक हो सकता है। इसका प्रयोग केवल सरसों, सूरजमुखी ही नहीं बल्कि अन्य दूसरी तिलहनी फसलों में भी किया जा सकता है। अन्य तिलहनी फसलों पर भी यह उतना ही प्रभावी होता है।